{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 03 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 249
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,267.34
निफ्टी	-	23,382.60
सोना	-	1,56,220
चांदी	-	2,80,000
डॉलर	-	95.20

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

टीएमसी के 50 विधायक बदल सकते हैं पाला

चुनाव चिन्ह भी पड़ सकता है खतरे में

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्ता से बेदखल हुई टीएमसी अब अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पार्टी के 50 विधायक पाला बदलने के लिए सौदेबाजी करते सुनाई दे रहे हैं। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा सोमवार को दो विधायकों को निष्कासित किए जाने के बाद से राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि टीएमसी के करीब 50 विधायक पार्टी से अलग हो सकते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कई पार्षद लगातार अपने पदों से इस्तीफा दे रहे हैं और पार्टी के बड़े नेता आधिकारिक कार्यक्रमों से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। दो विधायकों के निष्कासन के बाद अब विधानसभा में टीएमसी के सदस्यों की संख्या घटकर 78 रह गई है। राजनीतिक हल्कों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि निष्कासित विधायक रीताब्रत बनर्जी और संदीपन साहा के नेतृत्व में एक नई तृणमूल का गठन किया जा सकता है, हालांकि अभी तक किसी भी नेता ने इस पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है।

दूसरी तरफ, राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इन दोनों विधायकों का विशेष रूप से जिक्र किया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, हावड़ा की उलुबेरिया पूर्व सीट से विधायक रीताब्रत बनर्जी और मध्य कोलकाता के एंटाली से विधायक संदीपन साहा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर ही विधानसभा सचिवालय ने विधायक दल के जाली हस्ताक्षर का मामला पुलिस में दर्ज कराया था। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि यह जांच किसी अन्य दल द्वारा शुरू नहीं की गई थी, बल्कि खुद टीएमसी के इन दो विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष के सामने शिकायत दर्ज कराई थी। विधायकों का आरोप था कि विपक्ष के नेता के चयन से संबंधित बैठक में ऐसा कोई प्रस्ताव पारित ही नहीं हुआ था और 70 विधायकों के हस्ताक्षर वाला समर्थन पत्र पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत है। इस पूरे विवाद ने बंगाल की सियासत को बेहद संवेदनशील मोड़ पर ला खड़ा किया है।

तो महाराष्ट्र जैसी बन जाएगी स्थिति

यदि टीएमसी के 50 विधायक अलग होकर एक नया गुट बनाते हैं, तो बंगाल में भी महाराष्ट्र जैसा राजनीतिक परिदृश्य देखने को मिल सकता है। जिस तरह महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में बड़ी बगावत के बाद मूल कप्तानों को अपनी ही पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न गंवाना पड़ा था, वैसी ही स्थिति यहाँ भी बन सकती है। टीएमसी नेतृत्व ने जिन दो विधायकों पर कार्रवाई की है, उन्हें भेजे गए पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने के बावजूद वे आधिकारिक बैठकों से लगातार नदारद रहे और खुद को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किया। पार्टी उपाध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित इस पत्र में आरोप लगाया गया है कि इन विधायकों के बयान और कदम संगठन के हितों के पूरी तरह खिलाफ थे, जिसके कारण उन्हें प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया गया।

अगर मैं हस्तक्षेप नहीं करता तो इजराइली पीएम नेतन्याहू आज जेल में होते- ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को लेबनान के खिलाफ हमले को रोकने के लिए राजी कर लिया है, जिसके बाद उन्होंने अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। ट्रंप ने सोमवार शाम को 'ट्रुथ सोशल' पर यह घोषणा की। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों नेताओं के बीच "तीखी" बातचीत की खबरें सामने आ रही थीं। ट्रंप ने है कि अगर उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो इजराइल के पीएम नेतन्याहू आज जेल में होते। उन्होंने इजराइल के पीएम नेतन्याहू को उनके लोकप्रिय उपनाम से संबोधित करते हुए कहा कि मेरी बीबी नेतन्याहू से बातचीत हुई। मैंने उनसे लेबनान के बेरूत में कोई बड़ा हमला न करने को कहा। उन्होंने अपनी सेना को वापस बुला लिया है। धन्यवाद बीबी। ईरान द्वारा लेबनान पर इजराइल के हमलों को लेकर अमेरिका के साथ जारी बातचीत को खत्म करने की धमकी के बाद ट्रंप और नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत की। नेतन्याहू ने कहा था कि अगर हिजबुल्ला इजराइल पर हमले बंद नहीं करता है तो इजराइल बेरूत में "आतंकी ठिकानों" पर हमला करेगा।

ट्रंप ने कहा कि उनकी हिजबुल्ला के नेताओं के प्रतिनिधियों से भी बातचीत हुई, जो इजराइल और उसके सैनिकों पर गोलीबारी बंद करने पर सहमत हो गए हैं। इसी तरह इजराइल भी उन पर गोलीबारी बंद करने पर सहमत हो गया। देखते हैं यह कब तक चलता है। उम्मीद है कि यह हमेशा के लिए चलेगा। अमेरिकी मीडिया ने बताया कि ट्रंप और नेतन्याहू की फोन कॉल के दौरान तीखी बहस भी हुई।

खास खबर

एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-2 का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन ने मंगलवार को एंटी-रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-2 का सफल टेस्ट किया है। यह टेस्ट वायुसेना के एसयू-30एमकेआय फाइटर जेट से किया गया। ये मिसाइल हवा से जमीन में 300 किमी की तक की रेंज में दुश्मन को खत्म करेगी। रुद्रम-2 मिसाइल को दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम और रडार, कम्युनिकेशन सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी नेटवर्क को खत्म करने के लिए बनाया गया है। यह मिसाइल दुश्मन के रडार बंद होने पर भी उसे खोजकर खत्म करेगी। रुद्रम-2 का मुख्य काम ऐसे रडार सिस्टम को खोजकर नष्ट करना है। जब रडार और निगरानी उपकरण नष्ट हो जाते हैं, तो दुश्मन के लिए आसमान में हो रही गतिविधियों पर नजर रखना मुश्किल हो जाता है। इससे उसकी हवाई सुरक्षा कमजोर पड़ जाती है और भारतीय फाइटर जेट के लिए हमला करना आसान और सुरक्षित हो जाता है।

भारत से ओमान का 99त्न निर्यात शुल्क फ्री

मुंबई । भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 1 जून से लागू हो गया है। इस समझौते के तहत भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात को ओमान के बाजार में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, रत्न-आभूषण, फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को इसका सबसे अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और निर्यात को नया बाजार मिलेगा। समझौते के तहत दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भारत और ओमान के आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेगा तथा भारतीय उद्योगों के लिए खाड़ी और पूर्वी अफ्रीका के बाजारों तक पहुंच आसान बनाएगा।

पंजाब-हिमाचल सीमा पर तनाव, उग्र प्रदर्शन

नालागढ़। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा बाहरी राज्यों के व्यावसायिक वाहनों पर लगाए गए नए एंट्री टैक्स के विरोध में पंजाब और हिमाचल की सीमाओं पर व्यापक प्रदर्शन हुआ। किसान संगठनों और व्यापारिक समूहों ने पंजाब-हिमाचल सीमा सहित करीब 55 सीमावर्ती स्थानों पर चक्का जाम कर विरोध जताया। प्रदर्शन के कारण कई किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें लग गईं, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मनाली-कीरतपुर मार्ग समेत कई प्रमुख सड़कों पर घंटों यातायात प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों ने टैक्स को वापस लेने की मांग की, जबकि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

कुछ ना कहना

दिल्ली में 8 जून को इंडिया ब्लॉक की बैठक संभव : एकजुटता पर मंथन

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के वरिष्ठ नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक 8 जून को दिल्ली में हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे सहित करीब 15 दलों के नेता शामिल हो सकते हैं।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का मुकाबला करने और विपक्षी दलों के बीच एकजुटता को और मजबूत करने के लिए संयुक्त रणनीति बनाना है। इसमें हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के परिणामों और विभिन्न राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों पर भी विस्तृत चर्चा होने की संभावना है।

हालांकि, इस बैठक में कुछ प्रमुख दलों की अनुपस्थिति भी दिख सकती है। तमिलनाडु में कांग्रेस द्वारा टीवीके को समर्थन देने के बाद, डीएमके के बैठक में शामिल होने की संभावना कम है, जबकि टीवीके को लाने के प्रयास जारी हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने पहले ही गठबंधन से सार्वजनिक तौर पर दूरी बना चुकी थी, इसकारण उनके शामिल होने की उम्मीद नहीं है। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान ममता बनर्जी बंगाल में टीएमसी नेताओं पर हुए कथित हमलों का मुद्दा उठा सकती हैं और इंडिया ब्लॉक के अन्य दलों से समर्थन जुटाने का प्रयास करेंगी। यह बैठक आगामी राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए विपक्ष की रणनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

शिवकुमार आज लेंगे कर्नाटक के नए सीएम पद की शपथ, तैयारी पूरी

-राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कई राष्ट्रीय नेताओं के समारोह में शामिल होने की उम्मीद

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार 3 जून यानी बुधवार को कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने की तैयार कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक शिवकुमार के साथ पहले चरण में करीब 10 से 12 विधायकों के मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। बेंगलुरु के लोक भवन स्थित ग्लास हाउस में इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कई उच्च राष्ट्रीय नेताओं के बेंगलुरु पहुंचने की उम्मीद है।

इस प्रस्ताव पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला की देर रात हुई बैठक में चर्चा की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवकुमार ने पार्टी नेतृत्व को सूचित किया है कि वह अपनी सरकार में किसी भी डिप्टी सीएम को नहीं चाहते हैं। इस मामले पर अंतिम फैसला राहुल गांधी द्वारा लिए जाने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक सिद्धारमैया ने डिप्टी सीएम पदों के लिए तीन नेताओं के नामों की सिफारिश की है जिनमें दलित समुदाय से जी परमेश्वर, लिंगायत समुदाय से एमबी पाटिल, मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले ज़मीर अहमद खान।

सिद्धारमैया कैबिनेट में अपने वफादारों को शामिल करने पर ज़ोर दे रहे हैं। सिद्धारमैया के बेटे, यतींद्र सिद्धारमैया को कैबिनेट में शामिल किए जाने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक सिद्धारमैया ने अपने कई करीबी सहयोगियों को शामिल करने का भी अनुरोध किया है, जिनमें ज़मीर अहमद खान, एच सी महादेवप्पा, संतोष लाड, बसवराज रायरेड्डी, वेंकटेश, बी सुरेश, पुत्तरंगाशेट्टी और बी के हरिप्रसाद शामिल हैं। कांग्रेस आलाकमान से उम्मीद है कि वह शिवकुमार के साथ विचार-विमर्श के बाद इन नामों पर अंतिम फैसला लेगा।

मंत्रिमंडल विस्तार के पहले चरण में जिन नेताओं को शामिल किए जाने की संभावना है, उनमें यतींद्र सिद्धारमैया, जी परमेश्वर, के जे जॉर्ज, रामलिंगा रेड्डी, प्रियंक खड़गे, ज़मीर अहमद खान, एम बी पाटिल, ईश्वर खंड्रे, कृष्णा बायरे गौड़ा, लक्ष्मी हेब्बालकर, बी सुरेश और सतीश जारकीहोली। सूत्रों के मुताबिक यदि सतीश जारकीहोली कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने के लिए सहमत हो जाते हैं, तो उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में, बी के हरिप्रसाद को समायोजित किया जा सकता है, या इसके बजाय जारकीहोली राज्य पार्टी प्रमुख का कार्यभार संभाल सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू को कोर्ट का नोटिस, 8 जून को पेश होने के आदेश

लुधियाना । केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू को एक आपराधिक मामले की सुनवाई के दौरान बिना पूर्व अनुमति अदालत में उपस्थित न होने का संज्ञान लेते हुए चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (सीजेएम) पवलीन सिंह की अदालत ने नोटिस जारी किया है। उन्हें 8 जून को व्यक्तिगत पेशी का निर्देश दिया गया है। इसी मामले में पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर शाम सुंदर मल्होत्रा को भी गैरहाजिरी पर नोटिस जारी कर अगली सुनवाई पर उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। यह मामला नगर निगम के जोन-ए कार्यालय के मुख्य गेट को ताला लगाकर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने तथा लोक सेवकों को उनके कर्तव्यों के निर्वहन से रोकने के आरोपों से संबंधित है। इस एफआईआर में रवनीत सिंह बिट्टू, पूर्व कैबिनेट मंत्री भारत भूषण आशु, तत्कालीन जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) प्रधान संजय तलवाड़ और शाम सुंदर मल्होत्रा सहित करीब 60 अन्य व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है। मार्च 2024 में नगर निगम के गेटमैन अमित कुमार की शिकायत पर थाना डिवीजन नंबर-1 पुलिस ने मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान आरोपियों ने निगम परिसर में घुसकर मुख्य गेट पर ताला लगा दिया, जिससे सरकारी कार्य प्रभावित हुआ और आवाजाही बाधित हुई। मामले की अगली सुनवाई उसी दिन है, जिस दिन सभी संबंधित आरोपियों को अदालत में उपस्थित रहना होगा।

संक्रमित देशों से लौटकर खुद को आइसोलेट करें

नई दिल्ली। भारत सरकार ने इबोला वायरस के बढ़ते वैश्विक खतरे के बीच नई यात्रा सलाह जारी की है। यह सलाह प्रभावित देशों से यात्रा करने वाले या वहां से होकर गुजरने वाले लोगों से लक्षणों की स्थिति में खुद को आइसोलेट करने और लोकल स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित करने का आग्रह करती है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने साफ किया कि भारत में अब तक इबोला का कोई भी पुष्ट मामला नहीं मिला है। हालांकि केंद्रीय मंत्रालय द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि यदि किसी व्यक्ति ने बीते 21 दिनों में इबोला प्रभावित देश की यात्रा की है और व्यक्ति को बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त या बिना कारण रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, तब उस तत्काल खुद को आइसोलेट करना चाहिए।

सीजेआई ने 5 नए न्यायाधीशों को दिलाई शपथ

-जजों की संख्या बढ़कर 37 हुई, 04 मुख्य न्यायाधीशों और वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना का हुआ पदोन्नयन

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के पांच नए न्यायाधीशों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में

जस्टिस शील नागू, संजीव सचदेवा, श्री चंद्रशेखर, अरुण पल्ली, और साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता वी मोहना शामिल हैं। इन नियुक्तियों के साथ ही सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 37 हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों पर केंद्र सरकार ने सोमवार को इन नियुक्तियों को मंजूरी दी थी। इसके बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने पर सभी पांचों ने मंगलवार को शपथ ग्रहण की। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रपति ने मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद इन नियुक्तियों को मंजूरी प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 22 और 27 मई को हुई बैठकों में इन नामों की सिफारिश की थी। नव नियुक्त न्यायाधीशों में जस्टिस शील नागू का लंबा न्यायिक अनुभव रहा है। उन्हें मई 2011 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और जुलाई 2024 में वे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने थे।

इसी तरह जस्टिस श्री चंद्रशेखर जनवरी 2013 में झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त हुए थे और जनवरी 2025 में बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने। जस्टिस संजीव सचदेवा ने दिल्ली हाईकोर्ट में न्यायिक सेवा की शुरुआत की थी और जुलाई 2025 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे।

जस्टिस अरुण पल्ली दिसंबर 2013 में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश बने थे। अप्रैल 2025 में उन्हें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना लंबे समय से सुप्रीम कोर्ट में संवैधानिक, दीवानी और सेवा कानून से जुड़े मामलों की पैरवी कर रही थीं। वह बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त होने वाली चुनिंदा न्यायविदों में शामिल हैं।

बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनेंगी वी. मोहना

नई दिल्ली। देश की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश नियुक्त किए जाने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिश स्वीकार किए जाने के बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने से उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। खास बात यह है कि वी. मोहना बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनने वाली दूसरी महिला होंगी। इससे पहले वर्ष 2018 में जस्टिस इंदु मल्होत्रा को वकालत से सीधे शीर्ष अदालत में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

59 वर्षीय वी. मोहना का न्यायिक और विधिक क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने वर्ष 1988 में कोयंबटूर लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की और तब से लगातार वकालत कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2015 में उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता (सीनियर एडवोकेट) का दर्जा प्रदान किया था। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण और चर्चित मामलों में पक्ष रखा। इनमें सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों की सेवा शर्तों से जुड़े मामले, वरिष्ठ नागरिकों के संपत्ति अधिकारों से संबंधित विवाद तथा कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध से जुड़े प्रकरण प्रमुख रहे हैं।

वी. मोहना की नियुक्ति के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में महिला न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर दो हो जाएगी। पिछले कई महीनों से जस्टिस बी. वी. नागरत्ना शीर्ष अदालत की एकमात्र महिला जज थीं। जस्टिस नागरत्ना अगस्त 2021 से सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत हैं और वर्ष 2027 में देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने की संभावना रखती हैं।

सरकार ने सीबीएसई के चेयरमैन और सचिव को हटाया

-विवादित ऑन स्क्रीन मार्किंग के टेंडर की जांच के आदेश; री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर साइबर अटैक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को ऑन स्क्रीन मार्किंग विवाद के बीच सीबीएसई के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का ट्रांसफर कर दिया। इसके अलावा ऑन स्क्रीन मार्किंग सर्विस के टेंडर और खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए एक सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है।

ऑन स्क्रीन मार्किंग प्रणाली में गड़बड़ी का खुलासा करने वाले 12वीं के छात्र सार्थक सिद्धांत आज दोपहर एक बजे संसद की स्थायी समिति के सामने पेश हुए। ऐसा पहली बार हुआ कि किसी मामले में कोई स्टूडेंट अपनी बात रखने के लिए बुलाया गया।

उधर, सीबीएसई के री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर साइबर

अटैक हुआ। सीबीएसई के अनुसार, 2 मिनट में 15 लाख एक्सेस अटेंप्ट हुए, जबकि 1 लाख से ज्यादा बार सिस्टम की फाइलों तक बिना अनुमति पहुंचने की कोशिश की गई। हालांकि, साइबर अटैक के बावजूद पोर्टल काम करता रहा और दोपहर 3 बजे तक 16 हजार से ज्यादा छात्रों ने आवेदन कर दिया। यह पोर्टल सोमवार से शुरू होना था। दरअसल, 13 मई को सीबीएसई ने 12वीं का रिजल्ट जारी किया था। इस बार पहली बार कॉपियां कंप्यूटर स्क्रीन पर चेक की गई थीं। रिजल्ट आने के बाद कई छात्रों ने नंबरों को लेकर शिकायत की, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू की गई है।

-फेमा नियमों के उल्लंघन का आरोप

वेदांता ग्रुप के कई ठिकानों पर ईडी ने की ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली। दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाले वेदांता ग्रुप के कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ताबड़तोड़ छापेमारी की है। सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के नियमों के उल्लंघन से जुड़े मामलों को लेकर की जा रही है। इस बड़ी कार्रवाई के बाद से कॉर्पोरेट जगत में हड़कंप मच गया है, हालांकि अभी तक कंपनी की तरफ से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान या जवाब सामने नहीं आया है।

दरअसल, ईडी फेमा के तहत एक्शन तब लेता है जब किसी कंपनी या व्यक्ति द्वारा विदेशी मुद्रा के लेन-देन में नियमों के उल्लंघन का संदेह होता है। इसमें मुख्य रूप से अवैध रूप से विदेशों में धन हस्तांतरण (हवाला), विदेश में अवैध संपत्ति अर्जित करना या विदेशी निवेश से जुड़े सरकारी नियमों का पालन न करना शामिल होता है। फेमा अधिनियम का मुख्य उद्देश्य ही भारत में विदेशी मुद्रा के लेन-देन को विनियमित और व्यवस्थित करना है। चूंकि वेदांता ग्रुप का बिजनेस दुनिया के कई अन्य देशों में भी फैला है, इसलिए विदेशी लेन-देन से जुड़े नियमों को लेकर यह कार्रवाई की जा रही है।

यह कोई पहला मौका नहीं है जब वेदांता ग्रुप केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर आया है। इससे पहले साल 2004 में भी यह समूह विदेशी मुद्रा मामलों में नियामक जांच के दायरे में आ चुका है। उस समय जांच एजेंसी ने स्टरलाइट इंडस्ट्रीज और उसके तीन प्रमोटर निदेशकों को फेरा और फेमा के नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया था, जिसके बाद कंपनी और निदेशकों पर भारी जुर्माना लगाया गया था। वेदांता भारत की एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी है, जो मुख्य रूप से एल्युमिनियम उत्पादन के लिए जानी जाती है। इसके अलावा, भारत की कुल जिंक जरूरत का लगभग 81 फीसदी उत्पादन अकेले इसी ग्रुप द्वारा किया जाता है। कंपनी केयर्न इंडिया की मदद से कच्चे तेल के उत्पादन में भी सक्रिय है। समूह ने भारत में अगले कुछ सालों में करीब 2 लाख करोड़ का भारी-भरकम निवेश करने की योजना बनाई है, ऐसे में ईडी की यह कार्रवाई कंपनी के भविष्य के प्रोजेक्ट्स के लिहाज से बेहद संवेदनशील मानी जा रही है।

जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएँ सुनी गईं

154 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 02 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक एवं एम.आर. कोल तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 154 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के ग्राम हट्टा निवासी किशोर दिन्नेवार भू-अधिकार अभिलेख में सुधार कराये जाने की मांग लेकर आये थे। किशोर का कहना था कि उसकी माताजी द्वारा पूर्व में ग्राम हट्टा स्थित खसरा नंबर 292/1 में एक मकान क्रय किया गया था, जिसमें वह 40 वर्षों से निवासरत है, जिसका उसके द्वारा समय समय पर सुधार कार्य किया जाता रहा है। किंतु भू-स्वामित्व योजना के अंतर्गत सर्वेक्षण के दौरान उक्त मकान को भूस्वामी के रूप में दर्ज न करते हुए शासकीय भूमि के रूप में अंकित कर दिया गया है। अतः इसकी जांच कर न्याय संगत कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में तहसीलदार बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वार्ड नं.07 किरनापुर निवासी घनश्याम कुमार डोंगरवार उसकी जमीन नक्शे की त्रुटि सुधारने एवं सीमांकन करवाने की मांग लेकर आये थे। घनश्याम का कहना था कि उसकी भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नं. 510/2ग है जिसका नक्शा पटवारी के मूल नक्शे की शीट में अलग था, किंतु कुछ वर्षों से उसकी भूमि में 510/2ग को 510/2ड,च में शामिल कर दिया गया है। घनश्याम का कहना है कि उसके नक्शें में छेड़छाड़ की गई है। अतः नक्शें की उचित जांच तथा सीमांकन कराया जाए। इस प्रकरण में एसडीएम किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बैहर तहसील के ग्राम पाण्डूतला निवासी महेश कुमार धुर्वे उनकी पैतृक एवं स्वामित्व वाली भूमि के अधिग्रहण के बदले मिलने वाली मुआवजा राशि किसी अन्य व्यक्ति को दिये जाने की शिकायत लेकर आए थे। महेश का कहना था कि ग्राम पाण्डूतला में उसकी 0.749 हेक्टेयर भूमि से राष्ट्रीय राज्यमार्ग का निर्माण किया गया है। किंतु सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि के बदले मिलने वाली मुआवजा राशि भूमि के वास्तविक मालिक व हितग्राही को न मिलकर ग्राम पाण्डूतला निवासी सेलिन पति नेपोलियन के नाम स्वीकृत कर दी गई। अतः अन्य व्यक्ति को दी गई मुआवजा राशि की वसूली कर वास्तविक भूमि स्वामी दिलायी जाए। इस प्रकरण में एसडीएम बैहर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वार्ड नं.24 बालाघाट के निवासी राजकुमार बंशकार प्रधानमंत्री आवास योजना में चयन होने के बावजूद भी राशि प्राप्त नही होने की शिकायत लेकर आये थे। राजकुमार का कहना था कि उसने वर्ष 2022 से पीएम आवास योजना के तहत मकान निर्माण करवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसमें उसका नाम आ चुका है, किंतु उसके योजना की राशि अब तक प्रदान नही की गई है। इस प्रकरण में नगर पालिका सीएमओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

खैरलांजी तहसील के येवराघाट निवासी विलास बोकडे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। विलास का कहना था कि उसने अपनी मॉं श्रीमती पुस्तकला बोकडे के नाम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना वर्ष 2022 में बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा रामपायली में कराया था। जिसकी नियमित रूप से किश्त जमा की गई है। विलास ने बताया कि उसकी माता की मृत्यु 02 अगस्त 2025 को हो चुकी है, किंतु अब तक उसके परिवार को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की राशि प्राप्त नही हुई है। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वार्ड नं.02 हीरापुर निवासी लीलाबाई हट्टेवार लाडली बहना योजना की राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आयी थी। लीलाबाई का कहना था कि उसे दिसम्बर 2023 तक लाडली बहना योजना की राशि प्राप्त होती रही है किंतु जनवरी 2024 में यह कहकर राशि बंद कर दी गई की उम्र 60 वर्ष हो गई है। लीलाबाई ने बताया कि उसकी जन्मतिथि वर्ष 1981 की है जिसके मुताबिक उसकी उम्र लगभग 45 वर्ष है, अतः उसे लाडली बहना योजना की राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

कटंगी तहसील के ग्राम लखनवाडा की नेहा आमाडारे संबल योजना की अनुग्रह सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। नेहा का कहना था कि उसके पति खेलेंद्र आमाडारे की 24 मार्च 2026 को मृत्यु हो चुकी है। नेहा ने बताया कि उसके पति का संबल कार्ड बना हुआ है, और वह इस योजना की राशि ग्रहण करने की पात्रता रखती है किंतु ग्राम पंचायत के सचिव व समन्वयक अधिकारी ने उसकी सास उषा आमाडारे को आवेदक बनाकर फार्म पोर्टल पर स्वीकृत करवा दिया है। अतः संबल कार्ड की राशि उसकी सास की जगह पत्नी के खाते में अंतरित की जाए। इस प्रकरण में जिला श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बैहर तहसील अंतर्गत ग्राम मोहबट्टा निवासी वर्षा परधान कच्चा मकान सुधारने हेतु आर्थिक सहायता मिलने की मांग लेकर आयी थी। वर्षा परधान का कहना था कि वह एक गरीब परिवार से है उसे आँखों से बहुत कम दिखाई देता है व उसकी एक बेटी है जो विकलांग है। उसने बताया की उसका एक कच्चा घर है जिसमे वह अपने परिवार के साथ रहती है। यदि बारिश के पहले कच्चे मकान कों नहीं सुधारा गया तों मकान के गिरने की संभावना है। इस प्रकरण में सम्बंधित विभागीय अधिकारी कों इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

वार्ड क्र. 08 बंजारीटोला मलाजखंड के नागरिक पार्षद सूबेदार सिंह कुशवाहा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग लेकर आये थे। उनका हना था कि उनके वार्ड के पार्षद श्री सूबेदार सिंह कुशवाहा का जनता के प्रति दुर्व्यवहार, बैठकों में अनुपस्थित रहना व ऐसे बहुत से कारण है जिसके कारण उन सभी ने पार्षद को निरस्त करने की माँग की है कि पार्षद को तत्काल उनके पद से हटा दिया जाए। इस प्रकरण में सम्बंधित विभागीय अधिकारी कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

परसवाा तहसील अंतर्गत ग्राम बोदा निवासी अरविन्द नक्शा सुधार की मांग लेकर आये थे। अरविन्द का कहना था कि उसने नक्शा सुधार के लिए आवेदन परसवाा एसडीएम कार्यालय में जमा किया था। वहाँ से आवेदन तहसील कार्यालय होते हुए पटवारी के पास पहुंच चुका है लेकिन अभी तक उसे नक्शा सुधार की कोई भी जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। इस प्रकरण में एसडीएम परसवाा कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

नौतपा सम्पन्न, अब मानसून की रहा देख रहे जिलेवासी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते दिनों 25 मई से शुरू हुआ नौतपा आज 2 जून को समाप्त हो गया। लेकिन सुबहा से दोपहर के बीच पड़ने वाली हल्की धूप और उमस भरी गर्मी से फिलहाल जिले वासियों को राहत नहीं मिल पाएगी।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जब तक मानसून नहीं आता और झमाझम बरसात नहीं होती तब तक जिलेवासियों को कुछ इसी तरह मौसम का सामना

करना पड़ेगा।जहां मानसून के आगमन तक मौसम नर्म-गर्म बना रहेगा।तो वही कभी धूप, कभी छाव ,कभी बारिश तो कभी आंधी तूफान के साथ हल्की से मध्य के बीच बूंदाबांदी होती रहेगी।वही बात अगर 25 मई से शुरू हुए नौतपा की करें तो 25मई से 2 जून तक जिले भर में नौतपा नर्म गर्म बना रहा।जहा नौतपा के इन 9 दिनों में से शुरुवाती 5 दिनों तक जिले वासियों को भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से हलाकान होना पड़ा तो वही 30 मई को आधी तूफान के साथ हुई बारिश के बाद से 4 दिनों तक तापमान में भारी गिरावट देखी गई।जिससे लोगो को काफी राहत मिली।उधर नौतपा के 9 वे व अंतिम दिन यानी आज 2 जून को सुबह से ही मौसम में परिवर्तन देखने को मिला। जहां सुबह से लेकर देर रात तक मौसम में उतार चढ़ाव बना रहा ,तो वही बदली होने के चलते मौसम दिन भर ढका रहा और पूरे दिन जिले भर में हल्की हवाएं बहती रही। जिससे मौसम सुहाना हो गया।इसी बीच मौसम विभाग ने मंगलवार को नगर का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया तो वहीं न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा ।जो पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम है।वहीं मौसम विभाग ने आगामी 05 दिनों तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने, हल्की धूप और उमस के बीच मौसम में बदलाव के साथ तापमान में आंशिक बदलाव की संभावना व्यक्त की है।

4 दिनों तक बे असर रहा नौतपा

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जब सूर्य घूमते हुए मध्य भारत के ऊपर से होकर गुजरता है, तब सूर्य कर्क रेखा के काफी करीब होता है।इस समय सूर्य 90 डिग्री की पोजीशन में होता है।इस वजह से सूर्य की किरणें सीधी पृथ्वी पर पड़ती हैं।इसी कारण तापमान बढ़ जाता है।जिससे मई माह में दिन बड़े होते हैं और रेडिएशन भी ज्यादा हो जाता है। यही वजह है कि पृथ्वी इन दिनों भट्टी की तरह तपती है।पृथ्वी के तपने के कारण ही नौतपा में लोगों को भीषण गर्मी का एहसास होता है।कृषकों द्वारा ऐसा माना जाता है कि नौतपा जितना अधिक तपेगा जिले में उतनी अधिक और अच्छी बारिश होंगी।लेकिन इस वर्ष ऐसा देखने को नही मिला। जहा इस वर्ष जिले में नौतपा का असर शुरुवाती 5 दिनों तक भरपूर दिखा, तो वही अंत के 4 दिन नौतपा बे असर रहा।

खरीब फसल की तैयारी में जुटे किसान

मौसम विभाग द्वारा जताई जा रही मानसून की सम्भावनाओ को देखते हुए किसान युद्ध स्तर पर कृषि कार्य मे जुट चुके है। 7 जून से मिरग लगने वाला है जिसे देखते हुए किसान ,बचा हुआ कार्य जल्द से जल्द खत्म करने में आमादा है।जहा जिले के ज्यादातर किसानों ने नई फसल के लिए बीज बोने, की तैयारी शुरू कर दी है।वही बचे हुए कुछ किसान रबी फसलों की गहानी करने में जुटे है।जिले के ज्यादातर किसानों ने खेतो में गोबर खाद फैलाने का कार्य पूर्ण कर लिया है।वही किसान अब मेड़ बंधन, और मेंढो में लगी झाड़ियों की कटाई कर रहे हैं।बताया जा रहा है कि 15 दिनों के भीतर जिले के कई हिस्सों में किसानों द्वारा बीज बोने के लिए खेतो की जुताई का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

मौसम के उतार चढ़ाव के बीच 25 मई से नौतपा की शुरुआत हुई थी, लेकिन अक्सर नौतपा में हलाकान कर देने वाली गर्मी का असर, इस वर्ष, पिछले वर्ष की भांति कम दिखा।इस वर्ष, नौतपा में जिस तरह से 9 दिनों तक भीषण गर्मी पड़नी चाहिए थी। उतना असर नहीं रहा है।नौतपा में कहीं धूप तो कहीं बारिश का असर रहा है।यही कारण है कि मौसम ठंडा होने से गर्मी का ज्यादा असर इस नौतपा के 4 दिनों में देखने को नहीं मिला है।अब किसानों को प्री- मानसून, के आने का इंतेजार है, ताकि किसान बीज बोनी कर फसल लगाने का कार्य शुरू कर सके।

शमशान भूमि पर बनाया जा रहा वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट वार्डवासियों ने किया विरोध

मोहगांव-मलाजखंड नगरीय क्षेत्र वार्ड क्र. 08 बंजारीटोला का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगरपालिका मोहगांव-मलाजखंड में नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 08 बंजारीटोला में लग रहे वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट का विरोध शुरू हो गया। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे, रहवासियों ने कलेक्टर से वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट को वार्ड से अन्यत्र बनाए जाने की मांग की।

वार्डवासियों को इस बात का डर सता रहा है कि, जिस भूमि पर प्लांट बनाया जा रहा है, वह शमशान घाट की भूमि है, ऐसे में नागरिकों को अंतिम संस्कार के साथ-साथ, प्लांट से निकलने वाले केमिकल वेस्ट से जमीनों के खराब हो जाएगी। यही कारण है कि आधा सैकड़ा से ज्यादा रहवासियों ने कलेक्ट्रेट में अपनी चिंता और परेशानी बताते हुए, ज्ञापन सौपा है, साथ ही उन्होंने प्लांट का कार्य शुरू करने के पूर्व वार्डवासियों से किसी प्रकार की चर्चा ना करने पर भी आपत्ति जताई है। बहरहाल वार्डवासियों के इस विरोध के बाद वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट का निर्माण, वार्ड क्षेत्र में ही होगा या फिर अन्यत्र होगा, यह अभी साफ नहीं है।लेकिन ग्रामीणों में स्पष्ट कर दिया है कि वे किसी भी कीमत पर अपने वार्ड में इस प्लांट को नही बनने देंगे।

बिना आपत्ति बुलाए कैसे स्वीकृत कर दिया प्लांट ?

ग्रामीणों का आरोप है,वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट वार्ड नं 8 की शमशान भूमि पर बनना है। वार्डवासी नहीं चाहते है कि शमशान भूमि पर प्लांट का निर्माण हो। वहीं वार्डवासियों का भी यह भी आरोप है कि नगरपालिका या वार्ड पार्षद, ने वार्डवासियों से इसको लेकर कोई चर्चा भी नहीं की।बिना वार्डवासियों की आपत्ति बुलाए ही प्लांट स्वीकृत कर दिया गया है।जिस जगह पर प्लांट बनाया जा रहा है, इससे 4 गांव की सीमा लगी हुई है।जिससे सभी लोग प्रभावित होंगे, इसीलिए सभी इस प्लांट का विरोध कर रहे है।

आवेदन निवेदन पर भी नही हो रही सुनवाई- लोकेश

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्रामीणों के साथ ज्ञापन सौंपने कलेक्ट्रेट आए युवक लोकेश मात्रे ने बताया कि हमारी मांग है कि जो भूमि शमशानघाट के लिए आरक्षित है, उस पर शमशान घाट बनाया जाए और वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट को अन्य जगह पर स्थानांतरित किया जाए। लोकेश ने बताया कि इससे पहले, उन्होंने सीएमओ से मिलकर मामले को लेकर चर्चा की थी। जिसमें उन्होंने बताया कि प्लांट से कोई समस्या नहीं होगी और शमशान के लिए अन्यत्र भूमि प्रदान की जाएगी, लेकिन जितनी भूमि देने का वादा सीएमओ कर रहे है, वह पर्याप्त नहीं है।वहीं वार्डवासियो को यह डर है कि सिवरेज वॉटर का केमिकल से ट्रिटमेंट होने के कारण, खेती की जमीन को इसका नुकसान होगा। इस प्लांट को अन्यत्र जगह शिफ्ट करने की मांग को लेकर हमने जगह जगह आवेदन निवेदन कर ज्ञापन सौंपे है लेकिन हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है इसीलिए आज हमें जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय आना पड़ा है।

रेत नही मिलने से बंद पड़े है पंचायत के विकास कार्य, सरपंचों ने जताई आपत्ति सौपा ज्ञापन

मांग पूरी करने प्रशासन को दिया सप्ताह भर का दिया अल्टीमेटम, मांग पूरी ना होने पर पंचायत में ताले जड़कर,काम बंद हड़ताल की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की रेत खदानों के ठेके नहीं हो पाए हैं,जिसके चलते जिले भर में रेत संकट गहराता जा रहा है, वही प्रशासनिक कार्यवाही के चलते ट्रेक्टर मालिक भी पंचायत कार्य के लिए भी रेत उपलब्ध नहीं करा रहे है। जिससे पंचायत में होने वाले विकास कार्य अटक से गए हैं जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए जिले के सभी 10 विकासखंडों से जिला मुख्यालय पहुंचे सरपंचों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने पंचायत में अधूरे पड़े विकास कार्यों के लिए यथाशीघ्र रेत मुहैया कराए जाने की मांग की है। जहां अपनी इस मांग को पूरी करने के लिए सरपंच संघ द्वारा प्रशासन को सप्ताह भर का अल्टीमेटम दिया गया है ,जिसमें उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि यदि सप्ताह भर के भीतर पंचायत में चल रहे विकास कार्यों के लिए प्रशासन द्वारा रेत उपलब्ध नहीं कराई जाती, तो जिले की समस्त पंचायतो में ताले जड़ दिए जाएंगे, वहीं सरपंचों द्वारा काम बंद हड़ताल किए जाने की भी चेतावनी दी गई है। वहीं उन्होंने इस पर भी बात न बनने पर समस्त सरपंचों द्वारा सामूहिक रूप से इस्तीफा दिए जाने की भी बात कही है।

विकास कार्यों के लिए रेत, जरूरी है, बुलाओ तो प्रशासन कार्यवाही कर जप्त कर लेती है

जिले के लगभग सभी 10 विकास खंडों से मुख्यालय पहुंचे विभिन्न पंचायत के सरपंचों ने मंगलवार को जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि रेत नहीं मिलने के कारण ग्राम पंचायत के विकास कार्य रुके हुए हैं। वहीं जो भी रेत विकास कार्य के लिए ग्राम में रखी जाती है उस पर प्रशासन के द्वारा दबिश देकर कार्यवाही की जा रही है, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि पंचायत में विभिन्न निर्माण कार्य होते हैं जिनमें रेत की आवश्यकता पड़ती है जिसके चलते रेत रखी जाती है, उस पर भी प्रशासन के द्वारा कार्यवाही की जा रही है अगर रेत नहीं रहेगी तो निर्माण कार्य कैसे होंगे, अभी प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्य व अन्य निर्माण कार्य चल रहे हैं जिसमें रेत नहीं मिलने के कारण वह पूर्ण तरह से अभी रुके हुए हैं।

मानसून सत्र शुरू होंगा तो वैसे भी नही मिलेगी रेत

सरपंच संघ से जुड़े सरपंचों का आरोप है कि आगामी दिनों में मानसून सत्र शुरू हो जाएगा जिसमें रेत नहीं निकलती जिसके चलते रेत को भंडारण करके रखना पड़ता है अगर ऐसे में जब भंडारण कर रेत रखी गई हो उस पर अगर कार्यवाही होगी तो आगे के निर्माण कार्य कैसे संभव होंगे। ज्ञापन सौंपने पहुंचे सरपंचों ने कहा कि अगर एक सप्ताह के भीतर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो वह पंचायत में तालाबंदी या फिर सामूहिक इस्तीफा देने को भी तैयार रहेंगे।

तो सभी सरपंच, सामूहिक रूप से सौंप देंगे इस्तीफा

ज्ञापन सौंपने में पहुंचे सरपंच गौरीशंकर मोहारे ने बताया कि हम सभी लोग जनसुनवाई में इसलिए पहुंचे हैं क्योंकि प्रशासन के द्वारा जो अभी रेत पर कार्यवाही की जा रही है उसमें पंचायत स्तर पर जो निर्माण कार्यों के लिए रेत रखी गई है उस पर भी प्रशासन के द्वारा कार्यवाही की जा रही है जो पूर्णतः गलत है निर्माण कार्यों में रेत की आवश्यकता होती है उसके लिए रेत रखी जा रही है।वहीं सरपंच नितेश कटरे का कहा कि ग्रामीण को निर्माण कार्य के लिए रेत नहीं मिलती तो वह सरपंच को आकर बोलता हैं सरपंच भी कहां से उपलब्ध कराएगा अगर रेत होगी तो ही उपलब्ध करा पाएंगे ऐसे में ग्रामीणों का सामना करना काफी मुश्किल भरा हो रहा है साथ ही मनरेगा के कार्य भी पूर्ण नहीं हो पा रहे हैं अगर समय पर रेत उपलब्ध नहीं होती है तो सामूहिक रूप से पंचायत में तालाबंदी की जाएगी और उसके बावजूद अगर प्रशासन दबाव बनाता है तो सभी लोग त्यागपत्र देने के लिए मजबूर होंगे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर दीप ज्योति नशा मुक्ति केंद्र में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर दीप ज्योति नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र, बालाघाट में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को तंबाकू एवं धूम्रपान के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि तंबाकू का सेवन कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की गंभीर बीमारियों सहित अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है। उन्होंने लोगों से तंबाकू और अन्य नशे की लत से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवन जीने का आह्वान किया।इस अवसर पर दीप ज्योति नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम के दौरान सभी स्टाफ सदस्यों एवं प्रतिभागियों ने तंबाकू एवं अन्य नशों से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ भी ली।कार्यक्रम का समापन नशामुक्त समाज के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ। इस दौरान उपस्थित लोगों ने एक स्वर में नशा से नाता तोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो॥ का उद्घोष किया।

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को इस सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि श्रीमती पुष्पा अड़मे पति स्व. कपूरचंद अड़में, निवासी मिरेगांव, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.) के आधिपत्य व मालिकी की भूमि मौजा मिरेगांव (रानिम कनकी), तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित है, जिसका खसरा नंबर 155/3, 84/3/2/1 व 84/3/2/2 तथा रकबा क्रमशः 0.0440, 2.4290, 0.4050 हेक्टेयर है। उक्त भूमि के संबंध में किसी भी तरह के बिक्री सौदा, हस्तांतरण या वित्तीय लेन-देन बिना अन्य सह-खातेदारों की लिखित अनुमति व सहमति के न किया जाए। यदि कोई व्यक्ति इस सूचना के बाद भी उक्त भूमि के संबंध में किसी प्रकार का कोई भी बिक्री सौदा या अनुबंध करता है, तो वह सौदा पूर्णतः अवैध व शून्य माना जाएगा, जिसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा तथा भविष्य में होने वाली संपूर्ण न्यायालयीन व कानूनी प्रक्रिया के लिए वह स्वयं जिम्मेदार व जवाबदेह होगा।

प्रकाशक
श्रीमती पुष्पा अड़मे
निवासी ग्राम मिरेगांव, तहसील लालबर्रा,
जिला बालाघाट (म.प्र.)

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

पद्मभूषण स्व. हेमेन्द्र सिंह पंवार को पंवार समाज बालाघाट ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मरणोपरांत पंवार समाज रत्न सम्मान से सम्मानित करने का सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पंवार समाज बालाघाट द्वारा समाज के गौरव, पद्मभूषण से सम्मानित स्वर्गीय श्री हेमेन्द्र सिंह पंवार को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी, युवा वर्ग एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय श्री पंवार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय श्री हेमेन्द्र सिंह पंवार केवल पंवार समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा के स्रोत थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में शिक्षा, समाजसेवा, जनकल्याण एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनके

नेतृत्व, दूरदर्शिता और समाज के प्रति समर्पण ने अनेक लोगों के जीवन को नई दिशा प्रदान की। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में पंवार समाज बालाघाट के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि समाज के सभी वरिष्ठजनों एवं सदस्यों की सहमति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है कि स्वर्गीय श्री हेमेन्द्र सिंह पंवार को उनके असाधारण योगदान एवं समाज के प्रति समर्पण को सम्मानित करने के लिए मरणोपरांत पंवार समाज रत्न सम्मान प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सम्मान समाज की ओर से उनके प्रति कृतज्ञता एवं आदर व्यक्त करने का एक छोटा-सा प्रयास है। उनके जीवन के आदर्श और कार्य समाज के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेंगे। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय श्री पंवार ने अपने कर्म, विचार और सेवा भाव से समाज में एक विशिष्ट पहचान बनाई थी। उन्होंने सदैव समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया और सामाजिक एकता, शिक्षा तथा संस्कारों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके व्यक्तित्व की सादगी, विनम्रता और समाज के प्रति समर्पण भाव उन्हें अन्य लोगों से अलग पहचान दिलाता था। समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने कहा कि स्वर्गीय श्री हेमेन्द्र सिंह पंवार का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रतीक था। उनके द्वारा स्थापित आदर्श एवं मूल्यों का अनुसरण कर समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियां भी उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी और समाज हित में कार्य करने का संदेश ग्रहण करेंगी। श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित सभी समाजजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन स्वर्गीय श्री हेमेन्द्र सिंह पंवार के बताए मार्ग पर चलकर समाज सेवा एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

कुछ घंटों में समाप्त हुई नगरपालिका कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सीएमओ के साथ हुई बैठक के बाद कर्मचारी लौटे काम पर, मांगों पर सकारात्मक पहल का आश्वासन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट नगर पालिका के सफाई एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा 2 जून को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर की गई कामबंद हड़ताल कुछ ही घंटों में समाप्त हो गई। नगर पालिका अध्यक्ष एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हुई चर्चा के बाद कर्मचारियों ने हड़ताल वापस लेकर पुनः काम शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि कर्मचारियों की ओर से वेतन, सुविधाओं और अन्य लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था। चर्चा के दौरान नगर पालिका प्रशासन ने करीब आधा दर्जन बिंदुओं पर विचार करने और आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके बाद कर्मचारियों ने आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। हालांकि कर्मचारियों को तत्काल कोई प्रत्यक्ष लाभ या ठोस निर्णय नहीं मिला। अधिकांश मांगों पर नगर पालिका की ओर से प्रकरण विचाराधीन है, कार्यवाही प्रचलन में है अथवा विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिया जाएगा जैसे जवाब दिए गए। ऐसे में कर्मचारियों के एक वर्ग का मानना है कि हड़ताल से फिलहाल कोई ठोस उपलब्धि हासिल नहीं हुई है। कर्मचारियों ने उम्मीद जताई है कि जिन मांगों को लेकर चर्चा हुई है, उन पर जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। वहीं हड़ताल समाप्त होने के बाद नगर पालिका की सफाई व्यवस्था सहित अन्य कार्य पुनः सामान्य हो गए हैं। कुल मिलाकर यह हड़ताल कर्मचारियों की समस्याओं को सामने लाने तक तो सफल रही, लेकिन मांगों के निराकरण के स्तर पर फिलहाल उन्हें केवल आश्वासन ही प्राप्त हुआ है। अब कर्मचारियों की निगाह नगर पालिका प्रशासन द्वारा किए जाने वाले आगामी निर्णयों पर टिकी हुई है।

लगभग 10 सूत्रीय मांगों को लेकर नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा पूर्व में ही अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में 2 जून की सुबह करीब 6 बजे नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों सहित अन्य कर्मचारियों ने नगर पालिका कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने धरना शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने दरी बिछाकर प्रदर्शन किया और हड़ताल को लंबा चलाने की तैयारी के तहत पंडाल लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी।

हड़ताल के चलते सुबह से ही नगर पालिका का कामकाज प्रभावित होने लगा था। सफाई व्यवस्था सहित कई विभागों के कर्मचारी धरने में शामिल हो गए थे। इस आंदोलन में कर्मचारियों ने वर्षों से लंबित मांगों को लेकर नगर पालिका प्रबंधन के प्रति नाराजगी व्यक्त की और मांगों के निराकरण तक आंदोलन जारी रखने की बात कही। धरना-प्रदर्शन के दौरान नगर पालिका कार्यालय के मुख्य गेट पर कर्मचारियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी के कारण आवागमन और व्यवस्थाओं पर भी प्रभाव पड़ने लगा। इसी बीच सुबह लगभग 8 बजे नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर नगर पालिका पहुंचीं। उन्होंने सबसे पहले कर्मचारियों से चर्चा कर हड़ताल समाप्त करने का आग्रह किया, लेकिन कर्मचारियों ने तत्काल हड़ताल समाप्त करने से इनकार कर दिया और अपनी मांगों पर स्पष्ट निर्णय की बात कही। स्थिति को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की सहायता ली। इसके बाद माहौल को शांत करते हुए कर्मचारियों और नगर पालिका प्रशासन के बीच चर्चा का रास्ता निकाला गया। नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके तथा कर्मचारियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नगर पालिका के सामने स्थित सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को विस्तार से रखा। सबसे प्रमुख मुद्दा वेतन भुगतान का रहा। कर्मचारियों ने समय पर वेतन नहीं मिलने से होने वाली आर्थिक परेशानियों को सामने रखा। इस पर नगर पालिका प्रशासन की ओर से हर माह 15 तारीख तक वेतन भुगतान सुनिश्चित करने का प्रयास किए जाने का आश्वासन दिया गया। हालांकि कर्मचारियों की मांग प्रत्येक माह 10 तारीख तक वेतन भुगतान की थी, लेकिन चर्चा के बाद 15 तारीख तक भुगतान की दिशा में प्रयास करने पर सहमति बनी। इसके अलावा नियमितीकरण, समयमान वेतनमान, वरिष्ठता भत्ता, ईपीएफ, सुरक्षा उपकरण, मातृत्व अवकाश, सामाजिक सुरक्षा और अन्य लंबित मांगों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। नगर पालिका प्रशासन ने इन मांगों पर सकारात्मक पहल करने और शासन स्तर से जुड़े मामलों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का भरोसा दिलाया। चर्चा के दौरान कर्मचारियों ने यह भी बताया कि लंबे समय से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। वहीं कई कर्मचारियों ने वरिष्ठता सूची प्रकाशित करने, अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन सुविधा तथा नई कलेक्टर दर के अनुसार भुगतान किए जाने की मांग भी दोहराई। कर्मचारियों का कहना था कि वे वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी कई मूलभूत मांगें पूरी नहीं हो सकी हैं। बैठक के बाद नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने कर्मचारियों से नगर हित को ध्यान में रखते हुए काम पर लौटने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा और जिन मांगों का समाधान स्थानीय स्तर पर संभव है, उन पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। वहीं शासन स्तर की मांगों को संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाएगा। लगभग दो घंटे चली चर्चा के बाद कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया और सुबह करीब 10 बजे के बाद सभी कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थलों पर लौट गए। इसके साथ ही नगर पालिका की सफाई व्यवस्था और अन्य कार्य पुनः प्रारंभ हो गए। हालांकि कर्मचारियों द्वारा घोषित यह आंदोलन अनिश्चितकालीन हड़ताल के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन प्रशासन और कर्मचारियों के बीच हुई चर्चा के बाद कुछ ही घंटों में समाप्त हो गया। गौरतलब है कि हड़ताल के दौरान कर्मचारियों द्वारा जिन मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा था, उनमें से अधिकांश पर तत्काल कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया, बल्कि प्रशासन द्वारा सकारात्मक प्रयास और विचार किए जाने का आश्वासन दिया गया है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कर्मचारियों की 10 सूत्रीय मांगों में से कितनी मांगों पर नगर पालिका वास्तविक रूप से अमल करती है और बैठक में दिए गए आश्वासन धरातल पर कितने प्रभावी साबित होते हैं। फिलहाल हड़ताल समाप्त होने से नगरवासियों ने राहत की सांस ली है, लेकिन कर्मचारियों का कहना है कि यदि भविष्य में उनकी मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई तो वे पुनः आंदोलन का रास्ता अपना सकते हैं।

50 दिन बाद भी नहीं हटी शराब दुकान, महिलाओं ने दी भोपाल कूच की चेतावनी

जनसुनवाई में पहुंचीं प्रदर्शनकारी महिलाएं, जनप्रतिनिधियों के आश्वासनों पर जताई नाराजगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक-12 बूढ़ी स्थित शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग को लेकर आंदोलनरत महिलाओं का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को बड़ी संख्या में महिलाएं जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचीं और प्रशासन के समक्ष अपनी मांग दोहराई। महिलाओं ने बताया कि उनका अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन 50वें दिन में पहुंच चुका है, लेकिन अब तक उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना है कि कई बार अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के समक्ष मांग रखने के बावजूद केवल आश्वासन ही मिले हैं। उनका आरोप है कि अब तक न तो शराब दुकान का स्थान परिवर्तन किया गया और न ही कोई ठोस कार्रवाई हुई है। महिलाओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो वे आंदोलन को भोपाल तक ले जाएंगी। इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी गई है और जल्द ही मुख्यमंत्री निवास के सामने धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान महिलाओं ने प्रदेश सरकार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने बड़ी संख्या में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतें दर्ज कराई, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिला। उन्होंने सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए आश्वासनों पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि अब तक कोई वादा धरातल पर उतरता दिखाई नहीं दे रहा है। महिलाओं ने कहा कि जब तक शराब दुकान का स्थान परिवर्तन नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन और अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। जनसुनवाई में पहुंचे अधिकारियों को भी उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि अब वे केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहती हैं।

बूढ़ी स्थित वार्ड क्रमांक-12 की शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग को लेकर क्षेत्र की महिलाओं का आंदोलन लगातार जारी है। वार्ड क्रमांक 12, 13 सहित आसपास के क्षेत्रों की महिलाएं पिछले लगभग डेढ़ माह से अधिक समय से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन अब तक उनकी मांग पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से महिलाओं में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। मंगलवार को आंदोलन के 50 दिन पूरे होने पर लगभग 25 से 30 महिलाएं कलेक्टर की जनसुनवाई में

पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कलेक्ट्रेट कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने बैठकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की। महिलाओं का कहना था कि बीते 50 दिनों से लगातार आंदोलन किए जाने के बावजूद न तो आबकारी विभाग ने और न ही जिले के जनप्रतिनिधियों ने शराब दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर कोई ठोस कदम उठाया है। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा कई बार आश्वासन दिए गए, लेकिन आज तक उन आश्वासनों का कोई परिणाम सामने नहीं आया। उनका कहना है कि शराब दुकान के कारण क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है और महिलाओं, बच्चों तथा छात्र-छात्राओं को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

महिलाओं ने बताया कि विभाग द्वारा जब वैकल्पिक स्थान की मांग की गई थी, तब उन्होंने स्वयं आगे आकर लगभग तीन स्थान चिन्हित कर विभाग को प्रस्तावित किए थे, लेकिन इसके बावजूद शराब दुकान का स्थान परिवर्तन नहीं किया गया। इससे यह प्रतीत होता है कि प्रशासन इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रहा है। आंदोलन का नेतृत्व कर रही वार्डवासी महिला सीमा ने बताया कि उनके धरना-प्रदर्शन को आज पूरे 50 दिन हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर दो दर्जन से अधिक शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन अधिकांश शिकायतें आज भी लंबित हैं या उनका संतोषजनक निराकरण नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कई बार विधायक और सांसदों को भी ज्ञापन सौंपे गए तथा उन्होंने सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया, लेकिन अब तक कोई परिणाम सामने नहीं आया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि लगातार आंदोलन के बावजूद यदि प्रशासन और जनप्रतिनिधि उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लेते हैं, तो उन्हें मजबूरन आंदोलन को और व्यापक करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि अब केवल जिला स्तर पर ही नहीं, बल्कि भोपाल जाकर भी अपनी आवाज बुलंद करने की रणनीति तैयार की जा रही है। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा कि यदि जल्द ही शराब दुकान का स्थान परिवर्तन नहीं किया गया तो वे बड़ी संख्या में भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री निवास के सामने धरना-प्रदर्शन करेंगी। इसके लिए आंदोलन की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है। इस दौरान कुछ महिलाओं ने अन्य राज्यों में शराब नीति को लेकर लिए गए निर्णयों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में सरकारों ने जनता की मांगों को गंभीरता से लेते हुए शराब दुकानों के संबंध में निर्णय लिए हैं, जबकि यहां एक दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर भी महीनों से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। महिलाओं का कहना है कि उनका आंदोलन किसी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं है, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक वातावरण, महिलाओं की सुरक्षा और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक शराब दुकान का स्थान परिवर्तन नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। फिलहाल महिलाओं के प्रदर्शन ने एक बार फिर शराब दुकान स्थानांतरण के मुद्दे को चर्चा में ला दिया है। अब देखना होगा कि प्रशासन और आबकारी विभाग महिलाओं की मांगों पर क्या निर्णय लेते हैं और लंबे समय से चल रहे इस आंदोलन का समाधान कब तक निकल पाता है।

घास मद भूमि पर बने 27 परिवारों के मकानों पर मंडराया संकट, ग्रामीणों ने जनसुनवाई में लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की ग्राम पंचायत खोड़सिवनी में इन दिनों एक भूमि विवाद के चलते 27 परिवारों के सामने अपने आशियाने को बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। गांव के कुछ परिवारों का आरोप है कि आपसी रंजिश और व्यक्तिगत विवाद के कारण उनके मकानों को हटवाने की कोशिश की जा रही है, जिससे वर्षों से वहां निवास कर रहे परिवारों में चिंता और असुरक्षा का माहौल बन गया है। इसी समस्या को लेकर मंगलवार को

बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में आवेदन सौंपकर प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत खोड़सिवनी के पटवारी हल्का नंबर 81 अंतर्गत खसरा नंबर 290 की घास मद भूमि पर पिछले लगभग 18 से 20 वर्षों से करीब 27 परिवार निवास कर रहे हैं। उनका कहना है कि अपने पैतृक निवास स्थानों पर पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने और जीवनयापन की मजबूरियों के कारण उन्होंने वर्षों पहले यहां मकान बनाकर रहना शुरू किया था। इनमें से कई परिवारों को शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी मिला है और उनके पक्के मकान भी इसी क्षेत्र में निर्मित हुए हैं। जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा उक्त भूमि को लेकर लगातार आपत्तियां दर्ज कराई जा रही हैं और सभी मकानों को अतिक्रमण बताकर हटाने की मांग की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतकर्ता का स्वयं का मकान भी इसी भूमि पर निर्मित था, जिसे पूर्व में तहसील प्रशासन द्वारा विवादित भूमि पर निर्मित पाए जाने के कारण हटाया गया था। इसके बाद से वह अन्य परिवारों के मकानों को भी हटवाने के प्रयास कर रहा है। ग्राम पंचायत के सरपंच पीतमलाल पांचे और ग्रामीण विनोद मोहारे ने बताया कि गांव की शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से कई बार आपसी स्तर पर मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों ने शिकायतकर्ता को बैठक में बुलाकर समझाने की भी कोशिश की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। उनका आरोप है कि अब लगातार शिकायतें कर गांव के दर्जनों परिवारों को मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि वर्षों से आबाद इस क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का सर्वे कराया जाए और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए घास मद भूमि के स्वरूप परिवर्तन अथवा वैधानिक समाधान की दिशा में पहल की जाए। उनका कहना है कि यदि अचानक कार्रवाई की गई तो 27 परिवार बेघर होने की स्थिति में पहुंच जाएंगे, जिससे सामाजिक और मानवीय संकट खड़ा हो सकता है। जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने कलेक्टर से आग्रह किया कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकलता, तब तक निवासरत परिवारों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई न की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि वे कानून और प्रशासन का सम्मान करते हैं, लेकिन वर्षों से बसे परिवारों को उजाड़ने के बजाय उनके पुनर्वास और संरक्षण पर विचार किया जाना चाहिए। इस दौरान रमेश खैरवार, विनोद मोहारे, सेवक मदनकर, चुन्नीलाल शेंडे, जयप्रकाश पांचे, महेंद्र सिंहनधुपे, कमल देउरकर, दिनेश गोले, पुनाराम पांचे, दुर्गा लांजेवार, गोविंदा रोकड़े, उम्मेदलाल खैरवार, ओमप्रकाश श्रीभाद्री, रुखमणी मोहारे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या रुख अपनाता है और वर्षों से निवासरत परिवारों को राहत मिल पाती है या नहीं।

70 वर्षीय वृद्धा ने किया कीटनाशक का सेवन-जिला अस्पताल में तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक दवाई का सेवन करने के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराई गई एक70 वर्षीय एक वृद्धा की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतिका सुमित्रा बाई पति गोबरी नारबोदे 70 वर्ष ग्राम लेन्डेझरी, थाना वारासिवनी निवासी है। जिसका पोस्टमार्टम 3 जून को किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमित्रा बाई खेती मजदूरी कर अपना जीवनयापन करती थीं। उनकी एकमात्र बेटी अनुसूया उके 46 वर्ष है। जिसका

विवाह लगभग 30 वर्ष पूर्व ग्राम कोलीवाड़ा निवासी टेकचंद उके से हुआ था। विवाह के करीब दो वर्ष बाद दंपति लेन्डेझरी में आकर बस गए थे। जिनके दो पुत्र हैं। सुमित्रा बाई अपनी बेटी और दामाद के साथ ही रहती थीं।बताया गया कि 2 जून की सुबह सुमित्रा बाई के दोनों नाती काम पर चले गए थे। दामाद टेकचंद भी किसी कार्य से घर से बाहर गए हुए थे। जबकि बेटी अनुसूया अपने नए मकान की ओर गई थी। करीब आधे घंटे बाद जब वह वापस लौटी तो उसने देखा कि उसकी मां सुमित्रा बाई के मुंह से झाग निकल रहा था और उनकी हालत गंभीर थी।परिजनों को आशंका हुई कि सुमित्रा बाई ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया है। जिसके बाद सुमित्रा बाई को तत्काल एक निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया।जहा उसका उपचार शुरू किया जा रहा था।गंभीर स्थिति में भर्ती सुमित्रा बाई ने उपचार के दौरान दोपहर करीब 3 बजे दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है।सुमित्रा बाई के शव का पोस्टमार्टम 3 जून को कराया जाएगा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सुमित्रा बाई ने किन परिस्थितियों में कीटनाशक दवाई का सेवन किया। मामले की विस्तृत जांच वारासिवनी पुलिस द्वारा की जायेगी। जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

आस-पास की खबरें

तपती धूप और भीषण गर्मी में भी डटे रहे विद्युत कर्मी

बेहरई में लो-वोल्टेज की समस्या से ग्रामीणों को मिली निजात

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बेहरई में पिछले कुछ दिनों से बनी लो--वोल्टेज की गंभीर समस्या से ग्रामीणों को आखिरकार राहत मिल गई है। बिजली विभाग के कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों ने भीषण और तपती धूप

की परवाह न करते हुए मंगलवार को मुस्तैदी से कार्य किया और क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति को पूरी तरह सुचारू करवाया। उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व क्षेत्र में आये तेज आंधी और तूफान के कारण कई स्थानों पर बिजली के तार टूट गए थे और पोल क्षतिग्रस्त हो गये थे। इस प्राकृतिक आपदा के चलते पूरे बेहरई सहित अन्य ग्रामों की बिजली ठप हो गई थी और ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए विद्युत विभाग की टीम तुरंत हरकत में आई। कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर देर रात तक कड़ा परिश्रम किया और क्षतिग्रस्त तारों को जोड़कर बिजली की मुख्य लाइन को चालू करवाया।

मुख्य लाइन चालू होने के बाद भी बनी थी लो-वोल्टेज की समस्या

तेज आंधी-तूफान के कारण विद्युत पोल क्षतिग्रस्त व तार टूट जाने से बिजली गुल होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसे दुरूस्त करने का कार्य गत दिवस देर रात तक काम करके कर्मचारियों ने बेहरई में बिजली तो बहाल कर दी थी, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण ग्राम बेहरई के कुछ हिस्सों में लो-वोल्टेज की समस्या लगातार बनी हुई थी। उमस और गर्मी के इस मौसम में लो-वोल्टेज होने के कारण ग्रामीणों के पंखे, कूलर और अन्य आवश्यक उपकरण काम नहीं कर पा रहे थे, जिससे ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई थी। इस समस्या के स्थायी निराकरण के लिए बिजली विभाग के जांबाज कर्मचारी अगले ही दिन सुबह फिर से मोर्चे पर डट गये। दोपहर की चिलचिलाती धूप और झुलसाने वाली गर्मी के बीच कर्मचारियों ने फाल्ट ढूंढने के लिए पोल पर चढ़कर घंटों काम किया। कड़े तकनीकी सुधार कार्य के बाद आखिरकार वोल्टेज की समस्या को पूरी तरह ठीक कर दिया गया। अब पूरे ग्राम में सुचारू रूप से बिजली की सप्लाई शुरू हो चुकी है, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। इस सुधार कार्य में विद्युत विभाग के कर्मचारी दिनेश राहंगडाले, श्री बाघमारे, मनोज राहंगडाले का सराहनीय योगदान रहा। वहीं ग्रामीणों ने संकट की इस घड़ी में त्वरित कार्यवाही करने और तत्परता से सेवा देने के लिए विद्युत मंडल की इस टीम का आभार व्यक्त किया है।

6 माह से पंचायतों में नये काम स्वीकृत नहीं, ग्राम विकास के कार्य पूरी तरह अवरूध्द

मनरेगा हुई 'जीरामजी' नाम बदलने में लगी सरकार, रोजगार देने में नाकाम

मजदूरों को काम नही मिलने पर रोजगार के लिए बड़े शहरों की ओर कर रहे पलायन, नये काम स्वीकृति की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से शुरू की गई महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अब केवल कागजों और सरकारी नारों तक सिमट कर रह गई है। सरकार इन दिनों योजनाओं का नाम बदलने और नई ब्रांडिंग करने में तो पूरी दिलचस्पी दिखा रही है, लेकिन धरातल पर ग्रामीणों को काम देने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। हालात यह हैं कि ग्रामीण परिवेश में मनरेगा अब 'जीरामजी' (ठप) होकर रह गई है। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों में पिछले 6 माह से मनरेगा योजना के तहत नये काम स्वीकृत नहीं हो पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायतों के विकास कार्य पूरी तरह से अवरूध्द हो चुके हैं। गांवों में रोजगार न मिलने के कारण मजबूर होकर मजदूरों को बड़े शहरों की ओर पलायन करना पड़ रहा है। इस तरह से योजना का नाम बदलने एवं 6 माह से मनरेगा योजना के तहत पक्के एवं क'चे निर्माण कार्य स्वीकृति पर रोक लग जाने के कारण मजदूर वर्ग को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि प्रतिवर्ष दीपावली पर्व के बाद से लेकर जून माह तक ग्राम पंचायतों में पक्के व कच्चे काम होने से मजदूरों को गांव में ही रोजगार मिल जाता था। लेकिन योजना का नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही सरकार ने इस योजना से निर्माण कार्यों की स्वीकृति पर रोक लगा दी है। जिस कारण से मनरेगा (जीरामजी) योजना पुरी तरह से ठप हो चुकी है।

नाम बदलने के चक्कर में थमी विकास की रफ्तार

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायतों के माध्यम से ग्रामीणजनों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए मनरेगा योजना सरकार के द्वारा प्रारंभ की गई थी। लेकिन सरकार अब इस योजना का नाम बदलकर जीरामजी करने वाली है और जुलाई से जीरामजी योजना के तहत (मनरेगा) के सभी कार्य नये सिरे से स्वीकृत करवाये जायेगें। वहीं नये काम स्वीकृत नही होने का मुख्य कारण सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलकर 'जीरामजी' किया जाना है। इस नाम बदलने की प्रक्रिया के चलते सरकार ने मनरेगा योजना से होने वाले सभी पक्के एवं क'चे निर्माण कार्यों पर फिलहाल रोक लगा दी है। प्रशासन द्वारा पुराने स्वीकृत कार्यों को आगामी 30 जून तक हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं। बताया जा रहा है कि इसके बाद ही 'जीरामजी' योजना के नाम से नये सिरे से कार्य स्वीकृत किये जायेगें।

रोजगार का सीजन हुआ खराब

आमतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में दीपावली से लेकर जून महीने तक मनरेगा के तहत बड़े पैमाने पर रोजगार मिलता था। लेकिन नाम बदलने की इस कवायद के कारण करीब 6 माह से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और रोजगार की रफ्तार पूरी तरह से थम गई है। इस अव्यवस्था को लेकर क्षेत्र के सरपंच, सचिव एवं जनता द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधियों ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि 'जीरामजी' योजना को धरातल पर शुरू होने में अभी लंबा समय लग सकता है। इसलिए सरकार को वर्तमान में मनरेगा योजना के तहत ही पंचायतों में तत्काल नये काम स्वीकृत करने चाहिए। ताकि गांवों में रूके विकास कार्य गति पकड़ सकें और बेरोजगार हो रहे मजदूरों को स्थानीय स्तर पर आजीविका मिल सके। जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन से इस संबंध में जल्द से जल्द उचित कदम उठाने की मांग की है।

सरकार ने एक वर्ष का पूरा बजट बचा लिया है - ओमप्रकाश

औल्याकन्हार सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश बिसेन ने बताया कि सरकार के द्वारा ग्रामीण परिवेश में लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए मनरेगा योजना प्रारंभ किया था परंतु करीब एक वर्ष से सरकार ने पक्के व कच्चें निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसी स्थिति में मजदूर बड़े शहरों की ओर रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे हैं। सरकार मनरेगा का नाम बदलकर 'जीरामजी' करने वाली है जिसके कारण मनरेगा के नये कार्य स्वीकृत नही हो पा रहे है जिससे पंचायतों के विकास कार्य अवरूध्द हो चुके हैं। इस तरह से सरकार ने 'जीरामजी के चलते मजदूरों को अपने घरों में बिठा दिया हैं। श्री बिसेन ने बताया कि सरकार सभी जाब कार्डधारियों को काम न देकर महज कुछ ही मजदूरों को रोजगार देकर औपचारिकता पूरी कर रही है। जबकि सरकार को मनरेगा के तहत एक वर्ष में लगभग 30,000 करोड़ रूपये का बजट खर्च करना था, लेकिन अपनी पीठ थपथपाने और खजाना भरने के चक्कर में सरकार ने इस वर्ष अपना पूरा बजट बचा लिया है। सरकार की इस जनविरोधी नीति के कारण गरीब मजदूर दो वक्त की रोटी एवं रोजगार के लिए परेशान हो रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और सरकार इस गंभीर समस्या पर पूरी तरह मौन साधे बैठे हैं। यदि जल्द ही पक्के व क'चे निर्माण कार्यों से प्रतिबंध हटाकर काम शुरू नहीं किया गया, तो स्थिति बेहद चिंताजनक हो जायेगी।

इनका कहना है-

मनरेगा योजना का नाम 'जीरामजी' होने वाला है इसलिए शासन के द्वारा नये कामों की स्वीकृति पर रोक लगा दी गई है और पुराने कार्य को 30 जून तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये है। इसी निर्देश के परिपालन में सरपंच-सचिवों को पंचायत में जारी मनरेगा के तहत निर्माण कार्यों को 30 जून तक शत-प्रतिशत पूर्ण करने कहा गया है। जिसके बाद 'जीरामजी' के नाम से से कार्य स्वीकृत किये जायेगें।

रूपेश इवने
एपीओ
जनपद पंचायत लालबर्रा।

अंतिम दिन कम तपा नौतपा, उमस भरी गर्मी से आमजन परेशान

15 जून के पहले प्री-मानसून दे सकता है दस्तक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नौतपा का अंतिम दिन मंगलवार को कम तपा है। लेकिन नौतपा के 8 दिनों में एक-दो दिनों तक दोपहर बाद बदलीनुमा मौसम रहा है, जिसके बाद दिन में चिलचिलाती धुप से लोग

हलाकान होते नजर आये। साथ ही नौतपा के अंतिम दिन लग रहा था कि जमकर तपेगा परन्तु ऐसा नही हुआ और मौसम में परिवर्तन होने के साथ ही सुबह से लेकर दोपहर तक बदलीनुमा मौसम बना रहा तो कभी तेज धुप लगने से लोगों को उमस भरी गर्मी से परेशान होना पड़ा है। 25 मई से प्रारंभ हुए नौतपा का अंतिम दिन मंगलवार था और नौतपा के 6 से 7 दिनों तक दिन में तेज धूप का एहसास हुआ है एवं इस दौरान चुभती गर्मी से सभी हलाकान होते रहे। वहीं 2 जून को नौतपा का अंतिम दिन था एवं अंतिम दिन मौसम परिवर्तन होने के साथ ही सुबह से लेकर दोपहर तक बदलीनुमा मौसम बना रहा तो अचानक तेज धुप लगने से उमस भरी गर्मी का एहसास हुआ है और लोग लू के थपेड़ों एवं गर्मी से बचने के लिए बाहर निकलते समय गमछा बांधकर बाहर निकले। मंगलवार को नौतपा की विदाई हो चुकी है और अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मौसम कभी भी मेहरबान हो सकता है और कुछ दिनों के अंदर मानसून के दस्तक देने के साथ ही लोगों को इस चुभती गर्मी से राहत भी मिल सकती है। आपकों बता दे कि नौतपा प्रारंभ होने के साथ ही तेज धूप व उमस भरी गर्मी से लोग हलाकान रहे और इन 9 दिनों में से एक दो दिनों तक बदलीनुमा मौसम एवं दोपहर बाद बारिश हुई है उसके बाद अन्य 6 से 7 दिनों तक सुबह से लेकर शाम तक तेज धूप से लोग परेशान होते रहे। इस दौरान लोग गमछा बांधकर सड़कों पर निकले और धूप से बचने का प्रयास किया है परन्तु सूर्य की आग उगलती किरणों की वजह से कूलर और पंखे भी राहत नही दे पा रहे है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों के द्वारा गन्ना जूस, आम जूस, नींबु पानी व शरबत सहित अन्य ठंडे पेय पदार्थों का सेवन किया जा रहा है। आपकों बता दें कि मौसम विभाग के अनुसार 15 जून के पहले प्री मानसून दस्तक दे सकता है और खरीफ सीजन में धान की फसल लगाने वाले किसान बीज बोने सहित अन्य कार्य के लिए खेती को तैयार करने में जुट चुके है। जिनके द्वारा बारिश का इंतेजार किया जा रहा है। बारिश होने के बाद युध्द स्तर पर किसान बीज बोने, पार लगाने सहित अन्य कृषि कार्य में जुट जायेगें। वहीं चिकित्सकों का कहना है कि वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी से बचने के लिए धूप में घरों से बाहर निकलते समय सफेद गमछा या कपड़े का उपयोग करने एवं नीबू, शरबत, आम का पना, गन्ना जूस सहित ठंडे पेय पदार्थों व साफ पानी का उपयोग करने एवं स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

शासकीय भूमि पर किये अतिक्रमण को हटाने पहुंचा प्रशासनिक अमला, विरोध के बाद बैरंग लौटा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ग्राम पंचायत नगपुरा में शासकीय जमीन पर किये गये अतिक्रमण को हटाने के लिए तहसीलदार न्यायालय लालबर्रा के आदेश का पालन करवाने पहुंचा राजस्व और पुलिस का संयुक्त अमला मंगलवार को उस समय संकट में पड़ गया। जब अनावेदक पक्ष ने शासकीय कार्यवाही का उग्र विरोध शुरू कर दिया। दोपहर करीब 3 बजे मौके पर तीखे विवाद और अशांति की स्थिति निर्मित होने के कारण प्रशासन को अपनी कार्यवाही बीच में ही रोकनी पड़ी और टीम बिना अतिक्रमण हटाये बैरंग वापस लौट आई है। प्राप्त जानकारी अनुसार मूल निवासी एवं हाल मुकाम जागपुर निवासी सुक्कन खरोले का नगपुरा में खेत है और खेत जाने वाले शासकीय भूमि के रास्ते पर चंदुलाल लिल्हारे ने कब्जा कर फेंसिंग तार लगा दिया है। यानि की रास्ते को बंद कर दिया है जिससे उसका एवं अन्य किसानों का कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। लेकिन चंदूलाल का कहना है कि यह पुर्वजों के समय से हमारी जमीन है, यह से रास्ता नही देगें। जबकि उक्त शासकीय भूमि है, जिस पर किये गये अतिक्रमण को हटाने के लिए पूर्व में न्यायालय में प्रकरण चल रहा था। जिसके बाद तहसीलदार न्यायालय लालबर्रा द्वारा राजस्व प्रकरण के तहत गत दिवस नगपुरा निवासी सुक्कन खरोले के पक्ष में एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया गया था। आरोप है कि अनावेदक चंदूलाल द्वारा न्यायालयीन आदेश की अवहेलना करते हुए उक्त रास्ते पर फेंसिंग (बाड़) लगाकर मार्ग अवरूध्द कर दिया गया था। इसी मार्ग को बहाल करवाने पटवारी विनय मर्सकोले और पुलिस बल जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंचे थे और शासकीय भूमि पर फेंसिंग तार लगाकर किये गये अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही शुरू कर ही रहे थे कि चंदूलाल एवं उसके परिजन इस कार्यवाही का विरोध करते हुए विवाद की स्थिति निर्मित कर दिये। जिस कारण से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही नही हो पाई और राजस्व विभाग ने पंचनामा कार्यवाही कर बिना अतिक्रमण हटाये बैरंग वापस लौट आये।

विरोध के चलते पंचनामा कार्यवाही की गई है - विनय

दूरभाष पर चर्चा में पटवारी विनय मर्सकोले ने बताया कि नगपुरा में तहसीलदार के आदेशानुसार शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने गये थे, लेकिन चंदूलाल का कहना है कि यह मेरी भूमि है। जबकि वह पूरी तरह से शासकीय भूमि है, न्यायालय के आदेश के तहत वहां से रास्ता निकालने गये थे। किन्तु मौके पर अनावेदक चंदूलाल ने उक्त भूमि पर अपना निजी दावा करते हुए शासकीय कार्यवाही का कड़ा विरोध शुरू कर दिया। श्री मर्सकोले ने बताया कि विवाद की स्थिति को देखते हुए बिना अतिक्रमण हटाये मौके पर पंचनामा कार्यवाही की गई है। जिसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी जायेगी।

यादें. काव्य गोष्ठी के माध्यम से मशहूर मरहूम शायरों डॉ. बशीर बद्र एवं अनुज तिवारी गोविन्द को दी गई विनम्र श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन, इकाई बालाघाट के तत्वावधान में देश के नामी शायर मरहूम पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र एवं मरहूम शायर जनाब अनुज तिवारी गोविन्द की स्मृति में यादें.. श्रद्धांजलि एवं संस्मरणात्मक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रविवार, 31 मई 2026 को सुप्रसिद्ध गीतकार श्री ब्रजेश हजारी के निवास, पवार मंगल भवन के पीछे, बालाघाट में उन्हीं की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिवंगत अनुज गोविन्द जी की दीदी श्रीमती नीलिमा तिवारी जी (सेवानिवृत्त महिला एवं बाल विकास अधिकारी) रहीं। गोष्ठी की परिकल्पना, सूत्रधार एवं संचालन कविवर श्री कुंजकिशोर विस्रकर, जिला अध्यक्ष म.प्र. हिंदी साहित्य सम्मेलन बालाघाट, द्वारा दोनों ही शायरों की बेहतरीन यादों के साथ किया गया। अनुज गोविन्द जी के साथ जुड़े साहित्यकारों ने उनके साथ व्यतीत किए पलों को साझा करते हुए गीत के माध्यम से कविता पाठ किया तथा दोनों दिवंगत शायरों के जीवनवृत्त पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर बतौर प्रमुख अतिथि सहमत के प्रमुख एवं सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री राजेंद्र सहज, गोंदिया-आमगांव से नामी शायर असीम आमगांवीं, गीतकार व नाट्य निदेशक श्री अशोक सागर, शायर-गीतकार डॉ. किशोर सोनवने अनीश, व्यंग्यकार श्री सुन्दर सुलभ, श्री चंद्रेश तूफानी, कवि साहेबलाल सरल, व्यंग्य कवि शैलेश शैल, मनोज रामटेके, लक्ष्मीचंद ठाकरे, कवि किशोर सागर, गीतकार प्रदीप दर्शन, कवयित्री मती नीलम हजारी, शिक्षिका मती प्रेमलता शैल सहित नगर के अनेक प्रबुद्ध साहित्यकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्रजेश हजारी जी, लक्ष्मीचंद ठाकरे एवं किशोर छिपेश्वर जी का विशेष सहयोग रहा।

बकोड़ा सांई मंदिर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा आज से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर लालबर्रा से बालाघाट हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम बकोड़ा के पावन क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल है। ग्राम के सुप्रसिध्द धार्मिक स्थल श्री सांई मंदिर में 3 जून से सात दिवसीय भव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ होने जा रहा है। इस भव्य धार्मिक आयोजन को लेकर मंदिर समिति एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस आध्यात्मिक महोत्सव में प्रख्यात कथा व्यास परम पू'य महंत हंसराज जी मिश्रा अपने मुखारविंद से श्रध्दालुओं को भगवान श्री कृष्ण की दिव्य लीलाओं पर संगीतमय प्रवचन देगें।

दोपहर 3 बजे से कथा का होगा वाचन

बकोड़ा सांई मंदिर में 3 जून से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ होगा। जिसमें दोपहर 3 बजे से कथा का वाचन प्रारंभ होगा। 3 जून से लेकर 9 जून तक चलने वाले इस श्रीमद् भागवत कथा में कथाव्यास महंत हंसराज मिश्रा के द्वारा भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव, माखन चोरी लीला, गोवर्धन पूजा, रूखमणी विवाह और सुदामा चरित्र जैसे प्रसंगों का सजीव एवं संगीतमय वर्णन किया जायेगा। जिससे संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय रस में सराबोर हो उठेगा। श्री सांई बाबा मंदिर समिति बकोड़ा के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं, माताओं और बहनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

हादसों को न्यौता मदनपुर पुलिया से राहगीर परेशान

आधी अधूरी दीवार खड़ी कर भूले जिम्मेदार दोनों छोर पर खुले गहरे गड्ढे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी-मदनपुर मार्ग पर ग्राम मदनपुर के प्रवेश द्वार पर बनी पुलिया राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन चुकी है। वर्षों पहले निर्मित इस पुलिया की सुरक्षा दीवार को आधा अधूरा ही छोड़ दिया गया है। पूरी दीवार ना होने के कारण राहगीरों को पुलिया की सही चौड़ाई और लंबाई का अंदाजा नहीं मिल पाता जिससे आए दिन गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने कई बार निर्माण व मरम्मत से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों से इसकी शिकायत की लेकिन वर्तमान तक स्थिति जस की तस बनी हुई है।

दिखावे की बनी दीवार दोनों तरफ गहरे गड्ढे

सड़क पर पुलिया के केवल उस हिस्से में सेफ्टी वॉल बनाई गई है जहां से पानी बहता है। जबकि इसके आगे पीछे का पूरा हिस्सा खुला छोड़ दिया गया है। यह पुलिया वर्तमान में बनी सेफ्टी वॉल से करीब तीन गुना ज्यादा बड़ी है। पुलिया के दोनों छोर पर गहरे गड्ढे हैं जो रात के अंधेरे में किसी बड़े हादसे को आमंत्रण दे रहे हैं। मार्ग पर प्रकाश की व्यवस्था ना होने के कारण रात में वाहन चालकों को पुलिया के किनारों का आभास नहीं हो पाता। नतीजा यह है कि कई बार अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल और अन्य वाहन सीधे नाले या सड़क किनारे गहरे गड्ढों में उतर जाते हैं जिससे लोग चोटिल हो रहे हैं। १० फीट चौड़ी इस सड़क पर बनी पुलिया की चौड़ाई लगभग २० फीट है। सड़क संकरी होने और पुलिया के ठीक पास टर्निंग होने की वजह से यहां खतरा दोगुना हो जाता है। सेंटर में थोड़ी सी सेफ्टी वॉल खड़ी कर देने से भ्रम की स्थिति और ज्यादा बढ़ जाती है। रात के समय अंजान राहगीर अक्सर धोखा खा जाते हैं यह मार्ग वारासिवनी के एफसीआई मैदान के किनारे से शुरू होकर मदनपुर, कासपुर, आलेझरी और एकोड़ी सहित दर्जनों गांवों को जोड़ता है। इतना ही नहीं यह मार्ग आगे जाकर बालाघाट के पास गर्रा मुख्य मार्ग से भी मिलता है। इस वजह से रोजाना हजारों ग्रामीण नौकरी पेशा और छोटे.बड़े वाहनों के चालक अपने काम के सिलसिले में इसी रास्ते से वारासिवनी आते.जाते हैं। भारी यातायात दबाव वाले इस व्यस्त मार्ग पर सुरक्षा का यह अभाव किसी भी दिन बड़े हादसे का कारण बन सकता है। आक्रोशित मदनपुर के ग्रामीणों और इस मार्ग का उपयोग करने वाले राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि लापरवाही को छोड़ इस पुलिया पर जल्द से जल्द पूरी लंबाई में सेफ्टी वॉल का निर्माण कराया जाए या मजबूत लोहे की रेलिंग लगाई जाए ताकि भविष्य में किसी की जान माल का नुकसान ना हो।

उजाला नहीं है अंधेरे में सीधे नाले में उतर जाते हैं वाहन-गुलाबचंद कोहरे

ग्रामीण गुलाबचंद कोहरे ने बताया की यह हमारे मदनपुर का मुख्य नाला है। इसके ऊपर विभाग ने सुरक्षा के नाम पर महज खानापूर्ति की है। सेफ्टी वॉल को पूरी लंबाई में बनाने के बजाय सिर्फ थोड़े से हिस्से में बनाकर छोड़ दिया गया है जो सबसे बड़ी मुसीबत है। अगर इस सुरक्षा दीवार को आगे तक पूरा बनाया जाता तो यहाँ होने वाले हादसों को रोका जा सकता था। सबसे ज्यादा बदतर स्थिति रात के समय होती है। यहाँ दूर.दूर तक उजाले या स्ट्रीट लाइट की कोई व्यवस्था नहीं है। पूरा मार्ग अंधेरे में डूबा रहता है और प्रारंभ में कोई रेलिंग ना होने से वाहन चालकों को पता ही नहीं चलता कि पुलिया कहाँ से शुरू हुई और कहाँ खत्म। कई मोटरसाइकिल चालक सीधे नाले में गिरकर घायल हो चुके हैं। जब से यह नाला बना है तब से हम यही मांग कर रहे हैं कि इस सेफ्टी वॉल को पूरा किया जाए या लोहे की मजबूत रेलिंग लगाई जाए लेकिन हमारी कोई नहीं सुनता।

दिन में भी रफ्तार के कारण ओझल हो जाते हैं किनारे-अजय बोपचे

राहगीर अजय बोपचे ने बताया की मैं अपने काम के सिलसिले में सुबह से देर रात तक कई बार वारासिवनी आना जाना करता हूँ। मदनपुर कासपुर होते हुए गर्रा और बालाघाट निकलने के लिए यह सबसे शॉर्टकट और सुगम मार्ग है इसलिए इस रास्ते पर सुबह से ही गाड़ियों का भारी दबाव शुरू हो जाता है। पुलिया बेहद खतरनाक मोड़ टर्निंग पर स्थित है। नाले पर नाममात्र की सेफ्टी वॉल होने के कारण सिर्फ रात ही नहीं बल्कि दिन में भी खतरा बना रहता है। जब गाड़ियां थोड़ी तेज गति में होती हैं तो अचानक टर्निंग आने पर पुलिया का किनारा स्पष्ट दिखाई नहीं देता। ऐसे में जरा सी चूक होने पर वाहन सीधे नीचे खाई में जा सकता है। इस व्यस्त मार्ग पर सुरक्षा का ऐसा अभाव किसी बड़े हादसे को सीधा आमंत्रण है।

५ साल से देख रहे हैं तमाशा बरसात में जान पर बन आती है-दुर्गाप्रसाद पटले

दुर्गाप्रसाद पटले ने बताया की हम पिछले ५ वर्षों से भी अधिक समय से इस अधूरी पुलिया का तमाशा देख रहे हैं। पुलिया के दोनों तरफ गहरी खाई और बड़े.बड़े गड्ढे हैं। सामान्य दिनों में तो गाड़ियां नीचे गिरकर लोग चोटिल हो ही रहे हैं लेकिन असली नरक बरसात के दिनों में शुरू होता है। जब भारी बारिश होती है तो यह नाला पूरी तरह उफान पर आ जाता है और पानी सड़क के ऊपर तक आ जाता है। उस समय सेफ्टी वॉल ना होने के कारण यह समझ पाना नामुमकिन हो जाता है कि सड़क कहाँ है और नाला कहाँ। राहगीर तो दूर हम ग्रामीणों को भी सड़क पार करने में डर लगता है। यहाँ जब भी कोई पैचवर्क या मरम्मत का काम करने आता है हम उन कर्मचारियों और अधिकारियों को टोकते हैं उन्हें समस्या बताते हैं लेकिन विभाग आँखें मूंदकर बैठा है।

अवैध वसूली मामले में कथित पत्रकार ब्रजेश मिश्रा गिरफ्तार

खैरलांजी पुलिस की कार्यवाही कथित पत्रकारों ने युवक से ९० हजार रुपये की थी वसूली १ आरोपी फरार

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी/ वारासिवनी। खैरलांजी पुलिस ने अवैध वसूली मामले में मंगलवार को एक और कथित पत्रकार ब्रजेश मिश्रा रामपायली निवासी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की हैं जबकि अभी भी एक और कथित पत्रकार पुलिस पकड़ से बाहर हैं। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम खैरी निवासी हंसराज लिल्हारे ने पुलिस अधीक्षक बालाघाट को शिकायत में कुछ पत्रकारों के द्वारा उसे धमकी देकर उससे जबरन वसूली करने के मामले में शिकायत की थी। जिस पर खैरलांजी थाने में शिकायत जाँच पत्र क्रमांक ९९६/२०२६ दिनाँक ९/५/२०२६ आई थी। जिसमें आवेदक हंसराज लिल्हारे के कथन सीडीआर लोकेशन काल डिटेल कैनरा बैंक की जानकारी बातचीत की पेन ड्राइव में रिकार्डिंग सुनने का पंचनामा,वन विभाग से जानकारी में पाया गया कि १२ मार्च की सुबह से १२ बजे पिंड़केपार में था। जहाँ प्रफ्फुल चित्रिव और ब्रजेश मिश्रा निवासी रामपायली, अलीम खान,फारुख खान एवं अभिषेक सोनी निवासी बालाघाट एवं सोनझरा निवासी संतोष शिवलाल व एक अन्य ने आवेदक हंसराज लिल्हारे को अपने आप को पत्रकार बताते हुए जेल भेज देने एवं बर्बाद कर देने की धमकी देकर डरा धमकाकर एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुए उससे दो लाख रुपये की मांग की। जिसके बाद आरोपितों ने आवेदक से ९० हजार रुपये फोन पे के माध्यम से ऑनलाइन लिए। शिकायत पर हुई जाँच पश्चात शिकायत सहीं पाए जाने पर पुलिस अधिक्षक के निर्देश पर पुलिस ने बीएनएस २०२३ की धारा ३३०८, ५ और धारा २९६ के तहत अपराध पंजीबद्ध कर पूर्व में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था। जहाँ से आरोपित कथित पत्रकारों को न्यायालय ने जेल भेज दिया था। फिलहाल पांच आरोपित जमानत पर बाहर हैं वहीं खैरलांजी पुलिस शेष २ आरोपितों की तलाशी पुलिस सरगर्मी से कर रही थी। जिस पर मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर एक और आरोपित बृजेश मिश्रा रामपायली निवासी को गिरफ्तार कर उसे वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया। वहीं पुलिस शेष १ बचे आरोपितों बालाघाट निवासी फारुख खान की सरगर्मी से तलाश कर रही हैं।

इनका कहना हैं

खैरी निवासी आवेदक संतलाल लिल्हारे ने अवैध वसूली मामले में पुलिस अधीक्षक के यहाँ शिकायत की थी। शिकायत जाँच में शिकायत सहीं पाए जाने पर ७ लोंगों पर अपराध पंजीबद्ध कर ५ लोंगों को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। एक आरोपित ब्रजेश मिश्रा रामपायली निवासी को मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया हैं। फरार चल रहे १ आरोपितों को भी शीघ्र गिरफ्तार किया जाएँगा।

किशोर माने
एसआई पुलिस थाना खैरलांजी

रामपायली के नाग मंदिर में हुई चोरी

पद्मेश न्यूज। रामपायली/ वारासिवनी। रामपायली स्थित प्राचीन नाग मंदिर में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए रखी गई तांबे की गुंडी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी किए जाने की सूचना प्रकाश में आई है। यह घटना केवल एक धार्मिक वस्तु की चोरी भर नहीं बल्कि समाज की आस्था सांस्कृतिक मूल्यों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंदिर परिसर में भगवान शिव के जलाभिषेक हेतु रखी गई तांबे की गुंडी दोपहर के समय अपने स्थान से गायब हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि धार्मिक स्थलों से जुड़ी वस्तुओं की चोरी समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता और नैतिक पतन का संकेत है। नाग मंदिर समिति के सदस्य कुंज बिहारी दुबे ने कहा कि जिसने भी उक्त गुंडी उठाई है वह बिना किसी भय के उसे मंदिर में वापस रख दें। धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में समाज को संयम और जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। ऐसी घटनाएं केवल मंदिर या किसी एक समुदाय को नहीं बल्कि पूरे समाज की भावनाओं को आहत करती हैं। यह घटना प्रशासन के लिए भी एक चेतावनी है। क्षेत्र के धार्मिक स्थलों में सुरक्षा व्यवस्था निगरानी और जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच करने और दोषी व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करने की मांग की है।

नगर के खेल मैदान की बिगाड़ी सूरत

विकास की कीमत पर उजड़ा खेल मैदान खिलाडियों ने उठाई पुनर्स्थापना की मांग

पद्मेश न्यूज।रामपायली/वारासिवनी। ग्राम रामपायली में जहां चंदन नदी पर निर्मित नव निर्मित पुल ने क्षेत्र की यातायात सुविधा को नई मजबूती दी है। लेकिन इसके निर्माण कार्य के दौरान उपयोग की गई सामग्री ने गांव के एक महत्वपूर्ण खेल मैदान का स्वरूप प्रभावित कर दिया है। चंदन नदी के किनारे विधायक निधि से निर्मित खेल मैदान वर्षों से रामपायली और आसपास के क्षेत्रों के खिलाडियों के लिए अभ्यास खेल प्रतियोगिताओं और शारीरिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। क्रिकेट कबड्डी वॉलीबॉल और अन्य खेलों से जुड़े युवा प्रतिदिन यहां अभ्यास कर अपनी प्रतिभा को निखारते रहे हैं। यही मैदान अनेक स्थानीय खेल आयोजनों का साक्षी भी रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चंदन नदी पर बने नवीन पुल के निर्माण के दौरान कार्य एजेंसी ने निर्माण सामग्री मुरम गिट्टी लोहा तथा समुचित निर्माण सामग्री और अन्य संसाधनों को इसी मैदान में लंबे समय तक रखा गया। परिणाम स्वरूप मैदान का समतल स्वरूप प्रभावित हो गया और खेल गतिविधियों के लिए उपलब्ध खुला क्षेत्र भी सीमित हो गया। वर्तमान स्थिति में मैदान कई स्थानों पर असमतल दिखाई देता है जिससे खिलाड़ियों को अभ्यास में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खेल प्रेमियों ने बताया कि पुल निर्माण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जिसने आवागमन को आसान बनाया है और क्षेत्रीय विकास को गति दी है। लेकिन विकास कार्य पूर्ण होने के बाद उस सार्वजनिक खेल मैदान को उसके मूल स्वरूप में लौटाना भी उतना ही आवश्यक है जिसका उपयोग वर्षों से हजारों युवाओं द्वारा किया जाता रहा है। रामपायली सरपंच संदीप वाघमारे ने कहा है कि खेल मैदान केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं बल्कि ग्रामीण प्रतिभाओं का प्रशिक्षण केंद्र है। यदि मैदान की समुचित मरम्मत और समतलीकरण नहीं किया गया तो इसका सीधा प्रभाव ग्रामीण खेल संस्कृति और युवा खिलाडियों की तैयारियों पर पड़ेगा। ऐसे में उपलब्ध खेल परिसंपत्तियों का संरक्षण और रखरखाव प्रशासन तथा निर्माण एजेंसियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले अनेक खिलाड़ी छोटे गांवों और साधारण मैदानों से ही निकलकर आगे बढ़े हैं। इसलिए खेल अधोसंरचना को संरक्षित रखना भविष्य की खेल प्रतिभाओं में निवेश के समान है। ग्रामवासियों ने संबंधित निर्माण एजेंसी तथा प्रशासन से मांग की है कि पुल निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। आधुनिक मशीनों की सहायता से पूरे मैदान का समतलीकरण कर उसे पुन: खेल योग्य बनाया जाए। साथ ही मैदान की सीमांकन व्यवस्था, जल निकासी और रखरखाव की भी स्थायी योजना बनाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न ना हो।

नपा में लगा जनता दरबार पूर्व मंत्री जायसवाल और अध्यक्ष सरिता दांदरे ने सूनी नगर वासियों की समस्या

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद के द्वारा निरतंर रूप से आयोजित जनता दरबार में मंगलवार को भी नगर के पुरे १५ वार्डो की जनता ने आकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इन समस्याओं के समाधान के लिये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने नगर वासियों की समस्या सूनी। जनता दरबार में आदिशक्ती ले आउट में नाली व सड़क की समस्या से वार्डवासीयों ने अवगत कराकर समाधान की मांग की। नगरवासी संजय रूसिया ने बताया की उनकी कालोनी में नाली व सड़क बनाने का वादा कालोनाईजर के द्वारा किया गया था। किंतू ऐसा नही करने के कारण अब उन्हे नपा परिषद से ही इन विकास कार्यो को कराने की उम्मीद कायम है। इस समस्या को गंभीरता से लेकर वार्डवासीयों को कालोनाइजर से संपर्क कर इन विकास कार्यो को कराने की सलाह दी गयी है। साथ ही इस अवैध कालोनी पर विकास कार्य नही कराने पर नपा परिषद के द्वारा कार्यवाही कराने की सोच भी सभी के सामने रख दी गयी है। वहीं इकबाल खान ने कब्रस्तान में हाईमास्क व शादी हाल में किचन सेट लगवाने का आवेदन पेश किया। जिस पर इन कार्यो के लिये नपा ने प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन प्रदान किया है। इसी तरह नगर में लगे सीसीटीवी कैमरे के कंटोल रूप में एक पार्ट के गर्मी के कारण खराब होने पर उसे तत्काल बदलवाने के निर्देश भी संबधित अधिकारी को प्रदान किये गये है। साथ ही वार्ड १४ में नाली की समस्या,वार्ड ३ में सीसी रोड व पक्की नाली व चंदौरी आंगनवाडी केन्द्र की एक समस्या के समाधान के लिये आवेदको को आश्वस्त भी किया गया है। जनता दरबार में सम्राट नगर वार्ड एक शास्त्री मार्ग के निवासीयो ने शिकायती आवेदन में बताया की नहर के किनारे से ११ केवी और ३३ केवी के बिजली के तार नीचे की ओर झुक गये है। जिससे दुर्घटना होने का अंदेशा बन गया है। अत बिजली के पोल को लगाकर इन तारो की उंचाई बडाना बेहद जरूरी है। इस दौरान धर्मू जोशी, पवन धूर्व, प्रवीण डोंगरे, मनोज दांदरे, प्रवीण रूसिया, मुख्य अधिकारी सुर्यप्रकाश उके, उपंयत्री सुमीत मोटवानी, यंशिका चौहान उपस्थित रहे।

न्याय में देरी न्याय की हत्या के समतुल्य है मीलार्ड!

अगली पेशी अगले साल यह देश की अदालतों में होता रहा है लेकिन हाल ही मे सुप्रीम कोर्ट ने न्याय में देरी को रोकने और पारदर्शिता लाने के लिए सभी हाईकोर्ट्स को सख्त निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत, सुनवाई के बाद सुरक्षित रखे गए सभी फैसले अधिकतम तीन महीने के भीतर सुनाने अनिवार्य हैं। वहीं, जमानत से जुड़े मामलों में 24 घंटे के भीतर आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा पहली बार नहीं है पूर्व में भी पूर्व सीजेआई सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र और सत्तारूढ़ नेता समय समय पर देश की न्याय व्यवस्था में देरी की समस्या का समाधान खोजने का वायदा दावा और बयान करते रहे हैं लेकिन हर बार ढाक के वहीं तीन पात। न्याय मे देरी का सिलसिला नया नहीं है, लेकिन जब अदालतें बहस पूरी होने के बाद भी वर्षों तक फैसले सुरक्षित रखती हैं, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं रह जाती, बल्कि न्याय के मूल सिद्धांत पर सवाल खड़ा करती है। यह वह कड़वी सच्चाई है कि अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं और न्याय की उम्मीद लिए लोग तारीख पर तारीख काटते रहते हैं। कई मामलों में फैसला तब आता है, जब पीड़ित की उम्र, आर्थिक शक्ति और मानसिक ऊर्जा लगभग खत्म चुकी होती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि देर से मिला न्याय क्या सचमुच न्याय कहलाया जा सकता है? इस मामले में सुप्रीम कोर्ट कई बार निचली अदालतों को सचेत कर चुका है। एक बार फिर से हाईकोर्टों में फैसलों में हो रही देरी पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर चिंता जताते हुए स्पष्ट कहा है कि किसी भी मामले में फैसला सुरक्षित रखने के बाद उसे तीन महीने के भीतर सुनाया जाना चाहिए। यदि तीन महीने तक फैसला नहीं आता है, तो हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को वह मामला चीफ जस्टिस के सामने रखना होगा। यह निर्देश केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि न्यायिक जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सुप्रीम कोर्ट इसी गंभीर स्थिति पर सख्त रुख अपनाते हुए जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। अदालत ने साफ कहा है कि फैसला सुरक्षित रखने के बाद उसे अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखा जा सकता। न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि समय पर दिखना भी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश कि कोई भी फैसला रिजर्व होने के तीन महीने के भीतर सुनाया जाना चाहिए, न्यायिक प्रक्रिया को अनुशासित करने वाला कदम है। यदि तीन महीने के भीतर फैसला नहीं सुनाया जाता, तो संबंधित हाईकोर्ट का रजिस्ट्रार जनरल मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखेगा। मुख्य न्यायाधीश अधिकतम दो सप्ताह का अतिरिक्त समय दे सकते हैं। इसके बाद भी फैसला न आए तो मामला दूसरी बेंच को स्थानांतरित किया जा सकेगा। यह व्यवस्था इसलिए आवश्यक है, है, क्योंकि किसी भी मुकदमे में फैसला सुरक्षित होने का अर्थ यह नहीं कि पक्षकारों की प्रतीक्षा अनंत हो जाए। सबसे गंभीर पहलू उन मामलों का है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े हैं। जमानत, अग्रिम जमानत, सजा पर रोक या जेल में बंद विचाराधीन कैदियों से जुड़े मामलों में देरी का अर्थ सीधे-सीधे व्यक्ति की स्वतंत्रता पर चोट है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है। यदि किसी व्यक्ति की जमानत याचिका पर बहस पूरी हो चुकी हो और आदेश महीनों तक सुरक्षित रखा जाए, जाए, तो यह केवल तकनीकी देरी नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों का हनन है।

अमेरिका-ईरान तनाव-समझौते और युद्ध के बीच झूलती दुनियाँ ट्रंप की बदलती रणनीति और वैश्विक भू-राजनीति का नया संकट

वैश्विक स्तरपर ईरान और यूनाइटेड स्टेट्स के बीच चल रहा वर्तमान टकराव 2026 की सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में से एक बन चुका है। स्थिति इतनी जटिल हो गई है कि एक तरफ दोनों देश वार्ता की मेज पर बैठे दिखाई देते हैं, जबकि दूसरी तरफ सैन्य दबाव,आर्थिक प्रतिबंध, नौसैनिक नाकाबंदी और युद्ध की चेतावनियां लगातार जारी हैं। पूरी दुनियाँ की नजर इस संकट पर टिकी हुई है क्योंकि यह केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार, परमाणु प्रसार, महाशक्ति प्रतिस्पर्धा और विश्व अर्थव्यवस्था का प्रश्न बन चुका है। सबसे बड़ा और ताज़ा अपडेट यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने ही वार्ताकारों द्वारा तैयार किए गए मसौदा समझौते में नए बदलाव और अधिक कठोर शर्तें जोड़ने की मांग की है। रिपोर्टों के अनुसार व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद ट्रंप ने परमाणु कार्यक्रम, संवर्धित यूरेनियम भंडार और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से जुड़ी भाषा को और सख्त करने का निर्देश दिया है। इससे वह समझौता, जिसे कुछ दिन पहले लगभग अंतिम माना जा रहा था, फिर से अनिश्चितता में फंस गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वर्तमान संकट की सबसे दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप के बयान लगातार बदलते रहे हैं। कभी वे कहते हैं कि समझौता लगभग तैयार है,कभी कहते हैं कि उन्हें कोई जल्दबाजी नहीं है,और फिर यह भी स्पष्ट करते हैं कि यदि ईरान अमेरिकी शर्तें नहीं मानता तो सैन्य विकल्प पूरी तरह खुला रहेगा। इस बदलते रुख ने न केवल तेहरान बल्कि अमेरिका के सहयोगी देशों को भी असमंजस में डाल दिया है।अमेरिका की मुख्य मांगें अब पहले से कहीं अधिक स्पष्ट और कठोर दिखाई दे रही हैं। वाशिंगटन चाहता है कि ईरान स्थायी रूप से परमाणु हथियार कार्यक्रम छोड़ने की कानूनी और अंतरराष्ट्रीय गारंटी दे। इसके अलावा ईरान के पास मौजूद संवर्धित यूरेनियम के बड़े भंडार को या तो नष्ट किया जाए या अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की निगरानी में सौंप दिया जाए। अमेरिका यह भी चाहता है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मूज पूरी तरह खुला रहे, जहाजों की आवाजाही बिना किसी बाधा और बिना किसी टोल के हो तथा ईरान अपनी मिसाइल और क्षेत्रीय सैन्य गतिविधियों पर भी नियंत्रण स्वीकार करे। साथियों, दूसरी तरफ ईरान का दृष्टिकोण बिल्कुल अलग है। तेहरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और वह अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करेगा। ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने, अरबों डॉलर की फ्रीज की गई संपत्तियों को वापस पाने और क्षेत्रीय सुरक्षा मामलों में अपनी भूमिका को मान्यता दिलाने की मांग कर रहा है। यही कारण है कि बातचीत बार-बार आगे बढ़ने के बाद फिर अटक जाती है। पिछले कुछ दिनों में सामने आई रिपोर्टों के अनुसार कई बैठकों में ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी शर्तों पर तीखी आपत्ति जताई। कुछ मौकों पर बातचीत बीच में रुक गई और ईरानी पक्ष ने असंतोष व्यक्त करते हुए बैठक छोड़ दी। हालांकि अभी तक किसी भी पक्ष ने आधिकारिक रूप से वार्ता समाप्त होने की घोषणा नहीं की है। ओमान और अन्य मध्यस्थ देशों के माध्यम से संवाद जारी है।पूरे संकट का सबसे संवेदनशील मुद्दा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ है। दुनियाँ के समुद्री तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से गुजरता है। अमेरिका चाहता है कि यह मार्ग पूरी तरह खुला और मुक्त रहे, जबकि ईरान इस क्षेत्र में अपनी सुरक्षा और प्रशासनिक भूमिका को स्वीकार करवाना चाहता है। इसी मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर मतभेद बने हुए हैं। स्थिति को और गंभीर बनाने वाली घटना वह थी जब अमेरिकी सेना ने ईरान की ओर जा रहे एक कार्गो जहाज को रोकने के लिए मिसाइल कार्रवाई की।अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि जहाज नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहा था, जबकि ईरान इसे उकसावे की कार्रवाई बता रहा है। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि बातचीत चलने के बावजूद सैन्य टकराव का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। साथियों, युद्ध की संभावना को लेकर दुनिया भर के रणनीतिक विशेषज्ञों में मतभेद हैं। हालांकि अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि दोनों देश पूर्ण युद्ध से बचना चाहते हैं क्योंकि इसकी कीमत बहुत भारी होगी। फिर भी किसी गलत सैन्य गणना, ड्रोन हमले, समुद्री झड़प या परमाणु विवाद के कारण स्थिति अचानक नियंत्रण से बाहर जा सकती है। वर्तमान हालात को देखें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि क्षेत्र न युद्ध, न शांति की स्थिति में है।इसी बीच इजराइल की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण बनी हुई है। इजरायल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानता रहा है। रिपोर्टों के अनुसार अमेरिका ने समझौते के मसौदे को इजरायल सहित अपने प्रमुख सहयोगियों के साथ साझा किया है ताकि किसी संभावित समझौते पर सटीकता से क्षेत्रीय सहमति बनाई जा सके। साथियों इस पूरे संकट का एक बड़ा आयाम महाशक्तियों की राजनीति भी है। चाइना और रूस दोनों विभिन्न स्तरों पर ईरान के साथ जुड़े हुए हैं। यदि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ता है तो यह केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का प्रश्न बन जाएगा। रूस और चीन खुले सैन्य हस्तक्षेप से बच सकते हैं,लेकिन कूटनीतिक और आर्थिक समर्थन के माध्यम से समीकरण को जटिल बना सकते हैं।भारत के लिए यह संकट अत्यंत महत्वपूर्ण है। इंडिया अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से प्राप्त करता है। यदि संघर्ष बढ़ता है और होर्मुज़ में यातायात बाधित होता है तो सबसे पहला प्रभाव कच्चे तेल की कीमतों पर दिखाई देगा। कई विश्लेषकों का मानना है कि गंभीर संघर्ष की स्थिति में तेल 120 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है। इससे भारत का आयात बिल तेजी से बढ़ेगा और चालू खाते का दबाव बढ़ सकता है।तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर पेट्रोल, डीजल और परिवहन लागत पर पड़ेगा। परिवहन महंगा होने से खाद्य पदार्थों से लेकर औद्योगिक वस्तुओं तक लगभग हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक की नीतियों पर भी दबाव बढ़ेगा क्योंकि मुद्रास्फीति नियंत्रण एक बड़ी चुनौती बन सकती है।भारतीय शेयर बाजार भी इससे अछूता नहीं रहेगा। निफ्टी 50 और बीएसई सेंसेक्स में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। तेल आयात पर निर्भर कंपनियां, एयरलाइंस, लॉजिस्टिक्स और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र विशेष दबाव में आ सकते हैं। इसके विपरीत ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र की कुछ कंपनियों को सटीकता से लाभ भी मिल सकता है।

साथियों , खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा भी एक बड़ा मुद्दा बन सकती है। यदि संघर्ष व्यापक रूप लेता है तो भारत को फिर से बड़े पैमाने पर निकासी अभियान चलाना पड़ सकता है, जैसा अतीत में विभिन्न संकटों के दौरान देखा गया था।वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा खतरा ऊर्जा संकट का है। यदि होर्मुज़ में व्यवधान आता है तो केवल तेल ही नहीं बल्कि प्राकृतिक गैस की आपूर्ति भी प्रभावित होगी। यूरोप पहले से ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्नों से जूझ रहा है और नया संकट वहां की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है।विश्व शेयर बाजारों पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा। अमेरिकी बाजारों में गिरावट, यूरोप में ऊर्जा आधारित कंपनियों पर दबाव और एशियाई बाजारों में अस्थिरता देखने को मिल सकती है। ऐसे समय में निवेशक अक्सर सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर जाते हैं, इसलिए सोने और अन्य सुरक्षित परिसंपत्तियों में तेजी की संभावना बढ़ जाती है।समुद्री व्यापार भी गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है। यदि जहाजों की आवाजाही पर खतरा बढ़ता है तो बीमा प्रीमियम और माल ढुलाई लागत बढ़ जाएगी। इससे वैश्विक सप्लाई चेन पर असर पड़ेगा और वस्तुओं की कीमतें विश्व स्तर पर बढ़ सकती हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अमेरिका और ईरान दोनों एक-दूसरे पर दबाव बनाते हुए बेहतर सौदा हासिल करना चाहते हैं। ट्रंप का बार-बार बदलता रुख कुछ विश्लेषकों को भ्रमित करने वाला लगता है, लेकिन दूसरी व्याख्या यह भी है कि वे अधिकतम दबाव और अधिकतम सौदेबाजी की रणनीति अपना रहे हैं। दूसरी ओर ईरान भी पूरी तरह झुकने को तैयार नहीं है क्योंकि ऐसा करना उसकी घरेलू राजनीति और क्षेत्रीय प्रतिष्ठा के लिए कठिन होगा।आज की स्थिति में पूर्ण युद्ध की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है और बातचीत अभी भी जारी है। लेकिन यह भी सच है कि हालात बेहद नाजुक हैं। किसी भी गलत सैन्य कार्रवाई, होर्मुज़ में नई घटना, परमाणु मुद्दे पर गतिरोध या क्षेत्रीय समूहों की गतिविधियों से संकट अचानक भड़क सकता है। इसलिए दुनिया की निगाहें आने वाले दिनों में होने वाली अमेरिका- ईरान वार्ताओं, ट्रंप द्वारा मांगी गई नई शर्तों और तेहरान की प्रतिक्रिया पर टिकी हुई हैं। फिलहाल पूरा विश्व युद्ध और समझौते के बीच झूलते इस संकट के अगले अध्याय का इंतजार कर रहा है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे ब ?ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा।

प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में निर्योत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

-ललित गर्ग

(विश्व साइकिल दिवस 3 जून26 पर विशेष)

बुढ़ा बच्चा और जवान सभी के लिए साइकिल है मजेदार

-संजय गोस्वामी

साइकिल एक ऐसा दुपहिया है जिस स्त्री हो या पुरुष बच्चा, जवान या बुढा व्यक्ति सभी चला सकते है। हर साल पुरे विश्व में 3 जून को साइकिल दिवस मनाया जाता है। यूनाइटेड नेशंस इसकी शुरुआत 2018 से की थी। आजकल की साइकिल में आपको लाइट, गियर और मोटे व बड़े टायरो की सुविधा भी मिल जाती है जो इसे पहले की साइकिल से अधिक बेहतर बनाती है। साइकिल मेरा सबसे पसंदीदा वाहन है। यह मुझे दोस्तों से मिलने और पार्क में खेलने के लिए मदद करती है। मेरी साइकिल लाल रंग की है और इसमें तीन गियर हैं, जिससे चलाना आसान होता है।साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरुआत करता हूँ।मेरी साइकिल की देखभाल मैं खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पायनियर मैन्युफैक्चरर के तौर पर मिचौक्स की भूमिका ओलिवियर भाइयों, रेने और ऐमे के साथ जुड़ी हुई है। 1865 में इन दो अमीर नौजवानों ने पेरिस से मार्सिले तक 800 किमी (500 मील) से ज्यादा वेलोसिपेड चलाई, और नए खेल के लिए उनके बाद के जोश ने इसे युवा, फिट और अमीर लोगों के लिए दुनिया भर में क्रेज बनने में मदद की। भाइयों ने मिचौक्स में 69 परसेंट इक्विटी के लिए 50,000 फ्रैंक दिए, जो बाद में एक बहुत बड़ी फैक्ट्री में चला गया। पहले मॉडल में सर्पिन के आकार का लचीला लोहे का फ्रेम था। इसके तुरंत बाद फर्म ने रॉट आयरन से बने डायगोनल फ्रेम पर स्विच किया, जो जल्द ही इंडस्ट्री का स्टैंडर्ड बन गया। पेरिस एक्सपोज़िशन के साल 1867 में सीरियस प्रोडक्शन शुरू हुआ। कई विज़िटर्स ने सड़कों पर वेलोसिपेड देखे; पॉपुलैरिटी फैली; और बनाने वालों की संख्या कई गुना बढ़ गई। 1868 की पतझड़ तक, नया वेलोसिपेड पूरे फ्रांस में एक जाना-पहचाना नज़ारा बन गया था, और काफ़ी ज्यादा कीमतों के बावजूद बिक्री नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। 1869 में ओलिवियर्स ने मिचौक्स एट सी का पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और नाम बदलकर कॉम्पैनी पेरिसिएन डेस वेलोसिपेड्स कर दिया। प्रोडक्शन हर महीने लगभग 200 वेलोसिपेड तक पहुंच गया। उस समय तक 100 से ज्यादा फ्रेंच कंपनियां वेलोसिपेड बना रही थीं। 1869 में बॉल बेयरिंग और टेंशन-स्पोक वाले पहियों का आविष्कार हुआ, और फ्रीव्हील (जो कोस्टिंग की इजाज़त देता है) का पेटेंट कराया गया। लकड़ी के स्पोक वाले पहियों और लोहे के रिम की हार्ड राइड की वजह से शुरुआती वेलोसिपेड को बोनशेकर का नाम मिला, लेकिन ठोस रबर के टायर और तार के स्पोक वाले पहियों ने राइड को आसान बनाने में मदद की। 1870 में, जैसे ही बोनशेकर ऑर्डिनरी नाम की एक प्रैक्टिकल साइकिल बन रही थी, फ्रैंको-जर्मन युद्ध ने फ्रेंच इंडस्ट्री को पीछे धकेल दिया। साइकिल मैन्युफैक्चरिंग बच गई, लेकिन इसके बाद के ज्यादातर डेवलपमेंट ब्रिटेन में हुए। पिछले पहिये को बहुत छोटे फार्थिंग (क्वार्टर-पेनी) से जोड़ा जाता था। ऑर्डिनरी का वज़न आम तौर पर लगभग 40 पाउंड (18 किग्रा) होता था, लेकिन ट्रैक-रेसिंग मॉडल का वज़न 16 पाउंड (7 किग्रा) जितना कम हो सकता था। शुरुआती सुरक्षा साइकिलों में ठोस रबर के टायर होते थे। 1888 में बेलफ़ास्ट में रहने वाले स्कॉटिश जानवरों के डॉक्टर जॉन बॉयड डनलप ने न्यूमेटिक टायर इंट्रोड्यूस किए। इनसे रोलिंग रेजिस्टेंस बहुत कम होने के साथ ज्यादा आरामदायक राइड मिलती थी। 1893 तक लगभग सभी नई साइकिलों में न्यूमेटिक टायर थे, जिससे उनकी पॉपुलैरिटी बहुत बढ़ गई। न्यूमेटिक टायर और टेंशन-स्पोक वाले पहिये ने क्रैंक और पैडल जितना ही काम किया, जिससे साइकिल घोड़े के एक बड़े विकल्प के तौर पर स्थापित हुई। 1890 के दशक में डायमंड-पैटर्न फ्रेम, न्यूमेटिक टायर, चेन ड्राइव और ब्रेक वाली प्रैक्टिकल साइकिलों का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हुआ। 1890 के दशक के आखिर तक ज्यादातर साइकिलों का वज़न सिर्फ़ 25 से 35 पाउंड (11 से 16 किग्रा) था। स्टैंडर्ड डिज़ाइन ने ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स और यूरोप में साइकिल की धूम मचा दी और सैकड़ों बनाने वाले बन गए। 1895 में ब्रिटेन में 800,000 से ज्यादा साइकिलें बनीं। 1899 में यूनाइटेड स्टेट्स में 1.1 मिलियन से ज्यादा साइकिलें बनीं। बहुत सारी महिलाओं ने साइकिल चलाना शुरू किया, और मार्केट बहुत बढ़ गया; साइकिल चलाना महिलाओं के आंदोलन की निशानी बन गया। लेकिन यह बूम जल्दी ही खत्म हो गया, और साइकिल की बिक्री बहुत कम हो गई, जिसके कारण कई बैंकरप्सी हुईं और साइकिल की कीमतें बहुत कम हो गईं। साइकिल बूम के खत्म होने का गलत दोष ऑटोमोबाइल को दिया जाता है, लेकिन ज्यादा मुमकिन वजह स्ट्रीटकार जैसे शुरुआती मास ट्रांज़िट सिस्टम की तेज़ी से बढ़ोतरी थी, जिसने साइकिल से यात्रा करने का एक अच्छा विकल्प दिया—खासकर खराब मौसम में। आज की साइकिल 1900 के बाद मटीरियल, फ्रेम डिज़ाइन और पार्ट्स में बहुत सारे सुधार किए गए, लेकिन साइकिल का बेसिक डिज़ाइन लगभग वैसा ही रहा। सबसे बड़ा टेक्निकल सुधार मल्टीपल-स्पीड गियरिंग था। 1896 में विलियम रेली को दो-स्पीड इंटरनल हब गियर के लिए पेटेंट मिलने के बाद, ये गियर ब्रिटेन में डीलक्स साइकिलों का एक फीचर बन गए। 1913 तक स्टर्मी-आर्चर कंपनी हर साल 100,000 तीन-स्पीड हब गियर बना रही थी। फ्रेंच साइकिल चलाने वालों ने कई तरह के मल्टीपल-स्पीड मैकेनिज्म के साथ एक्सपेरिमेंट किया, और 1920 के दशक तक फ्रांस में चेन को एक स्प्रोकेट से दूसरे स्प्रोकेट तक ले जाने वाले डिरेलियर गियर बन गए थे। बिकने वाली साइकिलों में से आधी 10-स्पीड वाली थीं। 1974 के तेल बैन से बड़ों की साइकिलिंग बढ़ी, और यूनाइटेड स्टेट्स अच्छी क्वालिटी वाली साइकिलों का बड़ा मार्केट बन गया। लेकिन, 1975 में सेल्स फिर से घटकर 7 मिलियन रह गईं, और कई साइकिल कंपनियाँ दिवालिया हो गईं। जापानी और ताइवानी कंपनियाँ बच गईं और उन्होंने यूरोपियन कंपनियों से एक्सपोर्ट मार्केट पर कब्ज़ा कर लिया।साइकिलिंग में अगली वापसी तथाकथित माउंटेन बाइक की वजह से हुई। पहले इसके इन्वेंटर्स ने इसे क्लंकर कहा था, माउंटेन बाइक 1970 के दशक में उत्तरी कैलिफ़ोर्निया में डेवलप की गई। 1980 के दशक में उन्होंने 10-स्पीड वाली बाइकों की जगह ले ली, ठीक वैसे ही जैसे 1880 के दशक में सेफ्टी साइकिलों ने आम साइकिलों की जगह ले ली थी। माउंटेन बाइक डेवलप्ड दुनिया में स्टैंडर्ड साइकिल बन गई और 1993 में यूनाइटेड स्टेट्स में साइकिल की सेल्स में इसका हिस्सा 95 परसेंट था। टूरिंग और रेसिंग साइकिलों को रोड बाइक के नाम से जाना जाने लगा।निश्चित रूप से आज जहाँ खाड़ी में युद्ध के कारण पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं वहाँ यह साइकिल बिना पेट्रोल के तेज दौड़ेगी और स्वस्थ रहेंगे।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। स्टॉकिस्टों की पूछपरख से मंगलवार को अनाज मंडी में मूंग में बाजार तेजी के रहे। चने में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में सुस्ती आयी। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। शक्कर में मजबूती बनी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में मिलों के साथ-साथ स्टॉकिस्ट पूछपरख से बाजार बढ़त पर रहे। चने में लटक रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार नरमी के रहे। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4320, खोपरा गोला 370-415, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल- सींगदाना 1630-1650, मुम्बई 1650, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1410-1420, सोया रिफाइंड 1475-1480, कपास्या 1490, धूलिया 1495, कड़ी 1495,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1600-1610, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8300, रायडा 6800-7200, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6150-6200, एवरेज 6000-6050, विशाल 6050-6100, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 6000-6050, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7400, मूंग पुराना बोल्ड 7900-8100, मीडियम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडी?यम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में मामूली तेजी आयी। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 254500, चाँदी (99) 254000, टंच 253900, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151000,

रुपया 16 पैसे चढ़कर 95.03 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई। एजेंसी। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 16 पैसे मजबूत होकर 95.03 पर पहुंच गया। भारत की मजबूत घरेलू आर्थिक स्थिति और जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच संतुलन बनने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि पश्चिम एशिया की अनिश्चित स्थिति हालांकि अब भी वित्तीय बाजारों और ऊर्जा कीमतों पर दबाव बनाए हुए है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.16 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में चढ़कर 95.03 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे अधिक है। रुपया सोमवार को 34 पैसे टूटकर 95.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.19 पर रहा।

वैश्विक तनाव से भारतीय शेयर बाजार फिसले

सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 23,300 के नीचे

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने मंगलवार के कारोबार की शुरुआत भारी कमजोरी के साथ की। वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, विशेषकर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में आई रुकावट के संकेतों ने घरेलू बाजार पर गहरा असर डाला। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों 0.5 फीसदी से अधिक लुढ़क गए, जिससे निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। सुबह शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 437.97 अंक की गिरावट के साथ 73,829.37 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी50 134.30 अंक फिसलकर 23,259.70 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी50 में बजाज फाइनेंस, अपोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइजेज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर सबसे ज्यादा नुकसान में रहे, जिससे बाजार में बिकवाली का दबाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। बड़े शेयरों के साथ-साथ व्यापक बाजार में भी कमजोरी हावी रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक लगभग 0.95 फीसदी तक गिर गए, जिससे निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

सेक्टोरल मोर्चे पर मिला-जुला रुख देखने को मिला; जहां निफ्टी आईटी इंडेक्स लगभग 2 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले सेक्टर्स में शामिल रहा, वहीं मेटल शेयरों में भी कुछ खरीदारी दिखी। इसके विपरीत, फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा और ये सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में शामिल रहे। बाजार की इस गिरावट का मुख्य कारण ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को माना जा रहा है।

एक परिवार, एक गैस कनेक्शन का नियम लागू; अतिरिक्त कनेक्शन पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। एजेंसी। देशभर में एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपभोक्ताओं के लिए गैस कनेक्शन नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब अगर किसी उपभोक्ता ने अपने घर में पीएनजी कनेक्शन लगवाया है, तो उसे 30 दिनों के भीतर अपने एलपीजी कनेक्शन की स्थिति स्पष्ट करनी होगी, अन्यथा अतिरिक्त कनेक्शनों पर कार्रवाई की जा सकती है। यह नया नियम पारदर्शिता लाने और गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि एक ही रसोई का उपयोग करने वाले परिवार के लिए केवल एक ही घरेलू गैस कनेक्शन (एलपीजी या पीएनजी) पर्याप्त माना जाएगा। जांच के दौरान एक ही परिवार के नाम पर एक से अधिक घरेलू एलपीजी कनेक्शन पाए जाने पर अतिरिक्त कनेक्शन को नियमों के तहत हटाया जा सकता है, जिससे गैस आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। संबंधित एजेंसियां ऐसे मामलों की जांच करेंगी और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कनेक्शन को बंद करेंगी। हालांकि, सरकार ने उपभोक्ताओं को कुछ राहतें भी दी हैं। जो उपभोक्ता स्वेच्छा से अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करेंगे, उन्हें मौजूदा कनेक्शन को डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) में बदलने का विकल्प मिलेगा। साथ ही एलपीजी कनेक्शन बंद करने पर ट्रांसफर वाउचर दिया जाएगा, जिससे भविष्य में पीएनजी रहित क्षेत्रों में जाने पर एलपीजी कनेक्शन दोबारा सक्रिय करवाना आसान होगा। यह सुविधा खासकर नौकरीपेशा, छात्रों, किराएदारों और प्रवासी परिवारों के लिए फायदेमंद होगी, जिससे स्थान बदलने की स्थिति में औपचारिकताएं सरल होंगी और गैस वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी।

तेल कंपनियों को नुकसान, फिर बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। एजेंसी। पिछले एक हफ्ते से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भले ही स्थिरता बनी हुई है, लेकिन उपभोक्ताओं को जल्द ही फिर से महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। तेल विपणन कंपनियों को कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल के कारण प्रति लीटर 12 रुपये तक का नुकसान हो रहा है, जिसकी भरपाई के लिए वे जल्द ही ईंधन की कीमतों में इजाफा कर सकती हैं। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर 5.5 रुपये और डीजल पर 4.5 रुपये का नुकसान हो रहा है। कुल मिलाकर यह घाटा 12 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। मई महीने में भी इन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 7.5 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की थी, बावजूद इसके नुकसान की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल था, जो अब 100 डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है। इस बढ़ोतरी के कारण भारतीय तेल कंपनियों को रोजाना लगभग 550 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए मूल्य वृद्धि एक संभावित कदम माना जा रहा है। केवल पेट्रोल-डीजल ही नहीं, बल्कि अन्य पेट्रोलियम उत्पादों पर भी कंपनियां घाटा झेल रही हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, एलपीजी सिलेंडर पर कंपनियों को प्रति सिलेंडर 650 रुपये का नुकसान हो रहा है, वहीं एविएशन टरबाइन फ्यूल पर 30 रुपये प्रति लीटर का घाटा है। गौरतलब है कि युद्ध शुरू होने के बाद 76 दिनों तक ईंधन की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी, जिसके बाद 4 बार कीमतें बढ़ाई गईं। वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम भी मार्च से अब तक 47 फीसदी से अधिक बढ़ चुके हैं, जिसमें हाल ही में 1 जून को 40 रुपये की वृद्धि भी शामिल है।

मेष- आज किस्मत पूरी तरह आपके पक्ष में नजर आ रही है। दिन की शुरुआत ही सकारात्मक ऊर्जा के साथ होगी और मन किसी मनोरंजन या खास कार्यक्रम में शामिल होने को उत्साहित रहेगा। घर के बड़े-बुजुर्गों का साथ और आशीर्वाद आपको आत्मविश्वास से भर देगा। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन खूब लगेगा। संतान को दी गई जिम्मेदारी वह बखूबी निभाएगी, जिससे आपका सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा।

वृषभ- आज का दिन खुशियों और हलचल से भरा रहेगा। किसी मांगलिक या पारिवारिक उत्सव में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिससे मन आनंदित रहेगा। हालांकि आपकी किसी बात से माताजी नाराज हो सकती हैं, इसलिए शब्दों का चुनाव सोच-समझकर करें। कानूनी मामलों में सावधानी बरतना बेहद जरूरी होगा। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए दिन लाभदायक साबित हो सकता है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए राहत और खुशियों का संदेश लेकर आया है। परिवार का कोई सदस्य आपको ऐसा सरप्राइज दे सकता है, जो आपका दिल खुश कर देगा। बड़ों का सम्मान और उनकी सलाह आज आपके लिए बेहद लाभकारी साबित होगी। पिता से मिली सीख आपको सही दिशा दिखाएगी। नए काम की शुरुआत का विचार मन में जोर पकड़ सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है, कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बड़ी उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। परिवार और रिश्तों में मजबूती आएगी और घर के भीतर चल रही परेशानियों को सुलझाने में आप अहम भूमिका निभाएंगे। नए लोगों से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। एक के बाद एक शुभ समाचार सुनकर मन खुश रहेगा। हालांकि धन से जुड़ी कोई चिंता आपको भीतर ही भीतर परेशान कर सकती है।

सिंह- आज आपका आत्मविश्वास ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन लोगों को प्रभावित करेगा और आपकी कोई मनचाही इच्छा पूरी होने से खुशी दोगुनी हो जाएगी। निजी जीवन में भी आप काफी सक्रिय रहेंगे और नए लोगों से अच्छे संबंध बनाने में सफल होंगे। कोई पुराना दोस्त लंबे समय बाद अचानक मुलाकात कर सकता है, जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी।

कन्या- आज का दिन संपत्ति और सुख-सुविधाओं के लिहाज से बेहद खास रहने वाला है। घर में मेहमानों का आगमन माहौल को खुशनुमा बना देगा। लंबे समय से रुकी हुई कोई डील आज फाइनल हो सकती है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़ रहे लोगों को थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत होगी। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है, वरना बाद में आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है।

तुला- आज करियर के क्षेत्र में आपको शानदार अवसर मिल सकते हैं। हर काम में आपका प्रदर्शन सराहनीय रहेगा। हालांकि किसी भी काम में लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए सतर्क रहें। स्वादिष्ट भोजन और आरामदायक माहौल का आनंद मिलेगा। आपके भीतर आगे बढ़ने और खुद को साबित करने की जबरदस्त भावना बनी रहेगी। नई नौकरी या नया अवसर मिलने की संभावना से मन बेहद उत्साहित रहेगा।

वृश्चिक- आज सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान और सम्मान दोनों बढ़ेंगे। लोग आपकी बातों और व्यक्तित्व से प्रभावित नजर आएंगे। जल्दबाजी में कोई फैसला लेना नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर बढ़ाएं। कामकाज के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। उधार लेने से बचें, वरना बाद में आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। परिवार का कोई सदस्य आपसे सलाह मांग सकता है, इसलिए अपनी राय समझदारी से दें। घर में पूजा-पाठ या धार्मिक आयोजन होने से माहौल सकारात्मक और आनंदमय रहेगा।

धनु- आज नौकरी और करियर के मामले में दिन बेहद शानदार साबित हो सकता है। प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। आपकी मेहनत और काम का तरीका लोगों के बीच अलग पहचान बनाएगा। आपका प्रभाव बढ़ेगा, लेकिन इससे कुछ लोग ईर्ष्या भी कर सकते हैं। मन में किसी के प्रति नकारात्मक भावना रखने से बचें। बिजनेस में आंख मूंदकर भरोसा करना नुकसान पहुंचा सकता है। पिता आपकी किसी गलती को लेकर नाराज हो सकते हैं।

मकर- आज आर्थिक मामलों में किस्मत आपका साथ देती नजर आ रही है। लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होने की राह पर बढ़ेंगे। पैसों की वजह से रुका कोई महत्वपूर्ण कार्य भी अब गति पकड़ सकता है। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के संकेत हैं। घर के बड़े सदस्यों का साथ और अनुभव आपके लिए बेहद उपयोगी रहेगा। हालांकि अपने कामों में लापरवाही बिल्कुल न करें।

कुंभ- आज साझेदारी में किए गए काम आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। कानूनी मामलों में नई उम्मीद और राहत मिलने के संकेत हैं। घर में कोई शुभ या मांगलिक कार्यक्रम आयोजित हो सकता है, जिससे खुशियों का माहौल बनेगा। सेहत को लेकर लापरवाही भारी पड़ सकती है, इसलिए खुद का ध्यान रखें।

मीन- आज आपका मान-सम्मान और प्रतिष्ठा दोनों बढ़ेंगे। किसी भी काम को करते समय उसके नियम और मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी होगा। जल्दबाजी में लिया गया फैसला बाद में पछतावे का कारण बन सकता है। भाई-बहनों के साथ किसी बात को लेकर मतभेद होने की संभावना है, इसलिए संयम रखें।

शब्दजाल - 8278

ग	हु	मे	रि	सो	म	ना	थ	च	ट	र्जी
पे	खु	कु	प	इं	जी	ने	शि	या	इ	नी
श	पी	जा	म	र	ग	बा	द	ह	प	ल
मा	ग	ए	पा	सिं	दू	स	ल	ह	लि	म
व	र	अ	सं	न	ह	ला	कि	यो	प	सं
ल	इ	थि	मो	ज	प	वा	शी	ह	जी	जी
न	जी	ल	रा	व	म	जो	न	व	प	व
क	रि	भा	र	य	र	स	रा	ल	वि	रे
र	या	बा	तें	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ज	ल	नो	शि	व	रा	ज	पा	टि	ल
बां	स	म	प	व	लि	रा	म	भ	ग	त

शब्द जाल में निर्वाचित 10 लोकसभा अध्यक्षों के नाम ढूंढिए, ना उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

गणेश मावलनकर, हुकुम सिंह, नीलम संजीव रेड्डी, बलिराम भगत, रवि राय, पी.ए. संगमा, शिवराज पाटिल, जी. बालयोगी, मनोहर जोशी, सोमनाथ चटर्जी.

शब्दजाल - 8277 का हल

दैनिक पंचांग

3 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 154 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष कृष्ण
तिथि तृतीया 21.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 01.00 बजे रात को समाप्त।
योग शुभ 08.12 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.13 बजे तदनन्तर विष्टि 21.22 बजे को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	वृष में	मिथुन 06.06 बजे से
चंद्र	धनु में	कर्क 08.20 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह 10.36 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या 12.48 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला 14.59 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक 17.13 बजे से
शनि	मीन में	धनु 19.29 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर 21.34 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ 23.21 बजे से
		मीन 00.54 बजे से
		मेष 02.24 बजे से
		वृष 04.04 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

दिनमान 17.2 घण्टे
रवि क्रांति उत्तर 22° 17'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872729
जूलियन दिन 2461194.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज तारीख 17
विशेष गणेश चतुर्थी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.51 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7222

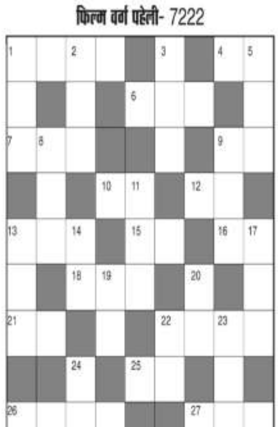

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यों तेरी अँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरुणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, तुलसी मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, जुग, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेरॉय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'यराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7221

प्रसंगतः विचित्र आशीर्वाद

राजा संत के पास गया। संत ने राजा को आशीर्वाद दिया, 'सिपाही बन जाओ।' यह बात राजा को अच्छी नहीं लगी। दूसरे दिन राजा ने अपने राज्य के सबसे बड़े विद्वान को संत के पास भेजा। संत ने कहा, 'अज्ञानी बन जाओ।' विद्वान भी नाराज होकर लौट गए। इसी तरह जब नगर सेठ आया तो संत ने आशीर्वाद दिया, 'सेवक बन जाओ।' सेठ भी रुष्ट होकर वापस आ गया। संत के आशीर्वाद की चर्चा राज दरबार में हुई। लोग कहने लगे कि यह संत नहीं, धूर्त है, तभी अनाप-शनाप आशीर्वाद देता है। किसी ने कहा कि संत जरूर मानसिक संतुलन खो चुके हैं। एक दिन राजा ने अपने सैनिक भेजकर संत को राजदरबार में बुलाया। राजा ने संत से कहा, 'आप ने आशीर्वाद देने के बहाने सभी लोगों का अपमान किया है, इसलिए आपको दंड दिया जाएगा।' यह सुनकर संत हंस पड़े। राजा ने जब इसका कारण पूछा तो संत ने कहा, 'लगता है इस राज दरबार में सब मूर्ख हैं। मैंने जो कहा है, ठीक कहा है। मैंने राजा को कहा कि सिपाही बन जाओ क्योंकि राजा का कर्म है राज्य की सुरक्षा करना। सिपाही का काम भी रक्षा करना होता है। विद्वान को अज्ञानी बन जाने को कहा। इसका तात्पर्य यह है कि विद्वान ज्ञानी होता है। कहीं उसे अपने ज्ञान का अभिमान न हो जाए, इसीलिए मैंने उसे अज्ञानी बनने को कहा था। सेठ का कर्त्तव्य होता है, अपने धन से गरीबों की सेवा करना। इसीलिए मैंने उसे सेवक बनने का आशीर्वाद दिया।' यह सुनकर राजा ने संत से क्षमा मांगी।

सूडोकु नवताल- 7531

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7530 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 8746

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होंठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8745 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

डबलमनी के फरार आरोपी ने गुपचुप बेचा जमीन

सगे भाई के नाम हुई रजिस्ट्री ने बढ़ाया संदेह, कटंगी में निष्पादित हुआ विक्रय पत्र- सेवा प्रदाता की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

पद्मेश न्यूज। लांजी। हजारों निवेशकों की जीवनभर की जमा-पूंजी डुबो देने वाले बहुचर्चित डबलमनी कांड की परछाइयां आज भी लांजी क्षेत्र का पीछा नहीं छोड़ रही हैं। इस आर्थिक तबाही ने जहां अनेक परिवारों को कर्ज, अवसाद और बेबसी के अंधेरे में धकेल दिया, वहीं इस कांड से जुड़े कई चेहरे आज भी रसूख और प्रभाव के साथ घूमते दिखाई दे रहे हैं। इसी बीच डबलमनी प्रकरण के एक फरार आरोपी द्वारा अपनी भूमि की रजिस्ट्री कराए जाने का मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में नाराजगी और चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। मामले को और अधिक गंभीर बनाने वाला तथ्य यह है कि कथित रूप से विक्रय की गई भूमि किसी बाहरी व्यक्ति को नहीं बल्कि आरोपी के ही सगे छोटे भाई के नाम पर हस्तांतरित की गई है। ऐसे में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कहीं डबलमनी प्रकरण से अर्जित अथवा उससे जुड़ी संपत्तियों को परिवार के भीतर स्थानांतरित कर सुरक्षित करने या उन्हें वैध स्वरूप देने की कवायद तो नहीं चल रही।

तहसीलदार के समक्ष पहुंचा मामला

लांजी निवासी जतीन खरगाल ने तहसीलदार लांजी को लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर खसरा नंबर 146/5 एवं 128/4/2 से संबंधित भूमि के नामांतरण पर रोक लगाने की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि डबलमनी प्रकरण का आरोपी आशीष बोरकर पिता कमलप्रसाद बोरकर, निवासी ग्राम पीपलगांव खुर्द जिस पर पुलिस थाना लांजी में अपराध क्रमांक 388/24 डबल मनी की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध है जो कि वर्तमान में फरार चल रहा। इसके द्वारा विवादित भूमि का विक्रय पत्र निष्पादित किया गया है। आवेदक का दावा है कि उक्त भूमि के संबंध में पूर्व से विवाद और भुगतान संबंधी गंभीर प्रश्न मौजूद हैं, जिनकी जांच किए बिना नामांतरण की कार्रवाई उचित नहीं होगी।

भाई बना क्रेता, भाई ही बना गवाह

पूरे मामले में सबसे अधिक चर्चा इस बात की है कि विक्रेता और क्रेता दोनों सगे भाई हैं। आरोपों के अनुसार आशीष बोरकर ने भूमि का विक्रय अपने छोटे भाई अनिल बोरकर के पक्ष में किया है। इतना ही नहीं, रजिस्ट्री दस्तावेज में एक गवाह के रूप में राकेश बोरकर का नाम भी दर्ज बताया गया है, जो स्वयं आशीष बोरकर का भाई है। दूसरे गवाह के रूप में हीरेलाल बाहे पिता संतलाल बाहे, ग्राम निवासी का नाम सामने आया है। ऐसे में पूरे सौदे की निष्पक्षता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

कटंगी में हुई लांजी की रजिस्ट्री

मामले की एक महत्वपूर्ण कड़ी यह भी है कि भूमि लांजी क्षेत्र की होने के बावजूद रजिस्ट्री कटंगी उप.पंजीयक कार्यालय में संपन्न हुई। जानकारी के अनुसार उप.पंजीयक अनुराग

अहिरवार के पास लांजी एवं कटंगी दोनों का अतिरिक्त प्रभार है। आरोप है कि इसी व्यवस्था का लाभ उठाकर कटंगी में विक्रय पत्र निष्पादित कराया गया। आवेदन में यह भी उल्लेख है कि विक्रेता ने दस्तावेजों में अपना पता डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) दर्शाया है।

जियो टैगिंग और फोटो पर बड़ा विवाद

आवेदन में लगाए गए आरोपों के अनुसार रजिस्ट्री में संलग्न जियो टैगिंग और फोटो वास्तविक विक्रय भूमि से मेल नहीं खाते। दावा किया गया है कि जिस भूमि का सौदा किया गया है, वहां वर्तमान में मकान एवं शौचालय निर्मित हैं, जबकि दस्तावेजों में उसे रिक्त भूमि के रूप में दर्शाया गया है। इतना ही नहीं, आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि रजिस्ट्री में जिस स्थान की तस्वीर संलग्न की गई है, वह मूल भूमि का हिस्सा ही नहीं है। यदि जांच में यह तथ्य सही पाए जाते हैं तो मामला गंभीर दस्तावेजी विसंगतियों की श्रेणी में आ सकता है।

सेवा प्रदाता की भूमिका भी चर्चा में

पूरे मामले में स्थानीय सेवा प्रदाता की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि सेवा प्रदाता को विक्रेता की पृष्ठभूमि और डबलमनी प्रकरण से जुड़े विवादों की जानकारी होने के बावजूद रजिस्ट्री प्रक्रिया में सहयोग किया गया। आवेदन में जियो टैगिंग, नजरी नक्शा और अन्य दस्तावेजी प्रक्रियाओं में भी गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। लोगों का कहना है कि विक्रय राशि के भुगतान और दस्तावेज तैयार होने की प्रक्रिया की भी जांच होनी चाहिए ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आ सके।

मां की आईडी पर करता था कोटवारी का कार्य

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि आशीष बोरकर स्वयं नियमित कोटवार नहीं था, बल्कि अपनी मां के नाम से संचालित व्यवस्था के माध्यम से मुख्य रूप से कोटवारी संबंधी कार्य करता था। बाद में उसका नाम क्षेत्र के बहुचर्चित डबलमनी प्रकरण में सामने आया। क्षेत्र के सामाजिक संगठन लंबे समय से डबलमनी आरोपियों की गिरफ्तारी और उनकी संपत्तियों की खरीदी.बिक्री पर रोक लगाने की मांग करते रहे हैं।

पहले भी विवादों में रहा है भूमि का मामला

गौरतलब है कि इससे पूर्व भी नगर क्षेत्र की एक बहुमूल्य भूमि के सौदे को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हुआ था और मामला लंबे समय तक समाचारों की सुर्खियों में रहा। हालांकि वह मामला समय के साथ ठंडे बस्ते में चला गया। अब सामने आए इस नए प्रकरण ने राजस्व, पंजीयन और पुलिस व्यवस्था की कार्यप्रणाली को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

नामांतरण रोकने और जांच की मांग

आवेदक जतीन खरगाल ने विवादित भूमि के नामांतरण पर तत्काल रोक लगाने, पूरे मामले की राजस्व, पंजीयन एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त जांच कराने तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि डबलमनी कांड से प्रभावित परिवार आज भी न्याय की राह देख रहे हैं, ऐसे में आरोपियों से जुड़ी संपत्तियों के हस्तांतरण संबंधी मामलों की निष्पक्ष और गहन जांच समय की मांग है।

महिला को डोंगरबेलिया सर्प ने काटा

वैद्यकीय उपचार से मिला स्वास्थ्य लाभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। मुख्यालय से 12 किमी दूर ग्राम टेडवा निवासी रीना पति अशोक मिश्रा 35 वर्ष को 2 जून की मध्य रात्रि 1 बजे बाथरूम के लिए

निकली थी कि दरवाजे पर डोंगरबेलिया सांप ने उसको काट लिया। सांप को देखने के बाद उसने घर के अन्य लोगों को बताया। जिसके उपरांत परिजनों के द्वारा उसी समय मोटरसाइकिल में बैठाकर लांजी इलाज के लिए रात्रि लगभग 1.30 बजे सीधे आत्माराम चन्ने के घर पहुंचे। आत्माराम चन्ने के घर पहुंचते उनके द्वारा देखा गया एवं तुरंत ही वैद्यकीय पद्धति से उपचार प्रारंभ किया। दवा देते ही दवा का असर होने लगा एवं एक घंटे के भीतर जहर का असर खत्म होकर महिला पूर्ण रूप से स्वस्थ हो गई। वैद्यराज आत्माराम चन्ने ने बताया कि सर्प काफी जहरीला था, महिला पर सर्प का जहर का असर होने लगा था और ज्यादा देर होने पर जान भी जा सकती थी।

सर्पदंश से पीड़ित रोगीयों का करते हैं निशुल्क उपचार-आत्माराम चन्ने

बता दें कि लांजी नगर के वार्ड क्रमांक 4 निवासी आत्माराम चन्ने द्वारा सर्पदंश से पीड़ित लोगो का निश्शुल्क इलाज कर उन्हे ठीक करने का काम कर रहे है। नगर व क्षेत्र के जितने भी लोग है जो सर्पदंश का शिकार हो रहे है, उनमें से अनेक लोग अपना इलाज करवाने के लिए आत्माराम चन्ने के निवास पर ही आते है। आत्माराम चन्ने बताते है कि उनके पूर्वजो द्वारा दादा कोटेश्वर भगवान की असीम कृपा से व वैद्यकीय विधि से सर्पदंश से पिडति लोगो का उपचार किया जाता रहा है। उसके उपरान्त वे भी विगत 45 वर्षो से सर्पदंश से पिडतिों को सेवा भावना के साथ नि:शुल्क उपचार कर स्वास्थ्य लाभ पहुंचा रहे है। आपने बताया कि प्रतिवर्ष सर्प दंश के शिकार हुए अनेकों लोग उनके पास उपचार के लिए पहुंचते हैं एवं उपचार प्राप्त कर स्वास्थ्य लाभ लिया।

सीएम हेल्पलाईन में राजस्व विभाग की लंबित शिकायतों की कलेक्टर ने की समक्ष में सुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 02 जून को सीएम हेल्पलाईन में राजस्व विभाग की 300 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की और उनका निराकरण कराया। समक्ष में सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता एवं संबंधित क्षेत्र के पटवारी व राजस्व निरीक्षक उपस्थित थे।

लामता के विशाल नाइक द्वारा शिकायत की गई थी कि उसकी निजी भूमि पर शिक्षक राजेश यादव द्वारा अतिक्रमण कर अवैध कब्जा कर लिया गया है। समक्ष में सुनवाई के दौरान लामता के पटवारी को निर्देशित किया गया कि विशाल नाइक की भूमि का सीमांकन कर अतिक्रमण पाये जाने पर उसे हटाने की कार्यवाही करें और इस शिकायत को बंद करने कहा गया।

कटंगी तहसील के ग्राम सावंगी के अनिल कुमार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि राशि नही मिलने की शिकायत की गई थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि नवम्बर 2025 से शिकायतकर्ता को किसान सम्मान निधि की राशि प्राप्त होने लगी है, लेकिन उसके द्वारा इस शिकायत को बंद नही किया जा रहा है। इस पर कलेक्टर द्वारा शिकायतकर्ता को चेतावनी दी गई कि जब उसकी शिकायत का निराकरण हो चुका

है और इसके बाद भी शिकायत को बंद नही किया जाएगा तो उसके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। शिकायतकर्ता द्वारा इस पर शिकायत को आज ही बंद करने की बात कही गई।

किरनापुर के अशोक चौहान द्वारा उसके प्लाट की आवासीय भूमि का गलत तरीके से अन्य लोगो को स्वामित्व योजना में पट्टा दे दिया गया है, समक्ष में सुनवाई के दौरान अशोक चौहान की भूमि का सीमांकन कर गलत तरीके से आवंटित पट्टे को दुरुस्त करने के निर्देश दिये गए और इस शिकायत को बंद कराया गया। खैरलांजी तहसील के ग्राम डोंगरिया निवासी कृष्ण कुमार दमाहे द्वारा शिकायत की गई थी कि उसकी जमीन का गलत सीमांकन कर दिया गया है जिसके कारण उसे समस्या आ रही है, इस पर अगले 04 दिनों के भीतर संबंधित पटवारी, राजस्व निरीक्षक एवं अधीक्षक भू-अभिलेख को मौके पर जाकर कृष्ण कुमार दमाहे की जमीन का फिर से सीमांकन करने के निर्देश दिये गए।

बिरसा तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत गुदमा की शिवप्यारी पति दिलीप तोमर द्वारा उसके जमीन के खसरे पर हीरोबाई का नाम दर्ज होने पर इस नाम को हटाकर उसका नाम दर्ज कराने की मांग की गई थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि उक्त जमीन आदिवासी समाज की हीरोबाई की है और उसका नाम नही हटाया जा सकता है। शिवप्यारी को चेतावनी दी गई कि वह हीरोबाई के नाम की जमीन से तत्काल अपना कब्जा छोड दे अन्यथा उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस पर शिवप्यारी इस शिकायत को बंद करने के लिए सहमत हो गई है।

समक्ष में सुनवाई के दौरान भण्डेरी की समीरा खान द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि नही मिलने एवं लालबर्रा तहसील के ग्राम पांडरवानी के हेलुराम कावरे द्वारा घास मद की जमीन के खसरे पर अपना नाम दर्ज कराने संबंधी शिकायत को सुना गया और उनका निराकरण कर शिकायतकर्ता को शिकायत बंद करने के निर्देश दिये गए।

6 माह से बंद पड़ी नल-जल योजना, सीएम हेल्पलाइन और पूर्व शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ निराकरण

पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों ने जताई नाराजगी, सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरगांव में नल-जल योजना बंद होने से ग्रामीणों को भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। समस्या के निराकरण की मांग को लेकर मंगलवार को ग्राम खैरगांव निवासी सोहनलाल पांचे जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर के नाम शिकायत प्रस्तुत कर शीघ्र कार्रवाई की मांग की।शिकायत में बताया गया है कि ग्राम खैरगांव में स्थापित पानी की टंकी एवं नल-जल योजना पिछले लगभग छह माह से बंद पड़ी हुई है। इसके कारण गांव के लोगों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में जलसंकट और अधिक गहरा गया है, जिससे ग्रामीणों की दैनिक जरूरतें प्रभावित हो रही हैं।

सीएम हेल्पलाइन में भी समस्या का नही हो रहा निराकरण

आवेदक ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए करीब दो माह पूर्व सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके अलावा लगभग एक माह पहले जनसुनवाई में भी आवेदन प्रस्तुत किया गया था, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि लगातार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग और पंचायत स्तर पर आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई। जब पंचायत पदाधिकारियों से नल-जल

योजना को पुनः शुरू करने की मांग की जाती है, तब उनके द्वारा यह कहकर जवाब दिया जाता है कि कार्य हैण्डओवर नहीं हुआ है, जिसके कारण पानी टंकी से जलापूर्ति शुरू नहीं हो पा रही है। ऐसे में ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि योजना के संचालन में आ रही बाधा के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है और आम जनता को कब तक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

ग्रामीणों को पेयजल संकट से दी जाए राहत- सोहनलाल

जनसुनवाई में प्रस्तुत आवेदन के माध्यम से सोहनलाल पांचे ने कलेक्टर से मांग की है कि ग्राम खैरगांव की बंद पड़ी पानी टंकी एवं नल-जल योजना को तत्काल चालू कराया जाए तथा पूर्व में दर्ज शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को पेयजल संकट से राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नल-जल योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन रखरखाव एवं समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण कई स्थानों पर योजनाएं बंद पड़ी हैं।उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और गांव में नियमित जलापूर्ति बहाल किए जाने की गुहार लगाई है।

एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेचने पर चार मदिरा दुकानों पर कार्रवाई

आबकारी विभाग ने लगाया 4.31 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में निर्धारित अधिकतम विक्रय मूल्य (एमआरपी) से अधिक दर पर मदिरा बिक्री करने के चार मामलों में आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए संबंधित मदिरा दुकानों पर कुल 4 लाख 30 हजार रुपये से अधिक की शास्ति अधिरोपित कर प्रकरणों का शमन किया है। जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का ने बताया कि विभाग द्वारा मई माह में किए गए आकस्मिक टेस्ट परचेस एवं निरीक्षण के दौरान कम्पोजिट मदिरा दुकान सरेखा, आंवलाझरी, लिंगा तथा परसवाड़ा-बी में मदिरा का विक्रय निर्धारित एमआरपी से अधिक मूल्य पर किया जाना पाया गया। सभी मामलों में संबंधित आबकारी उपनिरीक्षकों द्वारा प्रकरण दर्ज किए गए तथा लायसेंसधारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। निर्धारित अवधि में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किए जाने पर विभाग द्वारा एकतरफा कार्रवाई की गई। श्री एक्का ने बताया कि 04 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान सरेखा में आइकॉनिक व्हाइट व्हिस्की (180 एमएल) का विक्रय 230 रुपये में किया जाना पाया गया, जबकि उसका एमआरपी 211 रुपये था। इस मामले में 1,58,650 रुपये तथा सामान्य अनुज्ञप्ति शर्तों के उल्लंघन पर 10,000 रुपये सहित कुल 1,68,650 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई। इसी प्रकार 2 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान आंवलाझरी में आइकॉनिक व्हाइट व्हिस्की (180 एमएल) 230 रुपये में बेची जाना पाई गई। इस प्रकरण में 80,289 रुपये एवं 10,000 रुपये की अतिरिक्त शास्ति सहित कुल 90,289 रुपये का दंड लगाया गया। 6 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान लिंगा में भी आइकॉनिक व्हाइट व्हिस्की (180 एमएल) का विक्रय 230 रुपये में किया जाना पाया गया। इस मामले में 86,418 रुपये तथा 10,000 रुपये की अतिरिक्त शास्ति सहित कुल 96,418 रुपये का दंड अधिरोपित किया गया। वहीं 7 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान परसवाड़ा-बी में माउण्ट बीयर केन (500 एमएल) 160 रुपये में बेची जाना पाई गई, जबकि उसका एमआरपी 137 रुपये था। इस मामले में 65,708 रुपये एवं 10,000 रुपये की अतिरिक्त शास्ति सहित कुल 75,708 रुपये की शास्ति लगाई गई। चारों मामलों में म.प्र. राजपत्र (असाधारण) दिनांक 20 फरवरी 2026 की कंडिका 21.2 के प्रावधानों के तहत प्रथम अपराध मानते हुए कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग द्वारा कुल 4,31,065 रुपये की शास्ति अधिरोपित कर प्रकरणों का शमन किया गया है।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबैंड)

कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

46.80 लाख लोगों को जमीन की रजिस्ट्री कराकर देगी सरकार

- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में हुए कई अहम फैसले
- छात्रों को अब सिली-सिलाई ड्रेस मिलेगी; एमपी सरकार के बड़े फैसले

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट ने स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश के लाखों परिवारों को उनकी आबादी वाली जमीन के रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज देने और सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को तैयार सिलाई की हुई यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन और सैटेलाइट सर्वे के जरिए आबादी क्षेत्र में बसे लोगों की संपत्तियों का चिह्नांकन किया गया था। इसके बाद उन्हें स्वामित्व पत्र दिए गए थे। अब सरकार इन संपत्तियों की रजिस्ट्री कराकर पंजीकृत दस्तावेज भी उपलब्ध कराएगी। प्रदेश के 55 जिलों में 48.80 लाख निजी संपत्तियां और करीब 19 लाख सरकारी संपत्तियां चिह्नित की गई हैं। रजिस्ट्री की प्रक्रिया में लगने वाला पंचायत उपकर और पंजीयन शुल्क सरकार स्वयं वहन करेगी। इस पर करीब 3800 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। सरकार का दावा है कि दस्तावेज मिलने के बाद लाभार्थियों को बैंक लोन सहित अन्य सुविधाएं प्राप्त करने में आसानी होगी। मध्य प्रदेश ऐसा कदम उठाने वाला देश का पहला राज्य बनने जा रहा है।

अब तक खातों में भेजे जाते थे रुपए

कैबिनेट ने स्कूल शिक्षा विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए कक्षा 1 से 8वीं तक के विद्यार्थियों को तैयार यूनिफॉर्म देने का फैसला किया है। अभी तक विद्यार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 600 रुपए भेजे जाते थे, लेकिन शिकायतों के बाद व्यवस्था में बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था के तहत टेंडर के जरिए कपड़ा खरीदा जाएगा। विद्यार्थियों के लिए यूनिफॉर्म सिलवाकर उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार इससे पहले साइकिल वितरण व्यवस्था में भी बदलाव कर चुकी है।

गेहूं खरीदी और यूसीसी पर भी चर्चा

बैठक में गेहूं खरीदी की समीक्षा करते हुए बताया गया कि इस वर्ष देश में सबसे अधिक गेहूं खरीदी मध्य प्रदेश में हुई है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर भी चर्चा हुई। सरकार ने बताया कि सुझाव लेने की प्रक्रिया 30 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी।

दूध उत्पादन बढ़ा, गोरस एप लॉन्च

मंत्री काश्यप ने बताया कि प्रदेश में दूध उत्पादन 9 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़कर 11 लाख लीटर प्रतिदिन तक पहुंच गया है। पशुपालकों को मौसम, पशु आहार और देखभाल संबंधी जानकारी देने के लिए गोरस मोबाइल एप भी लॉन्च किया गया है। इसके अलावा पीएम सूर्यघर योजना के तहत अब तक 4 लाख घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 6 लाख घरों तक पहुंचाने का है। वहीं जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 2 लाख से अधिक जल संरचनाओं पर कार्य किया जा चुका है।

ग्रीष्मकालीन बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न, बच्चों को मेडल पहनाकर किया गया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर मुख्यालय स्थित नपा स्कूल के बास्केटबॉल ग्राउण्ड में जिला बास्केटबॉल संघ द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन 2 जून मंगलवार की देर शाम किया गया।इस अवसर पर अतिथियों के हाथों बास्केटबॉल खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अतिथियों ने बताया की जिले में समय समय पर विभिन्न खेल गतिविधियां होते रहती है। जिले के खिलाडियों द्वारा बेहतर खेल का प्रदर्शन किया जाता है। यहां खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि जिले के खिलाडियों ने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने खेलों को आगे बढ़ाने व मैदान में जो भी कमियां है उसे पूर्ण कराने का आश्वासन दिया।इस दौरान नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर, नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, जीएसटी अधिकारी विपिन अग्रवाल, श्रेयांश वैद्य, नरेश धुवारे, सुशील पालीवाल, नरेन्द्र परिहार सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।तो वही कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमुख रूप से जिला बास्केटबॉल संघ अध्यक्ष पार्श्वेन्द्र पारधी, संयोजक तपेश असाटी, सचिव सचिन भोज, कोषाध्यक्ष संजीव बारेवार सहित अन्य पदाधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा।

डिजिटल साक्ष्यों के लिए नए नियमों का अगुवा बनेगा मध्य प्रदेश

कोर्ट में वॉट्सएप चैट दिखाने पर जमा नहीं करना होगा मोबाइल

भोपाल। अदालतों में डिजिटल साक्ष्यों की बढ़ती भूमिका को देखते हुए मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। प्रस्तावित 'इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स रूल्स-2026' लागू होने के बाद वॉट्सएप चैट, वीडियो रिकॉर्डिंग, ऑडियो क्लिप, ई-मेल या अन्य डिजिटल साक्ष्य अदालत में पेश करने के लिए संबंधित व्यक्ति को अपना मोबाइल फोन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जमा नहीं कराना पड़ेगा।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इन नियमों का मसौदा तैयार कर राज्य सरकार को भेज दिया है और जल्द ही इसकी अधिसूचना जारी होने की संभावना है। नियम लागू होने पर मध्य प्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन सकता है। नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद अदालतों में डिजिटल साक्ष्यों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 105 के तहत तलाशी और जब्ती की वीडियोग्राफी अनिवार्य किए जाने के बाद सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, वीडियो-ऑडियो रिकॉर्डिंग, बैंकिंग ट्रांजेक्शन और डिजिटल मनी ट्रेल जैसे साक्ष्य जांच का अहम हिस्सा बन गए हैं। वहीं, सिविल मामलों में वॉट्सएप चैट और ई-मेल संवाद भी महत्वपूर्ण सबूत के रूप में पेश किए जा रहे हैं। प्रस्तावित नियमों के अनुसार डिजिटल साक्ष्य निर्धारित प्रमाणपत्र के साथ ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। अपलोड होते ही उन्हें एक यूनिक आईडी और हैश वैल्यू प्रदान की जाएगी, जिससे रिकॉर्ड की प्रामाणिकता सुनिश्चित हो सकेगी। किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, चाहे वह एक अक्षर, कॉमा या डॉट का ही बदलाव क्यों न हो, तुरंत पकड़ी जा सकेगी क्योंकि इससे हैश वैल्यू बदल जाएगी।

नियमों में 'मिरर इमेज' तकनीक के जरिए मूल डेटा की सुरक्षित बिट-टू-बिट कॉपी रखने का भी प्रावधान किया गया है। जिला अदालतों के ई-सेवा केंद्रों और हाईकोर्ट से अधिकृत केंद्रों के माध्यम से डिजिटल साक्ष्य अपलोड किए जा सकेंगे। वहीं, यौन अपराधों से जुड़े मामलों में पीड़िता की पहचान सुरक्षित रखने के लिए संवेदनशील रिकॉर्ड सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे और अदालत की अनुमति से केवल निरीक्षण की सुविधा दी जाएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल साक्ष्यों के लिए नए नियमों के लागू होने के साथ ही अन्य राज्यों में भी इसका अनुशरण किया जा सकता है। इस तरह से आने वाले समय में मध्य प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स रूल्स के माध्यम से अगुवा बन सकता है।

मप्र भाजपा में घमासान...तीन विधायकों पर संगठन सख्त

जवाब-तलब की तैयारी, वरिष्ठ नेता कप्तान सिंह सोलंकी ने दी बड़ी नसीहत

भोपाल। मध्यप्रदेश बीजेपी में अंदरूनी बयानबाजी और अनुशासन को लेकर सियासी पारा गरम है। अपनी ही सरकार और व्यवस्था के खिलाफ लगातार मुखर हो रहे पार्टी के तीन विधायकों पर अब संगठन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी की छवि और सरकार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले बयानों को लेकर प्रदेश नेतृत्व पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। इस बीच, पार्टी के भीतर मचे इस घमासान पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी का बड़ा बयान सामने आया है, जिसने इस पूरी बहस को एक नया मोड़ दे दिया है।

पार्टी सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार, भाजपा संगठन लगातार विवादित और बगावती बयान दे रहे तीन विधायकों- पन्नालाल शाक्य (गुना), चिंतामणि मालवीय (आलोट) और प्रीतम लोधी (पिछोर) से बेहद नाराज है। हाल ही में इन नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को केंद्रीय और राज्य नेतृत्व ने बेहद गंभीरता से लिया है। बताया जा रहा है कि संगठन जल्द ही इन तीनों नेताओं को भोपाल तलब कर सकता है। बता दें कि प्रीतम लोधी और पन्नालाल शाक्य पहले भी अपने विवादित बयानों से पार्टी और सरकार के लिए असहज स्थिति खड़ी करते रहे हैं। लेकिन इस बार बिजली कटौती और अन्य मुद्दों पर सरकार को ही कटघरे में खड़ा करने के बाद संगठन अब आर-पार के मूड में है और इनसे लिखित या मौखिक जवाब-तलब करने की तैयारी की जा रही है।

कार्रवाई की भी एक सीमा होती है

एक तरफ जहाँ संगठन इन विधायकों पर अनुशासनात्मक डंडा चलाने की तैयारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने अपनी ही पार्टी और नेताओं को 'आईना' दिखाते हुए एक बड़ी नसीहत दी है। हमें यह भी देखना चाहिए कि एक पिता अपने बेटे को घर से निकालने के लिए कितना इंतजार करता है और उसे सुधारने के कितने मौके देता है। हर व्यक्ति की अपनी भावनाएं और जमीनी नाराजगी होती है, और उसी आक्रोश के कारण कभी-कभी ऐसे बयान सामने आ जाते हैं।

विचारधारा से समझौता नहीं

वरिष्ठ नेता सोलंकी ने केवल संगठन को ही नहीं, बल्कि नाराज विधायकों को भी अनुशासन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जनभावनाएं अपनी जगह हैं, लेकिन पार्टी की मूल विचारधारा के साथ चलना और खुद की वाणी पर नियंत्रण रखना हर कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि के लिए सबसे पहली जिम्मेदारी है।

बीजेपी के विधायक पार्टी को ही निपटा देंगे

मामले पर कांग्रेस का भी बयान सामने आया है। प्रदेश प्रवक्ता अविनभ बारोलिया ने कहा- कप्तान सिंह सोलंकी वरिष्ठ और सम्माननीय बीजेपी नेता की बात को गंभीरता से सुनी जानी चाहिए, कांग्रेस का भी यही मत है। ऐसे न करने पर बीजेपी के विधायक बीजेपी को ही निपटा देंगे। कांग्रेस नहीं चाहती बीजेपी का खात्मा हो। विधायकों के बयान और विवाद बीजेपी की अंतर्कलह को उजागर कर रहा है।

ट्विषा शर्मा केस : गिरिबाला और समर्थ को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

भोपाल । मॉडल-अभिनेत्री त्विषा शर्मा की मौत के हाइप्रोफाइल मामले में नया अपडेट सामने आया है। आरोपी सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत पर भेजा गया है। अब दोनों को 14 दिनों के लिए जेल जाना होगा। सीबीआई ने मंगलवार दोपहर पूर्व जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को विशेष अदालत में पेश किया। यहां आरोपी गिरिबाला सिंह समर्थ सिंह की पुलिस रिमांड मांगने से इनकार कर दिया था। उनको न्यायिक हिरासत पर भेजने की मांग की थी।

ट्विषा शर्मा की 12 मई को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। शुरुआती जांच के बाद केस सीबीआई को सौंप दिया गया। एजेंसी ने पांच दिन पूर्व मिली रिमांड अवधि के दौरान ट्विषा की सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह से पूछताछ की है, लेकिन साजिश की पूरी कड़ियां जोड़ने के लिए समर्थ को दोबारा रिमांड पर लेना जरूरी माना जा रहा है। सुनवाई के दौरान गिरिबाला ने आरोप लगाया कि ट्विशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव ने जबलपुर कोर्ट में उनके बेटे समर्थ के साथ मारपीट की। इस पर अनुराग श्रीवास्तव ने जवाब देते हुए कहा कि जबलपुर कोर्ट में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। अगर ऐसा हुआ है तो कोर्ट की फुटेज निकलवा कर जांच कर ली जाए। अनुराग श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि समर्थ को बताना चाहिए कि वह जबलपुर कोर्ट में कहां छिपे थे। उन्होंने कहा कि कोर्ट भी इस सवाल का जवाब देगा। मामले की जांच के दौरान आरोपी समर्थ और उसकी मां, पूर्व जज गिरिबाला सिंह ने अपने ऊपर लगे मारपीट और सबूतों से छेड़छाड़ के आरोपों को खारिज किया है। दोनों का कहना है कि ट्विशा के साथ उनके संबंध सामान्य थे। सीबीआई दोनों के बयानों का उपलब्ध सबूतों से मिलान कर रही है। सोमवार दोपहर पूरे घटनाक्रम का रीक्रिएशन भी कराया गया। जब्त सबूतों की जांच जारी है। दोनों की रिमांड मंगलवार को खत्म हो रही है और उन्हें कोर्ट में पेश किया जा सकता है।

लापरवाही बरतने वाले एसआई को भी तलब करेगी सीबीआई

जांच के दौरान एक गंभीर लापरवाही सामने आई है। जिस लिगेचर बेल्ट के सहारे ट्विशा फंदे पर लटकी मिली थीं, उसे घटना के बाद नियमानुसार सुरक्षित नहीं किया गया। जांच में पता चला है कि घटनास्थल से बरामद लिगेचर बेल्ट को फोरेंसिक प्रक्रिया के तहत तुरंत जमा कराने के बजाय जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर दिनेश शर्मा करीब दो दिन तक अपनी कार में रखे रहे। बाद में सवाल उठने पर इसे फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) भेजा गया। पोस्टमार्टम के दौरान भी यह बेल्ट एम्स अस्पताल में जमा नहीं कराई गई थी। अधिकारियों ने अब तक दिनेश शर्मा के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है, लेकिन सीबीआई उन्हें पूछताछ के लिए नोटिस जारी करने की तैयारी में है। इसके अलावा मामले से जुड़े अन्य लोगों को भी पूछताछ के लिए तलब किया जा सकता है।

सोने के उपहारों को जब्ती की तैयारी में सीबीआई

सीबीआई शादी के समय ट्विषा को मायके और रिश्तेदारों से मिले सोने के उपहारों (स्त्रीधन) को जब्त करने की तैयारी में है। इसके लिए एक जौहरी को भी तलब किया है, जो बरामद होने वाले जेवरातों की शुद्धता और उसकी मौजूदा कीमत का मूल्यांकन करेगा। इस जब्ती को केस डायरी में दहेज प्रताड़ना और वित्तीय साक्ष्य के रूप में शामिल किया जा सकता है।

मध्य प्रदेश में 21 साल बाद फिर दौड़ेंगी सरकारी बसें, यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

भोपाल। मध्य प्रदेश की सड़कों पर 21 साल के लंबे अंतराल के बाद फिर सरकारी बसें दौड़ती नजर आएंगी। मोहन सरकार 1 जुलाई से मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा के नाम से बस सेवा को बहाल करने जा रही है, इसका उद्देश्य यात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक परिवहन सुविधा प्रदान करना है। इस सेवा की शुरुआत सबसे पहले इंदौर संभाग से होगी और धीरे-धीरे प्रदेश के अन्य संभागों में बढ़ाया जाएगा।

इस योजना के तहत कुल 1164 मार्ग तय किए हैं, जिन पर 5206 बसें चलाई जाएंगी। इन बसों का संचालन एक राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी और सात क्षेत्रीय कंपनियों के माध्यम से होगा, जिसकी निगरानी परिवहन विभाग करेगा। ये बसें प्रदेश के एक जिले से दूसरे जिले, ग्रामीण क्षेत्रों और पड़ोसी राज्यों जैसे महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के प्रमुख शहरों तक कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को हुई राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के संचालक मंडल की बैठक में परिवहन विभाग के रोडमैप को अंतिम मंजूरी दी। बैठक में परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह और मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। परिवहन सचिव मनीष सिंह ने सेवा की तैयारियों का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि सुगम लोक परिवहन सेवा के शुरू होने से निजी बस ऑपरेटरों के वर्तमान परमिट पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

डिब्बों में पेट्रोल-डीजल बिक्री पर रोक के आदेश का विरोध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश सरकार के आदेश पर जिला प्रशासन द्वारा डिब्बों में पेट्रोल-डीजल देने पर रोक संबंधी निर्देश जारी किए गए है।इन आदेशों और निर्देशो के बाद से ही जिले के पेट्रोल पंप संचालकों में असंतोष देखने को मिल रहा है। इसी मुद्दे को लेकर बीती देर शाम पेट्रोल पंप संचालकों की एक बैठक आयोजित की गई।बैठक में उपस्थित संचालकों ने चर्चा करते हुए कहा कि डिब्बों में ईंधन नहीं दिए जाने से किसानों, कृषि कार्यों तथा दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। संचालकों ने प्रशासन को इस विषय की व्यावहारिक कठिनाइयों से अवगत कराने का निर्णय लिया है।वही इस बैठक में सर्वसम्मति से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं और सुझावों से अवगत कराने का फैसला लिया गया। साथ ही जिले में पेट्रोल पंप संचालकों के हितों की रक्षा और समन्वय के लिए एक एसोसिएशन के गठन पर भी सहमति बनी।बैठक में निर्णय लिया गया कि 8 जून 2026 को दोपहर 12 बजे पेट्रोल पंप संचालकों की पुनः बैठक आयोजित कर औपचारिक रूप से एसोसिएशन का गठन किया जाएगा तथा विभिन्न पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा।बैठक में चौहान पेट्रोलियम, मदन फिलिंग स्टेशन, हीरा ऑयल और मायरा फ्यूल्स सहित अन्य पेट्रोल पंप संचालकों की उपस्थिति रही। उपस्थित सदस्यों ने प्रशासन से किसानों और आम उपभोक्ताओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लेने की मांग की है।

200 करोड़ के मंदिर बॉन्ड जारी करेगी मप्र की मोहन सरकार

भोपाल,। मध्य प्रदेश सरकार ने साल 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ कुंभ से पहले 200 करोड़ के टेंपल बॉन्ड जारी करने का प्रस्ताव रखा है। इस पैसे का इस्तेमाल उज्जैन और उसके आसपास के ऐतिहासिक मंदिरों के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए किया जाएगा।

अभी तक आप मंदिर जाते हैं, दान-पेटी में पैसा डालते हैं या रसीद कटवाते हैं। वह पैसा दान होता है, जो आपको कभी वापस नहीं मिलता। सरकार या मंदिर ट्रस्ट एक स्कीम (बॉन्ड) निकालेंगे। आप उसमें एक तय समय (जैसे 5 या 10 साल) के लिए पैसा निवेश करेंगे। इस पैसे पर आपको हर साल तय ब्याज (मुनाफा) मिलेगा और समय पूरा होने पर आपका पूरा पैसा भी सुरक्षित वापस मिल जाएगा। सरकार इस पैसे से मंदिरों के आस-पास सड़कें, पार्किंग, पीने का पानी और होटल जैसी सुविधाएं बनाई जाएंगी। मध्य प्रदेश सरकार इसकी शुरुआत उज्जैन से करने जा रही है। बता दें कि यह सरकार द्वारा धार्मिक स्थलों का विकास करने के लिए जनता से कर्ज लेने का एक नया तरीका है, जिसमें आम लोगों को आस्था के साथ-साथ गारंटीड कमाई का मौका मिल रहा है।

इस योजना के सामने आते ही कई लोगों के मन में यह कयास शुरू हो गए कि क्या यह मंदिरों का मुद्रीकरण है? लेकिन इस पर साफ किया गया है कि मंदिर की जमीन, सोने के भंडार या संपत्तियों को न तो बेचा जाएगा और न ही गिरवी रखा जाएगा। यह बॉन्ड काफी हद तक म्युनिसिपल बॉन्ड की तरह होंगे, जो सिर्फ नई विकास परियोजनाओं के लिए फंड जुटाने का एक सुरक्षित जरिया बनेंगे।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े धार्मिक केंद्र अब सिर्फ आस्था के केंद्र ही नहीं, बल्कि बड़ी आर्थिक गतिविधियों के हब बन चुके हैं, जिसे 'पिलग्रिमेज इकोनॉमी'कहा जाता है। इन बॉन्ड्स में बड़े संस्थागत निवेशकों के मुकाबले आम जनता का दबदबा ज्यादा रहने की उम्मीद है, क्योंकि आम लोग इसे 'कमाई वाले दान' के रूप में हाथों-हाथ ले सकते हैं। फिलहाल, केंद्र सरकार की तरफ से देशव्यापी स्तर पर ऐसे किसी नेशनल फ्रेमवर्क की कोई औपचारिक योजना नहीं है और यह राज्यों के स्तर पर किया जा रहा एक अनोखा प्रयोग है। अगर मध्य प्रदेश का यह टेंपल बॉन्ड सफल रहता है, तो देश के अन्य बड़े धार्मिक राज्यों में भी यह मॉडल लागू हो सकता है।

नई भाजपा बनाम पुरानी भाजपा

भोपाल । गुना जिले में बिजली कटौती के मुद्दे को लेकर सत्ताधारी दल भाजपा के भीतर घमासान अब और तेज हो गई है। अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा करने वाले गुना के भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य को अब पार्टी के ही भीतर से एक बड़ा समर्थन मिल गया है। चाचौड़ा की पूर्व भाजपा विधायक ममता मीना ने खुलकर पन्नालाल शाक्य का समर्थन कर दिया है, जिससे गुना की सियासत में 'नई भाजपा बनाम पुरानी भाजपा' की जंग खुलकर सामने आ गई है।

पूर्व विधायक ममता मीना ने विधायक शाक्य की आवाज में आवाज मिलाते हुए कहा कि शाक्य जमीन से जुड़े हुए पुराने और कद्दावर नेता हैं। उन्होंने बिजली कटौती को लेकर किसानों, छात्रों और व्यापारियों का बिल्कुल सही दर्द उठाया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर पर तीखा हमला बोलते हुए ममता मीना ने कहा कि ऊर्जा मंत्री का असली काम जनता को बिजली देना है, नौटंकी करना नहीं। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि 'महाराज' (ज्योतिरादित्य सिंधिया) के आने के बाद वाली इस 'नई भाजपा' में सिर्फ नौटंकी चल रही है, जिसके कारण पार्टी के मूल और पुराने कार्यकर्ता आज घुटन महसूस कर रहे हैं।

जयवर्धन सिंह ने भी साधा निशाना

भाजपा के इस अंदरूनी कलह के बीच कांग्रेस को भी सरकार को घेरने का बड़ा मौका मिल गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने भी भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य के सुर में सुर मिलाया है। जयवर्धन सिंह ने कहा कि ऊर्जा मंत्री धरातल पर काम करने के बजाय सिर्फ नाटक और दिखावा करते हैं, जिससे जनता परेशान है।

अनुशासनहीनता पर कार्रवाई के संकेत

एक तरफ जहां विधायक शाक्य को अंदर और बाहर से समर्थन मिल रहा है, वहीं भाजपा संगठन इस बगावती तेवर से बेहद नाराज है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने विधायक पन्नालाल शाक्य द्वारा अपनी ही सरकार के खिलाफ किए गए घेराव और प्रदर्शन को पूरी तरह 'गैर-जिम्मेदाराना' करार दिया है। संगठन ने साफ संकेत दिए हैं कि इस मामले में जल्द ही अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

सिंधिया समर्थक बनाम मूल भाजपाई

गुना में शुरू हुआ यह विवाद अब केवल बिजली कटौती तक सीमित नहीं रह गया है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों (नई भाजपा) और संघ-संगठन से जुड़े मूल भाजपाइयों (पुरानी भाजपा) के बीच की यह खींचतान अब खुलकर सड़कों पर आ चुकी है। आने वाले दिनों में यह अंदरूनी कलह क्या मोड़ लेती है, इस पर पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हुई हैं।

विनोद / 02 जून 26

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका । 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनों ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है।

हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है।

यह एकदिवसीय सीरीज 3 जून से 8 जून तक जमैका के सबीना पार्क में खेली जाएगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन को लेकर टीम पर दबाव होगा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने श्रीलंका को एक मजबूत और अनुशासित एकदिवसीय टीम करार दिया है। सैमी के अनुसार श्रीलंकाई खिलाड़ी हालातों के अनुसार खेलते हैं। सैमी ने कहा कि इस सीरीज से उनकी टीम को अपने खेल का स्तर जानने और उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर भी जोर दिया है।

कोच सैमी ने कहा कि टीम की रणनीति निडर होकर आक्रामक अंदाज में खेलना रहेगा पर इसका मतलब ये नहीं होगा कि टीम गलती करेगी। उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य घरेलू मैदान पर विरोधी टीमों के लिए कठिनाई पैदा करना रहेगा। उन्होंने जीत के लिए सामूहिक प्रयास और प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान को जरूरी बताया। साथ ही कहा कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहेगी। सैमी ने यह भी कहा कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है।

एकदिवसीय सीरीज के बाद, दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेलेंगी, जिसके बाद यह दौरा एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों के साथ संपन्न होगा।

टीम इस प्रकार है

शाई होप (कप्तान/विकेटकीपर), एकीम ऑगस्टे, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और शमर स्प्रिंगर।

फीफा विश्वकप 2026, कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा

सैन डियागो । अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले आगामी फीफा विश्वकप 2026 में फुटबॉल के खेल में कई अभूतपूर्व नियम लागू किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन को मजबूत करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। 11 जून से शुरू होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बहस के दौरान अपना मुंह नहीं छिपा सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो उसे तत्काल लाल कार्ड का सामना करना पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण कदम खिलाड़ियों के बीच होने वाले मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है, जिसने अतीत में खेल की छवि को धूमिल किया है।

मौखिक दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के इस कदम के अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नियम तय करने वाली संस्था, इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम उन टीम अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होगा जो अपने खिलाड़ियों को विरोध में मैदान छोड़ने के लिए उकसाते हैं। आईएफएबी ने स्पष्ट किया है कि विश्व कप में भाग लेने वाली सभी 48 टीमों को इन सभी संशोधनों के बारे में विस्तार से सूचित किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी न हो।

इन अनुशासनात्मक बदलावों के साथ-साथ, फीफा ने विश्व कप के पीले कार्ड संबंधी नियमों में भी संशोधन किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण नॉकआउट मैचों के लिए कम खिलाड़ियों को निलंबन का सामना करना पड़े। नए नियम के अनुसार, विश्व कप के दौरान किसी खिलाड़ी को मिले पीले कार्ड दो बार उसके रिकॉर्ड से हटा दिए जाएंगे। फीफा परिषद ने फीफा विश्व कप 2026 के नियमों में संशोधन करते हुए यह तय किया है कि ग्रुप चरण में मिला कोई भी पीला कार्ड नॉकआउट चरण में मान्य नहीं होगा। इसका अर्थ है कि नॉकआउट चरण में प्रवेश करने वाले सभी खिलाड़ियों को क्लीन स्लेट के साथ शुरुआत करने का मौका मिलेगा। इसी तरह, क्वार्टर फाइनल में मिला एक पीला कार्ड अगले मैचों (सेमीफाइनल और फाइनल) के लिए मान्य नहीं होगा।

विश्व कप में इससे पहले यदि किसी खिलाड़ी को दो अलग-अलग मैचों में पीला कार्ड दिखाया जाता था तो उसे एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। हालांकि, पिछले टूर्नामेंटों में क्वार्टर फाइनल चरण के बाद एक पीले कार्ड को रद्द कर दिया जाता था, जिससे यह सुनिश्चित होता था कि सेमीफाइनल में पीला कार्ड मिलने के कारण कोई भी खिलाड़ी फाइनल जैसे महत्वपूर्ण मैच से बाहर न हो। ये नए नियम खिलाड़ियों को बिना अनावश्यक दबाव के बड़े मैचों में अपनी पूरी क्षमता से खेलने का अवसर प्रदान करेंगे, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ जाएगा। ये सभी नियम फीफा विश्वकप 2026 को न केवल खेल के लिहाज से बल्कि नैतिकता और निष्पक्षता के दृष्टिकोण से भी एक नए स्तर पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

दिव्यांशी ने प्रिस्टिना में रचा इतिहास; एकल और युगल वर्ग में जीते दोहरे स्वर्ण पदक

डब्लूटीटी फीडर खिताब जीतने वाली सबसे युवा भारतीय महिला बनीं; सिंड्रेला दास के साथ जोड़ी बनाकर युगल में भी गाड़े झंडे

नई दिल्ली । भारतीय टेबल टेनिस के इतिहास में 1 जून 2026 का दिन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ। कोसोवो के प्रिस्टिना में आयोजित डब्लूटीटी फीडर प्रिस्टिना 2026 में भारत की 15 वर्षीय सनसनी दिव्यांशी भौमिक ने जादुई प्रदर्शन करते हुए दोहरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिव्यांशी डब्लूटीटी फीडर महिला एकल का खिताब जीतने वाली इतिहास की सबसे युवा भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। विश्व रैंकिंग में 211वें स्थान पर मौजूद इस युवा स्टार ने असाधारण खेल भावना का परिचय देते हुए फाइनल में चीनी ताइपे की विश्व नंबर-38 येह यी-तियन को रोमांचक मुकाबले में 3-2 (8-11, 11-8, 11-5, 7-11, 11-7) से शिकस्त दी।

महज 15 साल की उम्र में यह सीनियर अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतकर दिव्यांशी ने वैश्विक स्तर पर भी अपनी धाक जमाई है। वह जापान की दिग्गज मिवा हरिमोतो के बाद डब्लूटीटी फीडर सर्किट पर महिला एकल खिताब जीतने वाली दुनिया की दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं।

रोमांचक फाइनल में जापानी जोड़ी को चटाई धूल

दिव्यांशी की यह स्वर्णिम सफलता यहीं नहीं रुकी। एकल वर्ग में इतिहास रचने के बाद उन्होंने भारत की ही अन्य प्रतिभावान खिलाड़ी सिंड्रेला दास के साथ जोड़ी बनाकर महिला युगल का स्वर्ण पदक भी अपने नाम कर लिया। एक बेहद कड़े और सांस रोक देने वाले फाइनल मुकाबले में इस भारतीय जोड़ी ने जापान की साची आओकी और कोकोना मुरामात्सू की जोड़ी को 30 मिनट से अधिक चले मैच में 3-2 (7-11, 14-12, 12-14, 11-8, 11-7) से पराजित किया।

भारतीय टेबल टेनिस का स्वर्णिम भविष्य

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष-40 में शामिल खिलाड़ी को धूल चटाना और एक ही टूर्नामेंट में दोहरे स्वर्ण पदक हासिल करना यह दर्शाता है कि भारत का यूथ डेवलपमेंट सिस्टम अब वैश्विक स्तर पर चैंपियंस तैयार कर रहा है। दिव्यांशी और सिंड्रेला की इस जोड़ी ने दबाव के क्षणों में जिस परिपक्वता का प्रदर्शन किया, उसने साबित कर दिया है कि वे भारतीय खेल जगत के उभरते हुए सितारे हैं।

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित कई बदलावों को दी मंजूरी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यहां हुई अपनी सालाना आम बैठक में टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के प्रयोग सहित कई अन्य बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है हालांकि ये सभी नियम इस साल अक्टूबर से अमल में लाये जाएंगे। आईसीसी ने कहा है कि खराब रोशनी के दौरान गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीसी ने इसके अलावा टीम के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति भी दे दी है। वहीं इस दो दिवसीय बैठक में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

आईसीसी के बयान के अनुसार, टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का उपयोग दोनों टीमों की सहमति से परीक्षण के आधार पर किया जाएगा जिससे खराब रोशनी की स्थिति में अधिक से अधिक समय तक खेल हो सके। इस नई व्यवस्था के तहत, मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि दिन के खेल के दौरान रोशनी कम हो जाती है और कुछ ओवर बाकी रह जाते हैं, तो दोनों टीमों की सहमति पर उन शेष ओवरों को फ्लडलाइट्स के दौरान गुलाबी गेंद से पूरा किया जा सकेगा हालांकि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी ये अभी पक्का नहीं है क्योंकि भारतीय क्रिकेटर घरेलू हालातों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी तैयार नहीं थे। इसका कारण गुलाबी गेंद से मिलने वाला अधिक सीम मूवमेंट है। वहीं आईसीसी ने खराब रोशनी के कारण खेल में समय के नुकसान को कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों को बेहतर बनाने की भी मंजूरी दी है, इससे किए आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से आर्थिक सहायता करेंगे।

खेल नियमों में एक और सुधार करते हुए आईसीसी ने अब मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर आकर खिलाड़ियों से बात करने की अनुमति दे दी है। यह सुविधा टी20 क्रिकेट में दी जा रही रणनीतिक टाइम आउट सुविधा के समान है। ये अब टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल और खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तुरंत तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गयी है। वहीं प्रशासनिक मोर्चे पर, आईसीसी ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों पर क्रिकेट कनाडा को निलंबित करने के साथ-साथ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। गेंदबाजी नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। वैध गेंदबाजी एक्शन पर प्रभावी निगरानी के लिए अब मैदानी अंपायरों को हॉक-आई डेटा तक पहुंच मिलेगी, जिससे वे किसी गेंदबाज के एक्शन की रिपोर्ट करते समय इन आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे।

आईपीएल 2026 में फ्लाप रहे बुमराह

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का 2026 सत्र बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। वहीं उनकी टीम मुम्बई इंडियंस को उम्मीद थी कि वह धमाकेदार प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। बुमराह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और उनकी गेंदों पर काफी चौके और छक्के तक लगे। इसके कारण मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा। इस पूरे सत्र में बुमराह 13 मुकाबलों में केवल 4 विकेट ही ले पाये। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा। ये किसी आईपीएल सत्र में 30 से अधिक ओवर फेंकने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे खराब आंकड़ा है। विकेट लेने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए मशहूर बुमराह एक भी मैच में बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल सके। वह हर मैच में विकेट के लिए तरसते दिखे। 9 मैचों में तो वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में बुमराह दो विकेट तक नहीं ले पाये।

मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय, युवाओं की भागीदारी बढेगी

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में 9 वें स्थान पर रही। टीम के स्टार खिलाड़ी भी असफल रहे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि सबसे अधिक रन बनाने और विकेट लेने वाले शीर्ष दस-दस खिलाड़ियों में इसका एक भी खिलाड़ी शामिल नहीं था।

आईपीएल के पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। इस प्रकार लगातार दो सत्र में निराशाजनक सत्र को देखते हुए अब माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय हैं। फ्रेंचाइजी अब टीम को नए सिरे से तैयार करना चाहती है। इसके तहत टीम में कप्तानी में बदलाव और एक अनुभवी बल्लेबाज को अलग भूमिका देने की योजना शामिल है। आईपीएल 2024 में 10वें और आईपीएल 2026 में 9वें स्थान पर रहने के बाद टीम प्रबंधन अब ये बदलाव करने जा रहा है। टीम में अब युवा खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ायी जा सकती है।

कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर जारी संशय के बीच ही टीम अब नए नेतृत्व विकल्पों की तलाश में है। ये भी कहा जा रहा है कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को कप्तान बनाने जाने की संभावना है। युवा तिलक को आईपीएल 2027 से मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक पिछले कुछ साल से लगातार मुंबई इंडियंस में शामिल रहे हैं और अपने लगातार प्रदर्शन से टीम प्रदर्शन का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं। टीम के भीतर इस बात पर भी चर्चा है कि उन्हें लंबे समय तक नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है। वहीं कप्तानी की दौड़ में दो अन्य अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसमें सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं।

फ्रेंच ओपन 2026 - टियाफो को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अर्नाल्डी

पेरिस। इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने 19वें वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अर्नाल्डी ने पांच घंटे 26 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में टियाफो को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। इसी के साथ ही 25 साल के अर्नाल्डी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है।

इस मुकाबले में दोनो ही खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई। पहले सेट में बराबरी के बाद, टियाफो ने अपनी जबरदस्त वापसी की और तीसरे सेट तक बढ़त बना ली। चौथे सेट में 4-1 की बढ़त के साथ ही टियाफो आगे हो गये पर टाईब्रेक में टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाकर अच्छी वापसी की। उन्होंने बैकहैंड शॉट खेलने के बाद ही मैच को पांचवें सेट में पहुंचा दिया।

इसके बाद अर्नाल्डी ने अच्छी लय हासिल कर ली। उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद टियाफो ने एक बार फिर अच्छे फोरहैंड शॉट लगाकर स्कोर 4-4 से बराबरी पर ला दिया। अर्नाल्डी ने अंत में अपने तीसरे मैच अंक को जीतकर यह मुकाबला जीता। अब उनका मुकाबला अपने ही साथी खिलाड़ी माटेओ बेरेटिनी से होगा। इस इस अर्नाल्डी के अलावा इटली के ही बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। ये पहली बार है जब एक ही ग्रैंड स्लैम के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में इटली के तीन खिलाड़ी पहुंचे हैं।

हॉकी इंडिया ने नेशंस कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक आयोजित होने वाले एफआईएच महिला नेशंस कप के लिए अनुभवी सलीमा टेटे को भारतीय महिला हॉकी टीम का कप्तान बनाये रखा है। हॉकी इंडिया ने इस टूर्नामेंट के घोषित टीम में युवा डिफेंडर लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास को भी शामिल किया है। इन दोनो का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में अच्छा रहा है। भारतीय टीम को को टूर्नामेंट के पूल ए में जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ रखा गया है, जबकि पूल बी में मेजबान न्यूजीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस की टीमें शामिल हैं।

अब भारतीय टीम 15 जून को अमेरिका के खिलाफ इसमें अपने अभियान को शुरु करेंगी इसके बाद, अगले ही दिन 16 जून को उसका मुकाबला जापान से होगा। वहीं पूल चरण का अंतिम मैच 18 जून को उरुग्वे के साथ खेला जाएगा। सेमीफाइनल मुकाबले 20 जून को खेला जाएगा। वहीं 21 जून को फाइनल होगा। लालथंतलुआंगी और शिल्पी को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के सफल दौरे के बाद पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है।

टूर्नामेंट में गोलकीपिंग की जिम्मेदारी कुशल सविता और बिचू देवी खारीबाम के कंधों पर होगी। रक्षा पंक्ति में अनुभवी सुशीला चानू पुखरंबम, इशिका चौधरी, निक्की प्रधान और ज्योति के साथ युवा लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास भी मौजूद रहेंगी। मध्य पंक्ति में कप्तान सलीमा टेटे को नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाली दीपिका सोरेंग, सोनम और लालरेम्सियामी का सहयोग मिलेगा। अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, दीपिका, रुतुजा दादासो पिसल, इशिका और अन्नु शामिल हैं, जो विरोधियों पर हमलावर खेल का प्रदर्शन करेंगी।

गोलकीपर = सविता, बिचू देवी खारीबाम

डिफेंडर = सुशीला चानू पुखरंबम, इशिका चौधरी, लालथंटलुआंगी, शिल्पी डबास, ज्योति, निक्की प्रधान

मिडफील्डर = सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा, दीपिका सोरेंग, सोनम, लालरेम्सियामी

फारवर्ड - नवनीत कौर, दीपिका, रुतुजा दादासो पिसल, इशिका, अन्नू।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से शुरु होगा भारतीय टीम का नया कैलेंडर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया है। ऐसे में अब इसमें खेल रहे खिलाड़ियों को कोई लंबा ब्रेक मिलने नहीं जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम का नया अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर 6 जून अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से शुरु होगा।

भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर अफगानिस्तान से सीरीज खेलनी है। भारत दौरे पर आ रही अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम से एक टेस्ट और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऐसे में प्रशंसकों को विराट कोहली और रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर एकदिवसीय सीरीज में खेलते दिखेंगे।

भारत और अफगानिस्तान टीम का कार्यक्रम इस प्रकार है -

टेस्ट मैच- 6 जून से 10 जून, न्यू चंडीगढ़ में सुबह 9.30 बजे से

पहला एकदिवसीय - 13 जून, धर्मशाला में दोपहर 1.30 बजे से

दूसरा एकदिवसीय- 17 जून, लखनऊ में दोपहर 1.30 बजे से

तीसरा एकदिवसीय 20 जून, चेन्नई में दोपहर 1.30 बजे से

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले ही अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी थी। एकदिवसीय सीरीज में रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या का खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। अब इस सूची में विराट का नाम भी जुड़ गया है।

टेस्ट टीम= शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेट-कीपर), देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे, ध्रुव जुरेल (विकेट-कीपर)

एकदिवसीय टीम= शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा*, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेट-कीपर), ईशान किशन (विकेट-कीपर), हार्दिक पांड्या*, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे

हॉकी इंडिया ने नेशंस कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित की

लालथंतलुआंगी और शिल्पी शामिल, सलीमा कप्तान बनी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक आयोजित होने वाले एफआईएच महिला नेशंस कप के लिए अनुभवी सलीमा टेटे को भारतीय महिला हॉकी टीम का कप्तान बनाये रखा है। हॉकी इंडिया ने इस टूर्नामेंट के घोषित टीम में युवा डिफेंडर लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास को भी शामिल किया है। इन दोनो का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में अच्छा रहा है। भारतीय टीम को को टूर्नामेंट के पूल ए में जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ रखा गया है, जबकि पूल बी में मेजबान न्यूजीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस की टीमें शामिल हैं।

अब भारतीय टीम 15 जून को अमेरिका के खिलाफ इसमें अपने अभियान को शुरु करेंगी इसके बाद, अगले ही दिन 16 जून को उसका मुकाबला जापान से होगा। वहीं पूल चरण का अंतिम मैच 18 जून को उरुग्वे के साथ खेला जाएगा। सेमीफाइनल मुकाबले 20 जून को खेला जाएगा। वहीं 21 जून को फाइनल होगा। लालथंतलुआंगी और शिल्पी को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के सफल दौरे के बाद पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है।

टूर्नामेंट में गोलकीपिंग की जिम्मेदारी कुशल सविता और बिचू देवी खारीबाम के कंधों पर होगी। रक्षा पंक्ति में अनुभवी सुशीला चानू पुखरंबम, इशिका चौधरी, निक्की प्रधान और ज्योति के साथ युवा लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास भी मौजूद रहेंगी। मध्य पंक्ति में कप्तान सलीमा टेटे को नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाली दीपिका सोरेंग, सोनम और लालरेम्सियामी का सहयोग मिलेगा। अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, दीपिका, रुतुजा दादासो पिसल, इशिका और अन्नु शामिल हैं, जो विरोधियों पर हमलावर खेल का प्रदर्शन करेंगी।

टीम इस प्रकार है =

गोलकीपर = सविता, बिचू देवी खारीबाम

डिफेंडर = सुशीला चानू पुखरंबम, इशिका चौधरी, लालथंटलुआंगी, शिल्पी डबास, ज्योति, निक्की प्रधान

मिडफील्डर = सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा, दीपिका सोरेंग, सोनम, लालरेम्सियामी

फॉरवर्ड = नवनीत कौर, दीपिका, रुतुजा दादासो पिसल, इशिका, अन्नू।

मध्यप्रदेश में पर्यटन का नया अध्याय
पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा
तेज, सुरक्षित और यादगार यात्रा का अनूठा अनुभव
भोपाल
झीलों की नगरी, मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल आधुनिक शहरी विकास और सांस्कृतिक विरासत का केन्द्र
ओरछा
यहां भगवान राम स्वयं इस नगर के राजा के रूप में विराजे हैं
चंदेरी
प्राचीन किलों और हथकरघा चंदेरी साड़ियों के लिए विश्व प्रसिद्ध
जबलपुर
भेड़ाघाट की संगमरमर की घाटी, धुआंधार जलप्रपात और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय अनुभव
मैहर
चित्रकूट पर्वत पर स्थित माँ शारदा देवी मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र
चित्रकूट
भगवान श्रीराम के वनवास से जुड़ा, आध्यात्मिक महत्व का अद्भुत स्थल
बांधवगढ़ नेशनल पार्क
सबसे अधिक संख्या में बाघों की उपस्थिति। प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन का अद्वितीय स्थल
कान्हा नेशनल पार्क
सबसे प्रसिद्ध टाइगर रिज़र्व समृद्ध वन्यजीव और जैवविविधता का गढ़
इंदौर
मध्यप्रदेश की व्यापारिक राजधानी होने के साथ-साथ स्वच्छता का सिरमौर इंदौर अपने राजवाड़ा सराफा और आधुनिक जीवन के लिए प्रसिद्ध है
उज्जैन
भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और सिंहस्थ कुंभ जैसे विशाल आध्यात्मिक आयोजन के लिए विश्वविख्यात
ओंकारेश्वर
ज्योतिर्लिंग के दिव्य दर्शन और अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव
आध्यात्मिक सर्किट
इंदौर - उज्जैन - ओंकारेश्वर - इंदौर ₹30,000
इंदौर - उज्जैन - इंदौर ₹14,500
इंदौर - ओंकारेश्वर - इंदौर ₹18,000
हेरिटेज सर्किट
भोपाल से चंदेरी ₹5,500
चंदेरी से ओरछा ₹2,750
भोपाल से ओरछा ₹6,500
जॉय राइड ₹3,500
भोपाल - ओरछा - भोपाल (विशेष पैकेज) ₹14,500
वाइल्डलाइफ एवं आस्था सर्किट
जबलपुर - मैहर ₹5,000
जबलपुर - बांधवगढ़ ₹6,500
जबलपुर - चित्रकूट ₹7,500
जबलपुर - कान्हा ₹6,000
मैहर - चित्रकूट ₹5,000
बांधवगढ़ - कान्हा ₹7,000
चित्रकूट
ओरछा
चंदेरी
मैहर
उज्जैन
भोपाल
जबलपुर
बांधवगढ़
इंदौर
कान्हा
ओंकारेश्वर
D11026/26
एक संपूर्ण यात्रा पैकेज
• गंतव्य स्थल पर ठहरने की व्यवस्था से लेकर भोजन, स्थानीय टैक्सी तक हर सुविधा का पैकेज
• मंदिर दर्शन की पूर्व निर्धारित व्यवस्था, पर्यटन अनुभव को और खास बनाने के लिए गाइड
• हेलीपैड तक पिक-अप और ड्रॉप की सुविधा
बुकिंग
www.flyola.in
air.irctc.co.in/flyola
www.transbharat.in

बालाघाट
बुधवार 03 जून 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बालाघाट जिले में अगले पांच दिनों तक हल्की बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त 5 दिवसीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 3 जून से 7 जून 2026 तक मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की वर्षा, गरज-चमक के साथ बिजली गिरने तथा आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। वहीं हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। जिला कृषि मौसम इकाई एवं कृषि विज्ञान केंद्र, बड़गांव के वैज्ञानिक डा धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जारी पूर्वानुमान के अनुसार उक्त अवधि में अधिकतम तापमान 38.6 से 40.3 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 25.2 से 26.6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय वायुमंडलीय आर्द्रता 51 से 56 प्रतिशत तथा दोपहर में 25 से 28 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आगामी दिनों में सामान्य हवा की गति 6 से 7 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है, जो मुख्यत: दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी। हालांकि गरज-चमक और आंधी के दौरान हवा की रफ्तार अचानक बढ़कर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। कृषि विज्ञान केंद्र, बालाघाट ने किसानों को मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों की योजना बनाने की सलाह दी है। साथ ही आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं के दौरान खेतों एवं खुले स्थानों पर अनावश्यक रूप से नहीं रुकने तथा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखने की अपील की गई है। जिला कृषि मौसम इकाई ने किसानों से मौसम संबंधी नवीनतम जानकारी एवं कृषि परामर्श के लिए नियमित रूप से कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा जारी सलाह का पालन करने का आग्रह किया है।

कान्हा घूमने जा रहे परिवार की कार पलटी-महिला की मौत

पति और दो बच्चे घायल, बैहर मार्ग की उदघाटी में हुआ दर्दनाक हादसा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के रूपझर थाना क्षेत्र अंतर्गत बालाघाट बैहर मार्ग पर स्थित उदघाटी की गोलाई में 2 जून को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान घूमने जा रहे एक परिवार की कार सामने से आ रही यात्री बस को साइड देने के दौरान अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार महिला की मौत हो गई। जबकि उसके पति और दो बच्चों को मामूली चोटें आई हैं।मृतिका दुर्गेश्वरी उर्फ दुर्गाबाई दमाहे 35 वर्ष आमगांव जिला गोंदिया निवासी बताई गई है है। जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

तीन कारों से निकले थे कान्हा भ्रमण पर

प्राप्त जानकारी के अनुसार आमगांव निवासी निमेश दमाहे, जो दमाहे पेंट नाम से दुकान संचालित करते हैं।2 जून को सुबह निमेश दमाहे अपने परिवार और दोस्तों के साथ कान्हा राष्ट्रीय उद्यान घूमने के लिए निकले थे। उनके साथ मित्र कमलेश सहारे और मेगेश नागभिरे का परिवार भी अलग-अलग कारों में सवार था। कुल तीन कारों का काफिला कान्हा की ओर रवाना हुआ था।निमेश दमाहे की कार में उनकी पत्नी दुर्गेश्वरी दमाहे ,पुत्र अंश 8 वर्ष, और पुत्री रुचि 5 वर्ष सवार थे।

बस से कार को बचाने का प्रयास और हुआ हादसा

सुबह लगभग 11 बजे जब यह काफिला बालाघाट से बैहर की ओर जा रहा था। तभी उदघाटी की खतरनाक गोलाई पर बैहर से बालाघाट आ रही एक यात्री बस अचानक निमेश दमाहे की कार के सामने आ गई। टक्कर से बचने के लिए उन्होंने कार को सड़क के किनारे उतारने का प्रयास किया। लेकिन वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। कार पलटते ही उसमें सवार सभी लोग अंदर फंस गए। पीछे आ रही अन्य कारों में सवार साथी तुरंत मौके पर पहुंचे। राहगीरों की भीड़ भी एकत्र हो गई और काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे सभी लोगों को बाहर निकाला गया।

सिर में गंभीर चोट लगने से महिला की मौत

हादसे में दुर्गेश्वरी दमाहे के सिर में गंभीर चोट आई थी। घटनास्थल उनके सर से निकले खून से सन गया था। जबकि उनके पति और दोनों बच्चों को मामूली चोटें आईं। गंभीर रूप से घायल दुर्गेश्वरी को दोस्तों की कार से दोपहर करीब 1-30 बजे जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिये।प्रत्यक्ष परिस्थितियों और घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि दुर्गेश्वरी की मौत दुर्घटना स्थल पर ही हो चुकी थी।घटना की सूचना मिलते ही मृतका के मायके और ससुराल पक्ष के अलावा बालाघाट जिले में रहने वाले रिश्तेदार भी जिला अस्पताल पहुंच गए। जिला अस्पताल पुलिस ने निमेश दमाहे के बयान दर्ज करने के बाद दुर्गेश्वरी का शव का पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सोप दिए।चूंकि दुर्घटना रूपझर थाना क्षेत्र में हुई है। इसलिए जिला अस्पताल पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर प्रकरण अग्रिम जांच एवं कार्रवाई के लिए रूपझर थाना भेज दिया है।

दर्दनाक हादसे ने खुशियों भरे सफर को मातम में बदला

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान की सैर के लिए उत्साहपूर्वक निकला परिवार कुछ ही घंटों में एक भीषण हादसे का शिकार हो गया। परिवार की खुशियां उस समय मातम में बदल गई जब यात्रा के दौरान हुई दुर्घटना में एक महिला की जान चली गई। ग्राम आमगांव में इस घटना से शोक का माहौल है।

दहेज में 2 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को किया प्रताड़ित-पति सहित सास-ससुर पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दहेज में 2 लाख रुपये की मांग पूरी नहीं होने पर एक विवाहिता को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ति करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने उसके पति मनीष गायधने, सास चम्पा गायधने और ससुर नन्दकिशोर गायधने ग्राम धपेरा थानां लालबर्रा निवासी के खिलाफ भारतीय न्याय सॅहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किरनापुर थाना क्षेत्र में रहने वाली 24 वर्षीय युवती की शादी 15 मई 2025 को सामाजिक रीति-रिवाज के साथ ग्राम धपेरा लालबर्रा निवासी मनीष गायधने से हुई थी। विवाह के बाद वह अपने पति और ससुराल पक्ष के साथ धपेरा में रह रही थी। बताया गया है कि शादी के लगभग एक माह तक उसे ससुराल में अच्छी तरह रखा गया, लेकिन इसके बाद पति मनीष गायधने, ससुर नंदकिशोर गायधने और सास चंपा गायधने दहेज कम लाने की बात कहकर उसे प्रताड़ति करने लगे। आरोप है कि तीनों उसे लगातार गाली-गलौज करते हुए शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान करते थे तथा मायके से 2 लाख रुपये लाने का दबाव बनाते थे। नवरात्रि के दौरान जब वह अपने पति के साथ मायके से ससुराल लौट रही थी। तब सालेटेका के पास मनीष ने मोटरसाइकिल रोककर उससे पूछा कि क्या वह 2 लाख रुपये लेकर आई है। जब उसने रुपये नहीं लाने की बात कही तो मनीष ने उसके पिता को फोन कर पैसे न भेजने पर बेटी को परेशान करने की धमकी दी। इसके बाद घर पहुंचकर उसके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया गया।युवती को शादी में मिले जेवर भी उससे वापस ले लिए गए और कहा गया कि मायके से पैसे लाकर नए जेवर बनवाए जाएं। आरोप है कि 14 मई 2026 को पति ने लकड़ी से उसके साथ मारपीट की। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर युवती ने मायके जाने की इच्छा जताई। जिसके बाद 30 मई की शाम करीब 7 बजे स्वाति को पति मायके छोड़कर चला गया।मायके पहुंचने पर युवती ने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई और उनके साथ किरनापुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।किरनापुर पुलिस ने आरोपी मनीष गायधने, नंदकिशोर गायधने और चंपा गायधने के विरुद्ध भारतीय न्याय सॉहिता की धारा 85, 115(2), 3(5) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

जिला अस्पताल में नशे में धुत युवक का हंगामा

ड्यूटी डॉक्टर, वार्ड बॉय और पुलिस स्टाफ से की अभद्रता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अस्पताल में बीती देर रात उस समय हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई। जब डायल 112 द्वारा उपचार के लिए लाए गए एक युवक ने अस्पताल में उत्पात मचाते हुए ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक, वार्ड बॉय और पुलिस स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार किया। संबंधित युवक आकाश शुक्ला पिता चंद्रप्रकाश शुक्ला 31 वर्ष वार्ड क्रमांक 11 लिंगा थाना ग्रामीण निवासी बताया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार घटना के समय युवक शराब के नशे में था। मिली जानकारी के अनुसार आकाश शुक्ला प्राइवेट जॉब करते हैं। 1 जून की रात करीब 10 बजे आकाश शुक्ला भोजन करने के बाद वह अपने घर के सामने टहल रहे थे। इसी दौरान जमीन के संबंध में उनके दोनों चाचा जयकुमार शुक्ला और विजय कुमार शुक्ला,पिता चंद्र प्रकाश शुक्ला के साथ बातचीत कर रहा था और बातचीत विवाद में बदल गई।आकाश का आरोप है कि विवाद के दौरान उसके पिता, दोनों चाचा, चाचा के पुत्र रुद्राक्ष तथा छोटे भाई अभिषेक शुक्ला ने उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। जिससे उसे चोटें आईं। घटना के बाद वह वहा से निकल गया और डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंची।अस्पताल से सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस भी पहुंची और घायल युवक आकाश शुक्ला से पूछताछ की। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा उसका उपचार किया गया।जबकि वार्ड बॉय हर्ष केकते उसकी मरहम-पट्टी कर रहे थे। इसी दौरान आकाश शुक्ला ने चिकित्सक के साथ अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया। बताया जाता है कि वह शराब के नशे में होने के कारण लगातार हंगामा कर रहा था।पुलिस द्वारा बयान दर्ज किए जाने के दौरान भी उसने सहयोग नहीं किया और बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं उसने वार्ड बॉय हर्ष केकते के साथ भी गाली-गलौज और बदसलूकी की। काफी समझाइश और मशक्कत के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया जा सका।घटना के संबंध में जिला अस्पताल पुलिस ने वार्ड बॉय हर्ष केकते के बयान दर्ज कर लिए हैं। लिंगा में आकाश के साथ हुई घटना की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रकरण ग्रामीण थाना पुलिस को भेज दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में सिंचाई विभाग का कर्मचारी घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना अंतर्गत ग्राम टवेझरी से जागपुर रोड पर सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। मोटरसाइकिल की ठोकर से घायल व्यक्ति निर्मल कुमार पिता बंसीलाल कनौजिया 61 वर्ष कटिंगटोला (आंवलाझरी) थाना भरवेली निवासी है। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार निर्मल कुमार कनौजिया सिंचाई विभाग बालाघाट में स्थल सहायक के पद पर पदस्थ है। 2 जून को 10:00 बजे करीब निर्मल कुमार कनौजिया मोटरसाइकिल में अपने साइड धापेवा ?। जा रहे थे। ग्राम टवेझरी से जागपुर रोड पर स्थित ग्राम मंझारा नाला के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने निर्मल कुमार कनौजिया की मोटरसाइकिल को पीछे से ठोस मार दी। जिससे वे मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। बताया गया है कि निर्मल कुमार ने अपने सहकर्मी कर्मी राधेश्याम नगपुरे ग्राम जागपुर निवासी को फोन करके दुर्घटना के संबंध में बताएं। जिसके बाद राधेश्याम नगपुरे अपने बेटे ललित नगपुरे के साथ कार से मंझारा नाला पहुंचे और घायल निर्मल कुमार कनौजिया को कार से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने निर्मल कुमार का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

आवश्यकता है
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट